हिन्दी दैनिक

रोजनामा इन्डो गल्फ

www.Newsindogulf.com/Email:-Newsindogulf730@gmail.com

सच्चाई में है दम, सच लिखते हैं हम

पटना,सोमवार | 16 सितम्बर 2024 | वर्ष : 02 अंक : 124 | पृष्ठ - 14 | PRGI NO - BIHHIN/2023/86924 | मूल्य - ₹ 3 | पटना संस्करण

ब्रीफ न्यूज

समुद्री मार्ग से दुनिया का चक्कर लगाएंगी नौसेना की दो महिला अधिकारी, तीन साल से खुद को कर रही थीं तैयार

एजेंसी

नई दिल्ली: नयी दिल्ली। भारतीय नौसेना की दो महिला अधिकारी, लेफ्टिनेंट कमांडर रूपा ए. और लेफ्टिनेंट कमांडर दिलना के. जल्द समुद्री मार्ग से दुनिया का चक्कर लगाएंगी। नौसेना प्रवक्ता कमांडर विवेक मधवाल ने रविवार को बताया कि रूपा और दिलना भारतीय नौसेना के नौकायन जहाज ह्यआईएनएसवी तारिणीह्व पर सवार होकर दुनिया का चक्कर लगाने के अभियान पर रवाना होंगी। उन्होंने बताया कि दोनों महिला अधिकारी पिछले तीन साल से ह्यसागर परिक्रमा अभियान की तैयारी कर रही हैं ।मधवाल ने कहा, ह्वसागर परिक्रमा एक कठिन यात्रा होगी, जिसके लिए अत्यधिक कौशल, फिटनेस और मानसिक सतर्कता की जरूरत पड़ेगी। दोनों महिला अधिकारी बेहद कठोर प्रशिक्षण ले रही हैं। उनके पास हजारों मील की समुद्री यात्रा का अनुभव है ।ह्व मधवाल के मुताबिक, रूपा और दिलना विश्व भ्रमणकर्ता और ह्यगोल्डन ग्लोब रेसह्व के नायक कमांडर (सेवानिवृत्त) अभिलाष टॉमी की देखरेख में प्रशिक्षण हासिल कर रही हैं।

हेलीकॉप्टर नहीं उड़ा तो सड़क से जमशेदपुर पहुंचे पीएम मोदी,

इन तीन पार्टियों को बताया झारखंड का दुश्मन

विपक्ष पर निशाना साधते हुए पीएम मोदी ने कहा, 'झारखंड के तीन सबसे बड़े दुश्मन हैं – खटट, फ्खऊऔर कांग्रेस। झारखंड के निर्माण का बदला आज भी झारखंड से उतारती है और कांग्रेस को तो झारखंड से नफरत है ही।

एजेंसी

रांची: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खराब मौसम के बीच झारखंड के जमशेदपुर पहुंचे, जहां उन्होंने एक विशाल जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने जनता से कहा कि तेज बारिश और अन्य कोई भी रुकावट उन्हें लोगों से अलग नहीं कर सकती। पीएम ने कहा कि खराब मौसम की वजह से उनका हेलीकॉप्टर उड़ान नहीं भर सका और वह जमशेदपुर की जनता के दर्शन किए बिना वापस नहीं जाना चाहते थे, इसलिए सड़क के जरिए यहां पहुंचे ।पीएम मोदी ने कहा, मैंने वादा किया था कि आमने सामने बात होगी। जब मैं सुबह रांची पहुंचा तो मौसम ज्यादा खराब हो गया, हेलीकॉप्टर उड़ नहीं सकता था। इस लिए मैंने तय किया कि सड़क के रास्ते ही जमशेदपुर जाऊंगा। रास्ते भर बारिश भी अपने आशीर्वाद बरसा रही थी और भींगते हुए भारी बारिश के

बीच लोग पूरे रास्ते में खड़े थे। ये प्यार ये आशीर्वाद मेरे जीवन की बहुत बड़ी पूंजी है।' उन्होंने कहा, 'बारिश कितनी ही तेज क्यों न हो, रुकावटें कितनी ही ज्यादा क्यों न हो, लेकिन कोई भी रुकावट मुझे आपसे अलग नहीं कर सकती है। मैं आपके दर्शन किए बिना वापस नहीं जा सकता हूं, इसलिए सड़क मार्ग से ही आप सबके दर्शन करने पहुंच गया।'पीएम मोदी ने जनता से कहा, 'आज झारखंड के हजारों गरीबों को पीएम आवास योजना के जरिए पक्के घर भी मिले हैं। इनमें से ज्यादातर घर मेरी माताओं-बहनों के नाम पर हैं। आज आपका ये भाई करमा पर्व के अवसर पर अपनी बहनों को अपने पक्के घर का उपहार देकर धन्य हो गया है ।पीएम ने कहा, 'बीते लोकसभा चुनाव में सारा विपक्ष मोदी को हराने के लिए बेचैन था। पूरी जमात, बड़े-बड़े षड़यंत्र, बड़ी-बड़ी साजिशें, झूठ की इतनी बड़ी मशीनरी, देश को बांटने और तोड़ने वाली ताकतें... लेकिन आपका आशीर्वाद उन सब पर भारी पड़ा। मैं आपके इस प्यार और आशीर्वाद के लिए भी आपका धन्यवाद करता हूं।' उन्होंने आगे कहा, 'आज देश के दलित-वंचित, गरीब-आदिवासी और महिलाओं का भरोसा मोदी पर है, आज युवाओं का भरोसा मोदी पर है, मध्यम वर्ग का भरोसा मोदी पर है। झारखंड और भाजपा का रिश्ता सिर्फ एक राजनीतिक रिश्ता नहीं है। ये रिश्ता दिल का है, ये रिश्ता अपनेपन का है। झारखंड का सपना भाजपा का अपना सपना है।'

धनखड़ ने महाराष्ट्र में 434 आईटीआई में संविधान मंदिरोंका उद्घाटन किया

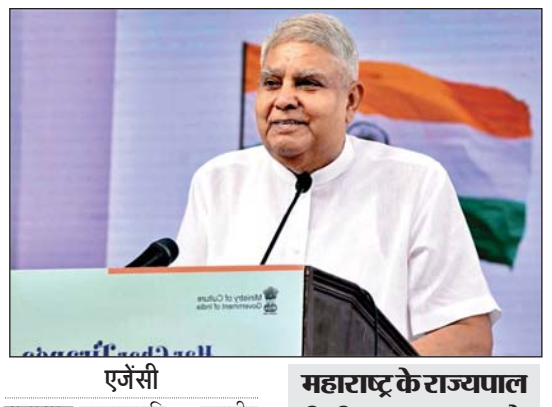

एजेंसी

महाराष्ट्र: उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने महाराष्ट्र के 434 औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) के व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्रों में रविवार को संविधान मंदिरों का उद्घाटन किया। उपराष्ट्रपति धनखड़ ने राज्य के मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा के नेतृत्व में महाराष्ट्र कौशल, रोजगार, उद्यमिता और नवोन्मेषी विभाग द्वारा मुंबई में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता की। आईटीआई विभिन्न क्षेत्रों में प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए स्थापित उच्चतर माध्यमिक विद्यालय हैं ।महाराष्ट्र के राज्यपाल सी.पी. राधाकृष्णन और केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री रामदास आठवले भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए। धनखड़ महाराष्ट्र के

महाराष्ट्र के राज्यपाल सी.पी. राधाकृष्णन और केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री रामदास आठवले भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए। धनखड़ महाराष्ट्र के दो दिवसीय दौरे पर हैं।

दो दिवसीय दौरे पर हैं ।उन्होंने गणेशोत्सव के उपलक्ष्य पर मुंबई में प्रसिद्ध लालबागचा राजा गणेश पंडाल में शनिवार को दर्शन किए। उपराष्ट्रपति शनिवार शाम को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के सरकारी आवास पर भी गए और वहां स्थापित भगवान गणेश की मूर्ति की पूजा-अर्चना की।

भाजपाका अभेद्द किला Raver को भेदने में असफल रहा विपक्ष, विधानसभा चुनाव में करना होगा करिश्मा

एजेंसी

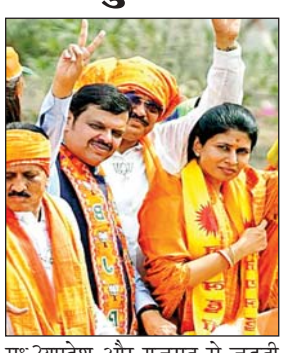

महाराष्ट्र: महाराष्ट्र के 48 लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों में से एक रावेर भी है। जिस पर भारतीय जनता पार्टी का पिछले चार चुनाव से निरंतर कब्जा बना हुआ है। हाल ही में संपन्न हुए लोकसभा चुनाव में रक्षा खडसे लगातार तीसरी बार सांसद बनी हैं। 2002 को गठित भारत के परिसीमन आयोग की सिफारिशों के बाद 2008 में यह संसदीय क्षेत्र अस्तित?व में आया। 2009 में यहां पर पहली बार सांसद चुनने के लिए मतदान किया गया था। सतपुड़ा की पहाड़ियों के चलते यह क्षेत्र प्राकृतिक रूप से यह बेहद सुंदर इलाका है। इस क्षेत्र की सीमा

मध?यप्रदेश और गुजरात से जुड़ती है। यह इलाका भारी मात्रा में केला उत?पादन के लिए जाना जाता है ।रावेर लोकसभा क्षेत्र महाराष्ट्र के जलगांव और बुलढाणा जिले के अंतर्गत आता है। जो चोपड़ा, रावेर, भुसावल, जामनेर, मुक्ताईनगर और मलकापुर विधानसभा क्षेत्रों को मिलाकर बनाया गया है। 2019 में संपन्न हुए चुनाव में दो-दो सीट कांग्रेस और बीजेपी के खाते में गई थीं। तो वहीं, एक सीट पर शिवसेना और एक निर्दलीय उम्मीदवार जीतने में सफल रहा था। इस लोक सभा क्षेत्र की चोपड़ा विधानसभा सीट अनुसूचित जनजाति वर्ग के लिए आरक्षित है। जहां अब तक बीजेपी के अलावा सभी दल जीत हासिल कर चुके हैं। वर्तमान में शिवसेना शिंदे गुट की नेता और पूर्व विधायक चंद्रकांत सोनावने की पत्नी लताबाई चंद्रकांत सोनावने विधायक हैं।

रवनीत सिंह बिट्टू की टिप्पणी पर कांग्रेस का पलटवार, कहा- ऐसे लोगों पर बस दया ही कर सकते हैं

एजेंसी

नई दिल्ली: केंद्रीय रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी पर आपत्तिजनक टिप्पणी कर नया विवाद खड़ा कर दिया है। दरअसल, बिहार के भागलपुर में रवनीत ने राहुल को देश का नंबर एक दुश्मन और आतंकी बताया था। रवनीत की इस टिप्पणी पर अब कांग्रेस ने पलटवार किया है। कांग्रेस ने कहा है कि ऐसे लोगों पर केवल दया ही की जा सकती है ।कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित ने रवनीत सिंह बिट्टू की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, 'हम ऐसे लोगों

पर केवल दया ही कर सकते हैं। कांग्रेस में उनका राजनीतिक करियर भी बर्बाद हो गया। वे राहुल गांधी की तारीफ करते थे और अब कांग्रेस से इस्तीफा देकर भाजपा में शामिल होने के बाद वे भाजपा पार्टी के प्रति अपनी वफादारी दिखा रहे हैं।'

महाराष्ट्र का मुख्यमंत्री बनना मेरी कभी ख्वाहिश नहीं रही: उद्धव ठाकरे

एजेंसी

अहमदनगर। शिवसेना (यूबीटी) नेता उद्धव ठाकरे ने कहा कि उन्होंने महाराष्ट्र का मुख्यमंत्री बनने की आकांक्षा कभी नहीं रखी। आगामी महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में मुख्यमंत्री पद के चेहरे के साथ उतरने के प्रति महा विकास आघाडी (एमवीए) सहयोगियों की अनिच्छा की पृष्ठभूमि में उनका यह बयान सामने आया है। अहमदनगर में प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए ठाकरे ने कहा कि उनकी (नवंबर) 2019 में भी मुख्यमंत्री बनने की इच्छा नहीं थी। ठाकरे ने कहा, ह्यह्यचाहे मैं सत्ता में रहूं

या नहीं, मैं लोगों के समर्थन से सशक्त महसूस करता हूं। बालासाहेब (ठाकरे) कभी भी सत्ता में नहीं थे, लेकिन लोगों के समर्थन के कारण सभी शक्तियां उनमें निहित थीं। वह पुरानी पेंशन योजना की बहाली के लिए प्रदर्शन कर रहे राज्य सरकार के कर्मचारियों को संबोधित कर रहे थे। ठाकरे ने पिछले महीने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) और कांग्रेस से महा विकास आघाडी के लिए मुख्यमंत्री पद का चेहरा तय करने के लिए कहा था, लेकिन उन्हें सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं मिली। एमवीए के मुख्य वास्तुकार और राकांपा (एसपी) प्रमुख शरद पवार ने कहा था कि गठबंधन को मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित करने की कोई आवश्यकता नहीं है। पवार ने कहा था कि मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार इस आधार पर तय किया जाएगा।

पीडीपी कश्मीर मुद्दा, अनुच्छेद 370 को दफन करने से भाजपा को रोकने के लिए चुनाव लड़ रही: महबूबा मुफ्ती

एजेंसी

कुलगाम (जम्मू कश्मीर)। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने रविवार को कहा कि उनकी पार्टी जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव केवल विकास कार्य करने के लिए नहीं लड़ रही है, बल्कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को कश्मीर मुद्दा और अनुच्छेद 370 को दफन करने से रोकने के लिए लड़ रही है। महबूबा ने यहां संवाददाताओं से कहा, ह्यह्ययह भाजपा के लिए शर्म की बात

है जो कहती रही है कि स्थिति में सुधार हुआ है, लेकिन वे पिछले 10 वर्षों में जम्मू कश्मीर में चुनाव नहीं करा सके। लोग नाराज हैं, उनका दम घुट रहा है। वे चाहते हैं कि एक ऐसी सरकार बने जो उनकी चिंताओं को दूर कर सके और उनकी मुश्किलों को खत्म कर सके ।पीडीपी प्रमुख ने कहा कि उनकी पार्टी केवल नालियों और गलियों के निर्माण के लिए चुनाव नहीं लड़ रही है। उन्होंने कहा, ह्यह्यहम इसलिए चुनाव लड़ रहे हैं कि भाजपा कश्मीर मुद्दा और अनुच्छेद 370 को दफन करना चाहती है। वह (भाजपा) चाहती है कि हर कोई केवल चुनाव के बारे में बात करे।

जम्मू कश्मीर में अमित शाह प्रचार के आखिरी दिन तीन रैलियों को संबोधित करेंगे

एजेंसी

जम्मू। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के पहले चरण के लिए प्रचार के आखिरी दिन यानी सोमवार को चिनाब घाटी में तीन जनसभाओं को संबोधित करेंगे। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक नेता ने रविवार को यह जानकारी दी। चिनाब घाटी के डोडा, किश्तवाड़ और रामबन जिलों तथा दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग, पुलवामा, कुलगाम और शोपियां जिलों में फैलीं 24 विधानसभा

सीटों के लिए पहले चरण में 18 सितंबर को मतदान होगा। भाजपा प्रवक्ता और मीडिया केंद्र के प्रभारी अरुण कुमार गुप्ता ने बताया, ह्यह्यगृह मंत्री 16 सितंबर को रामबन, किश्तवाड़ और पड्डेर में तीन जनसभाओं को संबोधित करेंगे ।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को डोडा जिले में भाजपा उम्मीदवारों के समर्थन में एक ह्यविशालह्व जनसभा को संबोधित किया। वहीं, शाह एक पखवाड़े के भीतर दूसरी बार जम्मू क्षेत्र का दौरा कर रहे हैं। शाह ने इससे पहले छह और सात सितंबर को जम्मू का दो दिवसीय दौरा किया था और विधानसभा चुनावों के लिए भाजपा का घोषणापत्र जारी किया था।

अटल सेतु के नजदीक नयी सड़क बनने से मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे के यातायात में आएगी 50 प्रतिशत कमी : गडकरी

एजेंसी

पुणे। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि समुद्र पर बने अटल सेतु के नजदीक प्रस्तावित 14 लेन की सड़क बनने से मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर मौजूदा यातायात में 50 प्रतिशत की कमी आएगी। उन्होंने बताया कि प्रस्तावित सड़क एक रिंग रोड के माध्यम से पुणे को जोड़ेगी। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री अभियंता दिवस के अवसर पर सीओईपी टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित पूर्व छात्र समारोह में मुंबई-बेंगलुरु के लिए सड़क योजनाओं के बारे में बात कर रहे थे। उन्होंने कहा, मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर यातायात का भारी दबाव है। अटल सेतु के पास 14 लेन की सड़क बनाई जाएगी तो यह सड़क मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर यातायात को 50 प्रतिशत तक कम कर देगी। यह सड़क आगे रिंग रोड के माध्यम से पुणे और फिर बेंगलुरु से जुड़ेगी ।ह्वह्व अटल सेतु देश में समुद्र पर बना सबसे लंबा पुल है और यह मुंबई के शिवड़ी को नवी मुंबई से जोड़ता है। गडकरी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि ऑटोमोबाइल क्षेत्र में भारत दुनिया में तीसरे स्थान पर है और अगले 25 वर्षों में सभी वाहन जीवाश्म ईंधन से नहीं बल्कि बिजली से चलेंगे। केंद्रीय मंत्री ने कहा, हमारी तकनीक किफायती होनी चाहिए।

हरियाणा विधानसभा चुनाव से ठीक पहले अनिल विज ने एीएम पद पर दावा पेश करने की कही बात, अब क्या करेगी भाजपा?

एजेंसी

हरियाणा में पांच अक्टूबर को होने वाले विधानसभा चुनाव से ठीक पहले अंबाला कैंट से भाजपा के विधायक अनिल विज ने अपनी पार्टी की सरदर्दी बढ़ा दी है। दरअसल, रविवार को विज ने दावा किया कि अगर भाजपा हरियाणा में सत्ता में लौटती है तो वह मुख्यमंत्री पद के लिए दावा पेश करेंगे। विज की इस टिप्पणी से भाजपा की टेंशन बढ़ सकती है क्योंकि पार्टी पहले ही स्पष्ट कर चुकी है कि अगर वह सत्ता में लौटती है तो नायब सिंह सैनी ही मुख्यमंत्री रहेंगे ।मुख्यमंत्री पद के लिए दावा पेश करते हुए छह बार के विधायक विज ने कहा, 'मैंने आज तक पार्टी से कभी कुछ नहीं मांगा। हरियाणा के लोग मुझसे मिलने आ रहे हैं। यहां तक ??कि अंबाला में भी लोग मुझसे

कहते हैं कि मैं सबसे वरिष्ठ हूं, लेकिन मैं मुख्यमंत्री नहीं बना। लोगों की मांग और वरिष्ठता के आधार पर इस बार मैं मुख्यमंत्री बनने का दावा पेश करूंगा।' अंबाला में पत्रकारों से बातचीत के दौरान की गई टिप्पणी पर स्पष्टीकरण मांगे जाने पर बाद में विज नेफोन पर ह्यपीटीआई-भाषाह्व से कहा, 'मैं पार्टी का सबसे वरिष्ठ विधायक हूं और छह चुनाव जीत चुका हूं तथा सातवां चुनाव लड़ रहा हूं। मैंने अब तक अपनी पार्टी से कभी कुछ नहीं मांगा है।' विज ने कहा, 'लेकिन पूरे हरियाणा और मेरे अपने निर्वाचन क्षेत्र के लोग मुझसे मिल रहे हैं। मैं मुख्यमंत्री पद के लिए दावा पेश करूंगा।' उन्होंने कहा, 'इस पर फैसला पार्टी आलाकमान को लेना है।'जब उनसे कहा गया कि सैनी को पहले ही मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किया जा चुका है तो विज ने कहा, 'दावा करने पर कोई रोक नहीं है। मैं अपना दावा करूंगा, पार्टी को जो फैसला लेना होगा, वह लेगी।' चुनाव में अब कुछ ही सप्ताह शेष रह गए हैं।

बिहार प्रदेश महिला कांग्रेस ने की सदस्यता अभियान की शुरूआत

पूरे विश्व में आयरन लेडी के रूप में मशहूर थी इंदिरा गांधी : डा0 अखिलेश प्रसाद सिंह

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

पटना, 16 सितम्बर, 2024अखिल भारतीय महिला कांग्रेस के स्थापना दिवस पर सदाकत आश्रम में प्रदेश महिला कांग्रेस द्वारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया।इस दौरान बिहार प्रदेश महिला कांग्रेस द्वारा पार्टी के सदस्यता अभियान की शुरूआत की गई। इस मौके पर बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सह राज्यसभा सांसद डॉ. अखिलेश प्रसाद सिंह ,पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ मदन मोहन झा , महिला कांग्रेस की प्रभारी सुषमा यादव एवं प्रदेश महिला कांग्रेस की अध्यक्ष शरवत जहां फातिमा आदि नेताओं ने पार्टी ऐप के माध्यम से सदस्यता अभियान की शुरूआत की। कार्यक्रम के दौरान पार्टी के बिहार प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अखिलेश प्रसाद सिंह ने कहा कि भारत की पहली महिला प्रधानमंत्री स्व. इंदिरा गांधी की यह दूरदर्शिता ही थी कि उन्होंने देश की आधी आबादी को राजनीति के साथ जोड़ने और उसकी आवाज को मुखर तौर पर उठाने हेतु पार्टी के एक विंग के रूप में महिला कांग्रेस की स्थापना की। उन्होंने कहा कि स्व. इंदिरा गांधी को आज भी पूरे विश्व में आयरन लेडी के रूप में जाना जाता है जिन्होंने अपने प्रधानमंत्रित्व काल में पाकिस्तान के करीब एक लाख सैनिकों को आत्मसमर्पण करने पर मजबूर कर दिया।इस दौरान पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ मदन मोहन झा ने कहा कि राजनीति में महिलाओं की भागीदारी ज्यादा से ज्यादा सुनिश्चित हो सके इसके लिए कांग्रेस पार्टी पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। सदस्यता अभियान की शुरूआत के दौरान पार्टी की महिला विंग की अध्यक्ष शरवत जहां फातिमा ने कहा कि पूरे प्रदेश में जिला से लेकर पंचायत और फिर गांव तक ज्यादा से ज्यादा महिलाओं को पार्टी का सदस्य बनाया जाए इसके लिए पार्टी संगठन ने पूरी तरह से तैयारी कर ली है। कार्यक्रम के दौरान विधान परिषद में कांग्रेस दल के नेता डा0 मदन मोहन झा, विधायक प्रतिमा कुमारी दास, महिला कांग्रेस की प्रभारी सुषमा यादव, शरवत जहां फातिमा, भावना झा, अमिता भूषण, मधुबाला, मनीषा पाण्डेय, निर्मलेन्दु वर्मा, कपिलदेव प्रसाद यादव, लाल बाबू लाल, अनिल कुमार, ब्रजेश पाण्डेय, विनोद यादवए आलोक हर्ष, शिशिर कौन्डिल्य, सुधा मिश्रा, सौरभ सिन्हा, राजकिशोर सिंह, आशुतोष शर्मा, निधि पाण्डेय,सुदय शर्मा. मो0 कामरान, दुर्गा प्रसाद, शशिकांत तिवारी, विशाल झा, अखिलेश्वर सिंह, राजेश मिश्रा, धनंजय शर्मा,संतोष कुमार श्रीवास्तव, विमलेश तिवारी, वसी अख्तर, देवी दत्ता, ज्योति, रूचि आदि लोग मौजूद थे।।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और मोदी के हनुमान चिराग पासवान बताएं वक्फ बोर्ड संशोधन बिल पर किसके साथ: डॉ. सैय्यद नासिर हुसैन

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

- वक्फ बोर्ड संशोधन बिल पर सीएम नीतीश और चिराग करें अपना स्टैंड स्पष्ट: डॉ. सैय्यद नासिर हुसैन
- भाजपा ने देश में सांप्रदायिक माहौल बिगाड़ा: डॉ. सैय्यद नासिर हुसैन

पटना. रविवार, 15 सितम्बर 2024 बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हनुमान बनकर घूम रहें केन्द्रीय मंत्री चिराग पासवान को यह स्पष्ट करना चाहिए कि वक्फ बोर्ड भाजपा सरकार के संशोधन बिल पर वें किसके साथ खड़े हैं? ये बातें बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी के मुख्यालय सदाकत आश्रम में आयोजित विशेष संवाददाता सम्मलेन को सम्बोधित करते हुए कांग्रेस पार्टी के राज्यसभा में सचेतक और वक्फ बोर्ड के संयुक्त संसदीय समिति में कांग्रेस के तरफ से नामित सदस्य डॉ सैय्यद नासिर हुसैन ने कही।कांग्रेस वर्किंग कमिटी के सदस्य व राज्यसभा सांसद डॉ. सैय्यद नासिर हुसैन ने कहा कि और जम्मू कश्मीर, हरियाणा, महाराष्ट्र सहित झारखंड में कांग्रेस गठबंधन मजबूत स्थिति में है और हम बेहतर परिणाम आगामी विधानसभा चुनावों में देंगे। बिहार की स्थिति पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि राज्य में नीतीश कुमार बताएं कि लॉ एंड ऑर्डर कहां है, बिहार में पुल गिर रहे हैं, सड़कें अधूरी पड़ी हैं और राज्य में संगठित अपराध का हवाला देकर आप कब तक खुद को पाक साफ बताते फिरेंगे। बिहार में भ्रष्टाचार चरम पर है और अब नीतीश कुमार चुप हैं। बिहार को विशेष राज्य का दर्जा दिलाने के नाम पर जनमत का अपहरण करने वाले आखिर अब तक विशेष राज्य के दर्जा पर क्यों चुप हैं। सरकार बचाने के लिए आखिर पलटी मारने वाले हैं वें ये बताएं कि बिहार की जनता को उनके बार-बार पलती मारने से क्या मिल रहा है ?वक्फ बोर्ड संशोधन बिल पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी वक्फ बोर्ड को बर्बाद करना चाहती है और पूरे देश में प्रोपगैंडा चला रही है। बिल में संशोधन बेहतरी के लिए होता है लेकिन यहां विवाद खड़ा करने के लिए किया जा रहा है। हर बिल को सांप्रदायिक रंग दे रहें हैं। जेपीसी में हमने जब मांग रखी तो उनके पास जवाब नहीं है। संविधान ने जो हमें समानता का अधिकार दिया है उसको बर्बाद करने पर भाजपा तूली हुई है। हर धर्म के निजी मामलों में विवाद पैदा करने में भाजपा सरकार लगी है। जदयू के मुखिया नीतीश कुमार, चिराग पासवान और चंद्रबाबू नायडू को अपना स्टैंड स्पष्ट करना चाहिए कि आखिर वें इस संशोधन में भाजपा के साथ और वक्फ बोर्ड के खिलाफ खड़े हैं या नहीं? देश में गलत सूचनाओं को लेकर बार-बार आवाम को बरगलाया जा रहा है। अपने वादों को पूरा ना कर पाने की स्थिति में ये लोगों को बरगलाने का काम कर रहा है। ना किसानों की आय दुगुनी हुई, ना हर व्यक्ति को घर मिला ना रोजगार मिला ना नौकरी मिली। हम भाजपा और नरेंद्र मोदी के अलोकतांत्रिक गतिविधियों, किसान विरोधी नीतियों, युवा और छात्र विरोधी नीतियों की खिलाफत करते रहेंगे।

महराजगंज मे एराकिने कमीटी ने जुलुस ए मोहम्मदी की तैयारी पुरी 16 सितम्बर को मनाई जाएगी हर्षो उलास के साथ

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद आरिफ

सिवान महाराजगंज 15 सितम्बर रविवार।महाराजगंज शाही जामा मस्जिद के एराकिने कमीटी ने 16 सितम्बर को मनाए जाने वाले जशने ईद मिलदुन नबी मुहम्मदी जुलूस की तैयारी पुरी कर ली गई है। जिसमे काफिले मे झंडा के साथ घोड़ा, ऊंट, और नाते नबी पढ़ते हुए सुबह 9 बजे शाही जामा मस्जिद से जुलूस बेला इंतजार निकला जाएगा जो शांति का पैगाम देते हुए।महाराजगंज के नखास चौक, मोहन बाजार ओभरसियर मोड़, बाटा मोड़ नया बाजार,काजी बाजार, पुरानी बाजार, पासनौली इत्यादि होते हुए महाराजगंज शाही जामा मस्जिद में आकर जुलूस समाप्त होगा । और जशने ईद मिलाद का प्रोग्राम मस्जिद के इमाम जनाब मौलाना असरारुल हक साहब के नेतृत्व मे होगा जिसमे मेहमाने खुशुशी ओलमाए एकराम, के द्वारा जलसए मिलादून नबी को संबोधित किया जाएगा। उसके बाद तमामी अहले जायरीन को खाना खिला कर रुकसत किया जाएगा। इन सभी की निगरानी एराकिने कमीटी के मेंबरान, शेख रौशन अली, मास्टर शमशुद्दीन साहब, गौहर अली, कमालुद्दीन कुरैशी, शेख रिजवानुल्लाह, खालिद अंसारी, समीउल्लाह कुरैशी, अशरफ खान, तौकीर अंसारी, अब्दुल्ला अंसारी, इत्यादि को अलग अलग जिमेदारि दी गई है।

मधुबनी जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा की अध्यक्षता में आईसीडीएस की मासिक समीक्षा बैठक

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
अबु बकर

मधुबनी जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा की अध्यक्षता में आईसीडीएस की मासिक समीक्षा बैठक हुई आयोजित।
शत प्रतिशत आंगनबाड़ी केंद्र क्रियाशील रहे,यह सुनिश्चित करे।
आंगनबाड़ी केंद्रों के लिए भूमि उपलब्धता को लेकर सीओ की बैठक में समीक्षा करवाने का दिया निर्देश।
पोषण ट्रैकर के विभिन्न मानकों/ सूचकांक में शत प्रतिशत उपलब्धि का दिया निर्देश।
पोषण ट्रैकर पर टीएचआर एवं एचसीएम की इंट्री में लखनोर एवं लदनिया का निम्न प्रदर्शन।
पोषाहार का वितरण ससमय पूरी पारदर्शिता के साथ करने का दिया निर्देश।
पोषण अभियान आंदोलन डैशबोर्ड में झंझारपुर एवं फुलपरास का अच्छा प्रदर्शन वही लदनिया,घोघरडीहा एवं बेनीपट्टी का निम्न प्रदर्शन।
-- आंगनबाड़ी केंद्रों के बच्चों का प्रत्येक माह ऊंचाई और वजन लेकर पंजी में संधारित करने का दिया निर्देश।
बच्चों के ऊँचाई एवं वजन मापने एवं ग्रोथ मॉनिटरिंग को लेकर सभी एलएस सहित सभी सेविका/सहायिका को प्रशिक्षण देने का दिया निर्देश।
आंगनबाड़ी केंद्रों के निरीक्षण में खजौली,जयनगर,झंझारपुर सीडीपीओ का निम्न प्रदर्शन।
जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित सभाकक्ष में जिले में बाल विकास परियोजना द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की समीक्षात्मक बैठक आयोजित हुई।जिलधिकारी ने समीक्षा के क्रम मे कहा कि शत प्रतिशत आंगनबाड़ी केंद्र को क्रियाशील रहे,इसे हर हाल में सुनिश्चित करे। उन्होंने डीपीओ को निर्देश दिया कि आंगनबाड़ी केंद्रों के लिए भूमि उपलब्धता को लेकर सीओ की बैठक में नियमित रूप से समीक्षा करवाये, साथ ही जहाँ भूमि उपलब्ध हो गई है,वहाँ भवन बनाने हेतु तेजी से करवाई करे। उन्होंने पोषण ट्रैकर के विभिन्न मानकों/ सूचकांक में शत प्रतिशत उपलब्धि के लिए निर्देश दिया। पोषण ट्रैकर पर टीएचआर एवं एचसीएम की इंट्री में लखनोर एवं लदनिया का निम्न प्रदर्शन पाया गया।पोषण अभियान आंदोलन डैशबोर्ड में झंझारपुर एवं फुलपरास का अच्छा प्रदर्शन वही लदनिया,घोघरडीहा एवं बेनीपट्टी का निम्न प्रदर्शन पाया गया। उन्होंने निम्न प्रदर्शन करने वाली सभी सीडीपीओ को अगली बैठक में सुधार करने का निर्देश दिया। जिलधिकारी द्वारा सभी बाल विकास परियोजना पदाधिकारी को यह भी निर्देश दिया गया कि अपने संबंधित प्रखंड में स्वास्थ्य विभाग के द्वारा आयोजित बीएलटीएफ की बैठक में उपस्थित होना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि डायरिया उन्मूलन को लेकर जिले में चलाये जा रहे अभियान में सभी सीडीपीओ महत्वपूर्ण भूमिक निभाये। डायरिया से बचाव को लेकर आंगनबाड़ी केन्द्रोंके माध्यम से व्यापक प्रचार प्रसार करे। सभी आंगनबाड़ी केंद्रों पर स्वच्छता विशेषकर हैंडवाश को लेकर जागरूकता अभियान चलाए।

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा ने चलाया सदस्यता अभियान, हरसिद्धि विधानसभा में भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के बिहार प्रदेश महामंत्री के नेतृत्व में किया गया आयोजन,

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

15 सितंबर को हरसिद्धि विधानसभा के जादवपुर पंचायत के दुदही गांव में अल्पसंख्यक मोर्चा के बैनर तले सदस्यता अभियान का शुभारंभ किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के तौर पर बिहार सरकार के माननीय मंत्री हरसिद्धि विधानसभा के सम्माननीय विधायक कृष्णानंद पासवान जी अल्पसंख्यक मोर्चा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष तुफैल खान कादरी जिला के सम्माननीय भाजपा के जिला अध्यक्ष प्रकाश अस्थाना जी एवं मथ लोहियार के मुखिया कौसर अंसारी जिला परिषद सदस्य अख्तर पंचायत समिति सदस्य अमजद खान साहब जादवपुर पंचायत के पूर्व मुखिया फारूख आजम साहब के आवास पर सैकड़ो की संख्या में अल्पसंख्यक समाज के लोग उपस्थित हुए एवं भारतीय जनता पार्टी का सदस्यता ग्रहण किये इस अभियान में सैकड़ो लोगों ने भाजपा का सदस्य ग्रहण किया एवं सैकड़ो लोग उपस्थित हुए,इस तरह का कार्यक्रम सभी विधानसभा स्तर पर चलेगा,

बिहार बाल अधिकार संरक्षण आयोग के सदस्य माननीय श्री राकेश सिंह जी को नियुक्त होने पर भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष नूर आलम धोबी ने दी बधाई,

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

पटना:- कार्यालय संवाददाता रोजनामा इंडो गल्फ, समाज कल्याण विभाग ने अधिसूचना जारी करके मंत्री परिषद के निर्णय के आलोक में निर्गत विभागीय संकल्प द्वारा बिहार बाल अधिकार संरक्षण आयोग के गठन का प्रावधान किया है उक्त संकल्प में निदेशों एवं बाल राज्य संरक्षण अधिकार अधिनियम 2005 के प्रावधानों के अंतर्गत बिहार राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग के सदस्यों के रूप में निम्नलिखित व्यक्तियों को नियुक्त किया गया है जिसमें मेरे प्रिय मान्यवर श्री राकेश सिंह जी को सदस्य बनाया गया है इनको सदस्य बनाए जाने पर मैं नूर आलम धोबी बिहार प्रदेश उपाध्यक्ष अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ बिहार बीजेपी एनडीए की सरकार के मुख्यमंत्री माननीय श्री नीतीश कुमार जी एवं माननीय उपमुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी जी तथा माननीय उपमुख्यमंत्री श्री विजय सिंह जी का आभार प्रकट करता हूं हर दिल अजीज माननीय श्री राकेश सिंह जी को सदस्य बनाकर बिहार सरकार ने मजबूत शक्ति प्रदान किया है, मुझे विश्वास है कि बिहार बाल अधिकार संरक्षण आयोग को मजबूती मिलेगी एक कुशल नेतृत्व श्री राकेश जी करते रहे हैं और आगे भी करते रहेंगे मैं इन से मिलकर इन्हें बधाई दिया और आगे भी मैं तन मन के साथ उनके साथ रहूंगा,

लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) की अल्पसंख्यक प्रदेश अध्यक्ष सलीम साहिल जी के अध्यक्षता में बैठक संपन्न हुई

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

आज दिनांक 15/09/2024 लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के प्रदेश कोर कमेटी की बैठक संपन्न हुई बैठक में मुख्य रूप से अल्पसंख्यक प्रदेश अध्यक्ष सलीम साहिल जी के अध्यक्षता में बैठक संपन्न हुई । बैठक में मुख्य रूप से चर्चा 28 नवंबर को होने वाली रैली पर हुई अल्पसंख्यकों की भागेदारी कैसे अधिक से अधिक संख्या में पहुंचे इसके लिए बिहार के तमाम पदाधिकारी बिहार के तमाम इलाकों में बिहार फर्स्ट बिहारी फर्स्ट सोच के साथ आदरणीय श्री चिराग पासवान जी भारत सरकार कैबिनेट मंत्री सह राष्ट्रीय अध्यक्ष जिन्होंने हमेशा से अल्पसंख्यकों के लिए खास कर मुसलमानो के लिए सरक से सदन तक आवाज उठाने वाले श्री चिराग पासवान जी के विशाल रैली को सफल बनाने के लिए अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ पूरी ताकत से काम करेगी
प्रदेश सोशल मीडिया प्रमुख अजय कुमार , प्रदेश उपाध्यक्ष नौसद आलम, प्रदेश उपाध्यक्ष सरवर अली , प्रदेश उपाध्यक्ष कमरान खान , प्रदेश महा सचिव जिशान खान , प्रदेश महा सचिव इफ्तेखार आलम ,प्रदेश महा सचिव नुरुल इस्लाम ,प्रदेश सचिव नूर आलम,प्रदेश सचिव मंसूर आलम ,प्रदेश महा सचिव नसरूदीन,जिला अध्यक्ष वैशाली मोहम्मद सब्बीर अनवर (अकबर) प्रदेश सोशल मीडिया उप प्रभारी आदिल परवेज अन्य लोग उपस्तित थे

मधुबनी में अभियंता दिवस पर कार्यक्रम का हुआ आयोजन

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
अबु बकर

मधुबनी में अभियंता दिवस पर कार्यक्रम का हुआ आयोजन
अभियंताओं की कड़ी मेहनत, रचनात्मक और समस्या समाधान कौशल का सम्मान करने के दिन के रूप में मनाया जाता है,अभियंता दिवस।-उप विकास आयुक्त। - मधुबनी जिला ग्रामीण विकास अभिकरण के सभागार में अभियंता दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि उपविकास आयुक्त दीपेश कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि अभियंता दिवस प्रत्येक वर्ष 15 सितंबर को सर मोक्ष गुंडम विश्वेश्वरैया की जयंती के उपलक्ष में मनाया जाता है जो एक प्रसिद्ध भारतीय इंजीनियर और राजनेता थे। इंजीनियरिंग के क्षेत्र में सर विश्वेश्वरैया एक अग्रणी व्यक्ति थे जिन्होंने भारत के बुनियादी ढांचे के विकास को महत्वपूर्ण रूप से स्थापित किया। उन्होंने कहा कि आज का दिन हमारे अभियंताओं की कड़ी मेहनत रचनात्मक और समस्या समाधान कौशल का सम्मान करने के दिन के रूप में मनाया जाता है जो जीवन के विभिन्न पहलुओं को प्रभावित करते हैं । उन्होंने इस अवसर पर उपस्थित सभी अभियंताओ को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि जिले के विकास में अभियंताओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। उक्त अवसर पर कार्यपाल अभियंता, भवन निर्माण विजय कुमार सहित लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण, पथ निर्माण विभाग,मनरेगा कार्यपालक अभियंता, सहायक अभियंता, कनीय अभियंता, पंचायत तकनीकी सहायक आदि उपस्थित रहे।

नदी में छलांग लगाकर रील्स बनानेवाले 2 डूबे, एक गंभीर

बेतिया। में रील्स बनाने के दौरान नदी में डूबने से दो दोस्तों की मौत हो गई है। जबकि तीसरे को स्थानीय गोताखोरों की मदद से बचा लिया गया है। घटना जिले के साठी थाना क्षेत्र के बसंतपुर गांव स्थित त्रिभुवन घाट की है। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शनिवार दोपहर शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया है। पुलिस आगे मामले की जांच-पड़ताल में जुटी हुई है। थानाध्यक्ष धीरज कुमार ने बताया कि मृतकों की पहचान छरदवाली तिवारी टोला के निवासी मोहन यादव के 15 वर्षीय पुत्र सचिन कुमार तथा जयप्रकाश सिंह के 16 वर्षीय पुत्र प्रिंस कुमार के रूप में की गई है। उन्होंने बताया कि मामले में परिजनों के आवेदन पर एफआईआर दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी। शनिवार दोपहर जीएमसीएच में पोस्टमार्टम कराने आए बसंतपुर पंचायत के मुखिया अजय सिंह उर्फ सरकारी सिंह ने बताया कि घटना शुक्रवार देर शाम हुई थी। रील्स बनाने के लिए सचिन, प्रिंस, हिमांशु और अंकित त्रिभुवन घाट पर गए हुए थे। रील शूट करने के दौरान सचिन, प्रिंस और अंकित नदी में डूब गए। हालांकि अंकित पांडेय को स्थानीय लोगों ने जैसे-तैसे नदी से निकाल लिया। लेकिन उसकी हालत गंभीर है। प्राइवेट अस्पताल में उसका इलाज चल रहा है। चौथा लड़का हिमांशु कुमार तैरना नहीं जानता था, इसलिए उसने नदी में छलांग नहीं लगाई। मुखिया ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही त्रिभुवन घाट पर लोग दौड़े हुए पहुंचे। पुलिस को भी जानकारी दी। थानाध्यक्ष धीरज कुमार के साथ पुलिसकर्मी भी मौके पर पहुंच गए। मुखिया के सहयोग से घाट पर लाइट की व्यवस्था की गई और स्थानीय गोताखोरों ने दोनों किशोरों का शव देर रात नदी से ढूंढ निकाला। दोनों किशोरों का शव देखकर उनके परिजनों में कोहराम मच गया। इस घटना के बाद पूरे गांव में मातम छाया हुआ है। पुलिस और ग्रामीणों का कहना है कि गांव के चारों किशोर रील्स बनाने के लिए नदी के तट पर गए थे। बारी-बारी छलांग लगाकर रील्स बना रहे थे। इस क्रम में सचिन कुमार और प्रिंस कुमार ने तट से नदी में छलांग लगाई, वहां गहराई अधिक थी। तीसरा शख्स किसी तरह अपनी जान बचाकर निकला। जब वो डूबने लगे तो एक किशोर ने उन्हें बचाने का प्रयास किया। वह थोड़ा बहुत तैरना जानता था। लेकिन वह भी डूबने लगा। किसी तरह अपनी जान बचाकर पानी से बाहर निकला। घटना की सूचना लोगों को लगी। ग्रामीणों ने बताया कि डूबे किशोरों की तलाश में जब अधिक समय लगने लगा और काफी अंधेरा हो गया तो चिंता बढ़ने लगी। हालांकि थानाध्यक्ष ने वरीय अधिकारियों को सूचना देते हुए एसडीआरएफ को भी बुलाया। लेकिन ग्रामीणों ने अपना प्रयास जारी रखा और 6 घंटे बाद डूबे किशोरों को नदी से निकाला, जिनकी मौत हो चुकी थी।

संक्षिप्त डायरी

मालगाड़ी की टूटी कपलिंग, रेलवे क्रॉसिंग के दोनों तरफ वाहनों की लगी कतार

गया-कोडरमा। रेलखंड के पहाड़पुर रेलवे स्टेशन पर शनिवार को कपलिंग टूटने से मालगाड़ी दो हिस्सों में बंट गई। ट्रेन का एक भाग कुछ दूर तक चला गया। जबकि, दूसरा छोड़ पीछे ही रह गया। इस कारण रेलवे क्रॉसिंग के दोनों तरफ वाहनों की कतार लग गई। मालगाड़ी के 2 हिस्से में बंटने के बाद लोको पायलट को मामले की जानकारी हुई। इन्होंने इस बात की सूचना वरीय अधिकारियों को दी। उन्होंने इसकी सूचना स्टेशन मास्टर और कंट्रोल रूम को दी। इस दौरान लगभग 20 मिनट तक मालगाड़ी स्टेशन पर खड़ी रही। मालगाड़ी कोडरमा से गया की तरफ जा रही थी। करीब 20 मिनट के बाद मालगाड़ी को आगे के लिए रवाना किया गया। मालगाड़ी के दो हिस्सों में बंटने का अन्य ट्रेनों के परिचालन पर कोई असर नहीं पड़ा है। लेकिन, रेलवे क्रॉसिंग के दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतार लगी। गेट खुलने तक वाहन के यात्री को दिक्कत झेलनी पड़ी। खास बात यह है कि पहाड़पुर रेलवे स्टेशन क्रासिंग के निकट अक्सर इस तरह की समस्या होते रहती है। कभी ट्रेन का डिरेल होना, कभी कपलिंग का टूटना, तो कभी मेंटेनेंस की वजह से इस सड़क से गुजरने वाले स्थानीय व बाहरी लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। स्टेशन मास्टर उमेश प्रसाद ने बताया कि ट्रेन के कपलिंग टूटने से किसी प्रकार की कोई समस्या अन्य ट्रेनों के परिचालन में नहीं आई है। करीब आधे घंटे के अंदर ही समस्या को दूर कर लिया गया। रेलवे फाटक को भी सुचारु कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि ट्रेन का कुछ हिस्सा फाटक के समीप था। इस वजह से कुछ देर के लिए परेशानी लोगों को उठानी पड़ी होगी।

तेजस्वी यादव- बिहार में लूट और अपहरण आम बात हो गई है; सरकार को कोई मतलब नहीं

पटना। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने बिहार में चल रहे लैंड सर्वे पर सवाल उठाए हैं। मधुबनी में उन्होंने कहा कि लोग परेशान है, काफी भ्रष्टाचार मचा हुआ है। सर्वे से जुड़े नियमों को सरल बनाने की जरूरत है। लोगों से बात कर समीक्षा करनी चाहिए। कमियों को दूर करना चाहिए। स्मार्ट बिजली मीटर से लोग परेशान हैं। लूट, अपहरण तो आम बात हो गई है। सरकार और पुलिस को कोई मतलब नहीं है। पीड़ित परिवार को न्याय मिले या नहीं, किसी को कोई मतलब नहीं है। जेडीयू के नेता जुआ और शराब केस में पकड़े गए, उन्हें संरक्षण मिलता है। न्याय हो नहीं रहा है। तेजस्वी यादव ने कहा कि मिथिलांचल के इलाके में गरीबी बहुत है। यहां के लोगों के बीच पलायन काफी है। बिहार काफी पिछड़ा राज्य है। दो करोड़ 90 लाख लोग बिहार से पलायन करते हैं। यह केंद्र सरकार का आंकड़ा है। बाढ़ की समस्या बनी रहती है। मधुबनी में सबसे ज्यादा विधायक एनडीए के हैं। 20 साल से बिहार में डबल इंजन की सरकार है। केंद्र में 11 साल से सरकार है। दिल खोलकर लोगों ने एनडीए को वोट दिया। बदले में क्या मिला, गरीबी, बेरोजगारी, महंगाई और लाचारी। यहां एग्रो इंडस्ट्री स्थापित हो सकती है, लेकिन लोग समस्याओं से ही ग्रस्त हैं। सभी को साथ लेकर चलना चाहते हैं हमने कहा है कि हमारी सरकार बनेगी तो 200 यूनिट बिजली फ्री देंगे। मिथिलांचल डेवलपमेंट अथॉरिटी बनाएंगे, ताकि मिथिला का इलाका डेवलप हो। यह कल्चरल इलाका है। पान, माछ, मखाना इसकी पहचान है। टूरिज्म की संभावनाएं यहां काफी है। कई जगह दो-तीन हजार के कम मार्जिन से चुनाव हारे हैं। हम सभी को साथ लेकर चलना चाहते हैं। सभी को प्रतिनिधित्व देंगे। उन्होंने आगे कहा कि कार्यकर्ता संवाद का उद्देश्य है संगठन और विचारधारा को मजबूत किया जाए। हर जगह की अलग-अलग समस्या है। कार्यकर्ता पार्टी के बैकबोन हैं। इसमें पंचायत स्तर के कार्यकताओं के साथ सीधा संवाद है। हम इनसे राय ले रहे हैं कि कैसे पार्टी को और मजबूत कर सकते हैं।

बिहार में लैंड सर्वे का काम अटका; अब कर्मचारियों को ट्रेनिंग देगी सरकार

बिहार। में 20 अगस्त से जारी जमीन सर्वे का काम चल रहा है। 1980 से पहले के जमीन के खतियान और बंटवारे के दस्तावेज कैथी लिपि में हैं। इन दस्तावेजों को नवनियुक्त सर्वे अमीन और कानूनगो पढ़ नहीं पा रहे हैं। उन्हें इस लिपि की जानकारी ही नहीं है। इससे लोगों को परेशानी हो रही है। जिन लोगों के पास पुराने दस्तावेज हैं, वे भी इस लिपि को पढ़ना नहीं जानते। ऐसे में जमीन सर्वे का काम अटक रहा है। वहीं लोग कैथी लिपि को ट्रांसलेट के लिए जगह-जगह भटक रहे हैं। पटना में 5 हजार रुपए से अधिक राशि लेकर एक्सपर्ट कैथी लिपि वाले दस्तावेजों का ट्रांसलेट कर रहे हैं। ट्रांसलेट वाले दस्तावेज लोग अमीन के पास जमा कर रहे हैं। अनुवाद कितना सही है। इसकी जनकारी अमीनों को नहीं है। इस समस्या को देखते हुए राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के निदेशक भू-अभिलेख एवं परिमाप जय सिंह ने अमीनों और कानूनगो को कैथी लिपि का प्रशिक्षण दिलाने का निर्णय लिया है। वर्तमान में तिलका मांझी भागलपुर राज्य का इकलौता विश्वविद्यालय है, जहां कैथी लिपि की पढ़ाई हो रही है। यहां छह महीने का सर्टिफिकेट कोर्स कराया जा रहा है। ताकि, पुराने दस्तावेजों को बच्चे पढ़ और लिख सकें। अब जमीन सर्वे से जुड़े सरकारी अमीन और कानूनगो कैथी लिपि पढ़ेंगे। प्रशिक्षण का काम बेतिया से शुरू हो रहा है। 17 से 19 सितंबर तक बीएचयू के रिसर्च स्कॉलर प्रीतम कुमार और मो. वाकर अहमद अमीनों और कानूनगो को प्रशिक्षित करेंगे। पश्चिम चंपारण में मिथिला प्रक्षेत्र की कैथी लिपि, मगध प्रक्षेत्र और भोजपुर प्रक्षेत्र की कैथी लिपि का प्रशिक्षण दिया जाएगा। ऐसा इसलिए कि स्थानीय बोली के हिसाब से कैथी की लिखावट के शब्द बदल जाते हैं।

ट्रक ने 3 स्कूली छात्राओं को रौंदा, 2 की मौत

समस्तीपुर। में शनिवार को स्कूल जा रही तीन छात्राओं को ट्रक ने रौंद दिया। हादसे में मौके पर ही 2 छात्राओं की मौत हो गई। मृतका फतेहपुर वार्ड-8 मोहल्ला निवासी ब्रह्मदेव सिंह की बेटी स्वाति प्रिया और राजेश कुमार सिंह की बेटी कृतिका कुमारी है। वहीं, घायल फतेहपुर वार्ड-8 निवासी कृष्ण देव सिंह की बेटी मीना कुमारी का मुसरीघरारी के निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। मीना 7वीं की छात्रा है। जबकि स्वाति और कृतिका चौथी की छात्रा थी। सड़क पार करने के दौरान हादसा हुआ। दुर्घटना के बाद ट्रक भी अनियंत्रित होकर पलट गया। आक्रोशित लोगों ने एनएच-28 को जाम कर दिया। एनएच पर दोनों ओर से वाहनों की लंबी कतार लग गई। मुसरीघरारी और ताजपुर थाने की पुलिस लोगों को समझाने में लगी है। घटना NH-28 पर मुसरीघरारी थाना क्षेत्र के फतेहपुर गांव के पास की है। बताया जा रहा कि छात्राएं प्राइमरी स्कूल की थीं। एनएच किनारे से स्कूल जा रही थीं। स्कूल के पास बच्चियां सड़क पार करने लगीं। इसी दौरान दलसिंहसराय की ओर से ताजपुर की ओर जा रहे ट्रक ने रौंद दिया। स्वाति और कृतिका की मौके पर ही मौत हो गई।
जबकि एक का उपचार चल रहा है। घटना की सूचना पर बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ मौके पर जुट गई। सड़क जाम कर दिया। लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा।

छात्रा ने खुद को कमरे बंद कर लगाई आग, मौत

गोपालगंज। के मीरगंज थाना क्षेत्र के बड़कागांव गांव में एक इंटर की छात्रा ने अपने घर के कमरे में आग लगाकर आत्महत्या कर ली। वहीं सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए गोपालगंज सदर अस्पताल भेज दिया और पूरे मामले की जांच में जुट गई है। मृतका की पहचान मीरगंज थाना क्षेत्र के बड़कागांव गांव निवासी गौतम तिवारी की इकलौती 17 वर्षीय बेटी सिवानी कुमारी के रूप में की गई। बताया जा रहा है कि मृतका सिवानी कुमारी शुक्रवार की रात खाना खाकर अपने घर के कमरे में सोने चली गई और कमरे को बंद कर लिया। वहीं उसने देर रात करीब एक बजे उसने अपने कमरे आग लगा ली। इस दौरान उसके चीखने चिल्लाने की आवाज सुन कर घर में मौजूद उसकी मां और आस पास के लोग घर से बाहर निकले और मौके पर पहुंच गए। इस बीच वह चिल्लाती रही। स्थानीय लोग उसके दरवाजे को तोड़ने का प्रयास किया लेकिन दरवाजा नहीं खुल पाया। काफी प्रयास के बाद जब दरवाजा तोड़कर अंदर घूसे तो वह पूरी तरह से जल चुकी थी। इसके बाद स्थानीय लोगो ने घटना की सूचना पुलिस को दी गई। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए गोपालगंज सदर अस्पताल भेज दिया और पूरे मामले की जांच में जुट गई है। मीरगंज थानाध्यक्ष किशोरी चौधरी ने बताया की एक लड़की ने अपने घर में आग लगाकर आत्महत्या कर ली है। शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा गया है। मामले की जांच की जा रही है। बता दें की मृतक एक भाई और एक बहन थी।

विधायक गोपाल मंडल ने कहा- कौन कब पलट जाए, पर सीएम नहीं पलटेंगे

भागलपुर। में राजद के साथ सीएम नीतीश कुमार के जाने के सवाल पर जदयू विधायक गोपाल मंडल ने कहा कि नीतीश कुमार आत्महत्या कर लेंगे, लेकिन अब लालू जी के साथ नहीं जाएंगे। रही लालू जी से मिलने की बात तो हम भी मिलते हैं, पहले भी मिलते थे। सब अपना पैठ बनाता है। कब कौन पलट जाए, लेकिन सीएम नहीं पलटेंगे। शराबबंदी को लेकर उन्होंने कहा कि बड़े लोग थाना को मिलाकर रखते हैं। नहीं फंसते हैं। छोटे लोग बदमाशी करते हैं। महुआ शराब बनाते हैं। पकड़े जाता हैं। शराबबंदी पर कोई विचार नहीं होना चाहिए। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जब तक रहेंगे शराब नहीं चल सकता है। अगर कोई चलाएगा तो पहली सरकार बना लेगा। दूसरी में हार जाएगा। शराबबंदी करके मुख्यमंत्री जी अच्छा किए हैं। वहीं, इससे पहले सांसद पर गोपाल मंडल ने टिप्पणी किया था। गोपाल मंडल ने बीते शनिवार को एक प्रेस वार्ता के दौरान कहा था की, सांसद अजय मंडल अफीम का खेती किया करते थे। बिजली का तार चोरी करके बेच देते थे। रात में रेल पटरी के पास पड़ा लोहा चोरी करके बेचते थे। देसी शराब बनाते थे। अब ट्रक पासिंग करवाते हैं और वसूली करते हैं। विधायक ने सांसद अजय मंडल पर कई गम्भीर आरोप लगाए थे। साथ ही कहा था कि झारखंड का शराब वही पीते होंगे।

बारिश के बाद बिजली के तार पर गिरा पेड़

दरभंगा। में बारिश की वजह से अलग-अलग जगह पर बिजली प्रभावित हुई है। जिससे क्षेत्र ने बिजली को समस्या उत्पन्न हो गई है। कई जगह पर सड़कों पर पानी लगा है। कहीं बिजली के तार पर पेड़ गिर गया है। जिससे लोगों को बिजली की समस्या के साथ-साथ आवाजाही में भी समस्या उत्पन्न हो गई है। तेज बारिश होने से शनिवार को जाले विधानसभा क्षेत्र के मुरैठा गांव में ग्यारह हजार वोल्ट प्रवाहित तार पर एक बबूल का पेड़ गिर गया। इससे तार टूट गया। इस कारण कई गांव मुरैठा, मिल्की, बेलबाड़ा, खजुरबाड़ा,भमरपुरा आदि के बिजली संपर्क दिन भर बाधित रही। सूचना मिलते ही बिजली विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे। पेड़ को कटवाया गया। टूटे हुए ताड़ को जोड़ने में विभाग जुट गया। लेकिन, विद्युत कर्मी को बारिश के कारण काफी परेशानी का सामना करना पड़ा है। बिजली आपर्ति बहाल नहीं हुई है। दूसरी ओर गरबौरम प्रखंड क्षेत्र में सड़क पर पानी जमा हो गया।

किशनगंज में 7 बच्चों को लगी हल्की चोट, स्थानीय लोगों ने निकाला बाहर

किशनगंज। के पोठिया प्रखंड में बागमारा रेल गेट के पास एक स्कूल बस बेकाबू होकर सड़क किनारे पलट गई। घटना के बाद ग्रामीणों ने सभी बच्चों को बस से बाहर निकाला। जानकारी के अनुसार बस में सवार 6 से 7 बच्चों को हल्की चोट लगी है। प्राथमिक उपचार के बाद सभी को घर भेज दिया गया है। स्कूल बस में कुल 30 लोग सवार थे, इसमें 28 स्कूली बच्चे सहित एक खलासी और एक ड्राइवर मौजूद थे। ग्रामीणों ने घटना की जानकारी पुलिस केंद्र को दिया। सूचना पर पहुंची पोठिया पुलिस जांच पड़ताल में जुट गई है। लोगों का कहना है कि हादसा बरसात के कारण हुआ है। हालांकि ग्रामीणों में घटना को लेकर आक्रोश है। स्कूल प्रबंधन से पूरे मामले की जांच करने की मांग की जा रही है। ग्रामीणों ने आगे कहा कि बस शनिवार की सुबह बच्चों को लाने के लिए गांव जा रही थी। पोठिया थाना अध्यक्ष निशीकांत कुमार ने कहा कि स्कूल बस इस्लामपुर की है। फिलहाल सभी बच्चे सुरक्षित है और उनके माता-पिता को सौंप दिया गया है।

महिला ने नस काट की सुसाइड की कोशिश, प्रेमी से मिलने कोलकाता से पूर्णिया आई प्रेमिका

पूर्णिया। में दामाद से अफेयर के बाद सास ने नस काटकर सुसाइड की कोशिश की। दोनों के बीच दो साल से अफेयर चल रहा था। महिला कोलकाता की रहने वाली है। उसने अपने दामाद से कोलकाता में ही शादी कर ली। इस बात की भनक अपने पहले पति और बच्चों को नहीं लगने दी। दूसरा पति (दामाद) सोनू कय्यर कोलकाता में रेंट पर रहने लगा। महिला से मिलता रहता था। 2 माह पहले दूसरा पति कोलकाता से पूर्णिया आ गया। जब वो वापस कोलकाता नहीं लौटा तो महिला अपने तीन बच्चों और पहले पति को छोड़कर खुद पूर्णिया आ गई। दूसरे पति ने महिला के साथ रहने से मना कर दिया। वहीं, दूसरी तरफ पहले पति रतन लाल ने भी महिला से दूरी बना ली थी। महिला दोनों तरफ से अकेली पड़ गई। उसने सुसाइड की कोशिश की। महिला को गंभीर हालत में GMCH पूर्णिया में एडमिट कराया गया। हालत स्थिर होने के बाद पुलिस ने महिला का बयान लिया। दूसरे पति के खिलाफ मामला सदर थाना में दर्ज कराया और दूसरे पति को गिरफ्तार कर लिया है। सोनू कय्यर सदर थाना क्षेत्र के गुलाबबाग चौहान टोला का रहने वाला है। जबकि महिला कोलकाता के कालीघाट की रहने वाली है। रिश्ते में दोनों दूर के सास और दामाद लगते हैं। पीड़िता ने कहा कि 2010 में कोलकाता के कालीघाट के रहने वाले रतन लाल (32) से पहली शादी हुई थी। जिससे उसके तीन बच्चे भी हैं। पति 2017 में हैदराबाद चला गया और वहां शेयर मार्केट में काम करने लगा। वो कभी-कभी ही घर आता था। पूर्णिया में मेरे कुछ रिश्तेदार रहते हैं। 2021 में रिश्तेदार के घर फंक्शन था। इसी में शरीक होने मैं कोलकाता से पूर्णिया पहुंची थी। छठी कार्यक्रम के दौरान मुलाकात सोनू कय्यर से हुई। सोनू ने बातों ही बातों में नंबर मांगा। यहीं दोनों पहली बार मिले। कॉल और फेसबुक पर बातचीत शुरू हो गई। कुछ ही दिनों में बातचीत दोस्ती में बदल गई। दोस्ती प्यार में बदल गया। इंस्टाग्राम और व्हाट्सएप वीडियो कॉलिंग के जरिए प्यार का इजहार किया। कभी वो कोलकाता मिलने पहुंचता। तो कभी मैं उससे मिलने पूर्णिया के होटल में आती थी। इसी तरह कई बार सोनू ने संबंध बनाया। इसी प्यार में पहले पति व बच्चों से दूरी और प्रेमी से नजदीकियां बढ़ गई। 2023 में दोनों ने कोलकाता कालीघाट स्थित मंदिर में घर वालों से छिपकर शादी कर ली। पीड़िता के अनुसार सोनू ने नौकरी के लिए कोलकाता में ही इंटव्यू दिया। कालीघाट में किराए का मकान लिया। लड़कियों के साथ अफेयर है। फेसबुक और इंस्टाग्राम के चैट पढ़ने पर शक सच हो गया।

महंगा होगा चावल, एक्पोर्ट में राहत देने की तैयारी में मोदी सरकार

नईदिल्ली, एजेंसी। उपभोक्ताओं के लिए चावल महंगी कीमत पर मिल सकता है क्योंकि मोदी सरकार एक्पोर्ट में राहत देने की तैयारी कर रही है। दरअसल, वरिष्ठ मंत्रियों की एक समिति चावल की कुछ किस्मों पर लगे प्रतिबंध की समीक्षा की जरूरत पर विचार कर रही है। अगर बैन हटा तो फिर चावल की कीमत में बढ़ौतरी होना तय है। वहीं, आंकड़ों से पता चलता है कि पिछले साल जुलाई-अगस्त में चावल निर्यात पर लगे प्रतिबंधों से बासमती की तुलना में गैर-बासमती चावल पर ज्यादा असर पड़ा है।

खुले बाजार में चावल बेचना शुरू करने जा रही सरकार

सूत्रों ने कहा कि समिति जल्द ही चावल की कुछ किस्मों के निर्यात पर प्रतिबंधों में ढील देने को लेकर दिए गए सुझावों पर विचार करेगी, क्योंकि इसका केंद्रीय पूल में भंडार जरूरत से ज्यादा हो गया है। कुछ पर्यवेक्षकों का मानना है कि समिति प्रतिबंधों में ढील देने का फैसला खरीफ में धान की बोआई की स्थितिसाफ होने तक के लिए टाल सकती है। अगले महीने से केंद्र सरकार खुले बाजार में चावल बेचना शुरू करने जा रही है। केंद्र ने राज्यों को बगैर किसी निविदा के उससे चावल खरीदने की अनुमति भी दे दी है इस चावल की बिक्री 28 रुपये किलो नियत भाव पर होगी। इस फैसले से कई राज्य, खासकर दक्षिण भारत के राज्य अपनी खाद्यान्न योजना फिर से शुरू कर सकेंगे।

इस बात की भी संभावना है कि भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) का अतिरिक्त चावल एथनॉल बनाने के लिए भी दिया जाए, जो पिछले कुछ महीने से रुका हुआ है। ऐसा इसलिए भी है, क्योंकि अनाज से एथनॉल बनाने वाले सरकार पर (ओएमसी) द्वारा एथनॉल की एफसीआई के गोदामों से सस्ते खरीद दर में वृद्धि करने की मांग की चावल की आपूर्ति बहाल करने की थी मांग कर रहे हैं। उनका तर्क है कि ऐसा न होने से उनके संयंत्र बंद हो जाने खतरा है। उनका कहना है कि पिछले 6 महीने में खुले बाजार में टूटे चावल की कीमत औसतन 22 से 24 रुपये किलो से बढ़कर 27 से 29 रुपये किलो हो गई है। मक्के की कीमत भी औसत 22 से 23 रुपये किलो से बढ़कर 26 से 27 रुपये किलो पहुंच गई है। इस कीमत पर भी आपूर्ति सीमित है। ग्रेन एथनॉल मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (जीईएमए) ने हाल ही में केंद्रीय खाद्य मंत्री प्रह्लाद जोशी को पत्र लिखकर एफसीआई के अतिरिक्त चावल की आपूर्ति बहाल करने या तेल विपणन कंपनियों (ओपीएस) द्वारा एथनॉल की खरीद दर में वृद्धि करने की मांग थी। सेंट्रल पूल में 1 जुलाई को चावल का स्टॉक करीब 563.1 लाख टन (धान सहित) था, जो पिछले साल की समान अवधि के स्टॉक की तुलना में करीब 16 प्रतिशत ज्यादा है। साथ ही मौजूदा स्टॉक, बफर स्टॉक के मानकों से उल्लेखनीय रूप से अधिक है। सूत्रों ने कहा कि मंत्रियों की समिति बासमती के न्यूनतम निर्यात मूल्य को मौजूदा 950 डॉलर से घटाकर 850 डॉलर करने पर भी विचार कर सकती है। इसके अलावा कुछ रॉ राइस को 500 डॉलर प्रति टन के हिसाब से निर्यात की अनुमति मिल सकती है, साथ ही प्रीमियम चावल की किस्मों जैसे सोना मसूरी और गोविंद भोग के निर्यात की भी अनुमति मिल सकती है।

कॉलेज पासआउट दो से में एक युवा के पास रोजगार के लिए जरूरी योग्यता नहीं, सर्वे में खुलासा

नईदिल्ली, एजेंसी। आर्थिक सर्वे के अनुसार भारत की तेजी से बढ़ती जनसंख्या का 65 प्रतिशत 35 वर्ष से कम उम्र का है, लेकिन उमें से कई लोगों के पास आधुनिक अर्थव्यवस्था के लिए आवश्यक कौशल का अभाव है। अनुमान बताते हैं कि लगभग 51.25 प्रतिशत युवा रोजगार के योग्य माने जाते हैं। दूसरे शब्दों में इसका मतलब है कि सीधे कॉलेज से बाहर आने वाले लगभग दो में से एक युवा अब भी आसानी से रोजगार के योग्य नहीं है। हालांकि, यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि पिछले दशक में स्किल्ड युवाओं का प्रतिशत लगभग 34 प्रतिशत से बढ़कर 51.3 प्रतिशत हो गया है। कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई) ने बताया कि भारत में शिक्षा और व्यावसायिक प्रशिक्षण की स्थिति पर एनएसएसओ, 2011-12 (68वें दौर) की रिपोर्ट के अनुसार, 15-59 वर्ष की आयु के व्यक्तियों में लगभग 2.2 प्रतिशत ने औपचारिक व्यावसायिक प्रशिक्षण प्राप्त किया है। वहीं, 8.6 प्रतिशत ने गैर-औपचारिक व्यावसायिक प्रशिक्षण प्राप्त किया है। आर्थिक सर्वे के अनुसार देश में बढ़ते मानव संसाधन को काम मुहैया कराने के लिए गैर कृषि क्षेत्र में 2030 तक सालाना 78.5 लाख रोजगार सृजन करने की जरूरत है। सर्वे में कहा गया है कि कामकाज की उम्र का हर व्यक्ति नौकरी ही नहीं करेगा। उनमें से कुछ स्वरोजगार भी करेंगे और कुछ लोग नियोक्ता भी बनेंगे। सर्वे में कहा गया है कि देश का आर्थिक विकास नौकरियों से ज्यादा लोगों को आजीविका मुहैया कराने की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। सभी स्तर के सरकारों और निजी क्षेत्र को भी इस में योगदान देना होगा। आर्थिक सर्वे के अनुसार कृषि क्षेत्र का श्रम बल जो 2023 में 45.8 प्रतिशत है वह 2047 तक धीरे-धीरे घटकर 25 प्रतिशत पर पहुंच सकता है। इसलिए 2030 तक हमें गैर कृषि क्षेत्र में सालाना करीब 78.5 लाख रोजगार मुहैया कराने होंगे। सर्वे के अनुसार 78.5 रोजगार सृजन का लक्ष्य पीएलआई (5 साल में 60 लाख रोजगार), मित्र टेक्सटाइल स्कीम (20 लाख रोजगार) और मुद्रा योजनाओं के क्रियान्वयन से हासिल किए जा सकते हैं।

फाइनेंस फर्मों के साथ-साथ इन्फ्रा और ऑटो कंपनियों को हो सकता है फायदा

नईदिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल का पहला आम बजट मंगलवार 23 जुलाई को पेश होगा। सरकार से व्यक्तिगत टैक्स को कम करके या कंज्यूमर-सेंटर्ड क्षेत्रों पर खर्च बढ़ाकर एशिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था में खपत को बढ़ावा देने की उम्मीद है। रायटर्स के मुताबिक ब्रोकरेज फर्मों ने कहा कि इससे कंज्यूमर्स गुड्स मेकर्स, रियल एस्टेट और हाउसिंग फाइनेंस फर्मों के साथ-साथ इन्फ्रा और ऑटो कंपनियों को फायदा हो सकता है, लेकिन कुछ क्षेत्रों को नुकसान भी हो सकता है। सिटी के मुताबिक सरकार द्वारा खपत को बढ़ावा देने के लिए ग्रामीण योजनाओं के लिए अधिक धन आवंटित किए जाने की उम्मीद है। इससे हिंदुस्तान यूनिलीवर जैसी एफएमसीजी कंपनियों और टीवीएस मोटर व हीरो मोटोकॉर्प जैसी दोपहिया वाहन निर्माताओं को फायदा मिल सकता है।

जॉब रिजर्वेशन विवाद में बैकफुट पर फोनपे के मालिक, बिना शर्त मांगी माफी

नईदिल्ली, एजेंसी। कर्नाटक में अटके पड़े नौकरी आरक्षण विधेयक पर अपनी टिप्पणी को लेकर मचे बवाल के बीच फाइनेंशियल टेक्नोलॉजी कंपनी फोनपे के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर और फाउंडर समीर निगम ने रविवार को बिना शर्त माफी मांगी। उन्होंने कहा कि उनका कभी भी राज्य और उसके लोगों का अपमान करने का इरादा नहीं था। बता दें कि हाल ही में एक बयान के कारण फोनपे को सोशल मीडिया पर आलोचना और बहिष्कार का सामना करना पड़ा था। दरअसल, निगम ने कर्नाटक सरकार के नौकरियों के लिए कोटा विधेयक की आलोचना की थी। इसमें मूल रूप से प्राइवेट सेक्टर में स्थानीय लोगों के लिए आरक्षण का प्रस्ताव था। यह प्रस्ताव फिलहाल निलंबित कर दिया गया है।

कंपनी ने क्या कहा?

रविवार को एक बयान जारी करते हुए समीर निगम ने कहा कि फोनपे का जन्म बेंगलुरु में हुआ था और टीम को ऐसे शहर में अपनी जड़ों पर अविश्वसनीय रूप से गर्व है, जो अपनी ग्लोबल टेक्नोलॉजी टैलेंट और वाइब्रेंट डायवर्सिटी के लिए जाना जाता है। निगम ने कहा, मैंने हाल ही में मीडिया में कुछ रिपोर्ट्स पढ़े हैं, जिनमें मैंने पिछले सप्ताह नौकरी आरक्षण विधेयक मसौदे के बारे में कुछ व्यक्तिगत टिप्पणियां की थीं। मैं सबसे पहले यह स्पष्ट करना चाहूंगा कि कर्नाटक और उसके लोगों का अपमान करने का मेरा कभी इरादा नहीं था।

130 रुपये के शेयर ने पहले ही दिन दोगुना किया पैसा, 90 प्रतिशत फायदे पर लिस्टिंग

नईदिल्ली, एजेंसी। सती पॉली प्लास्ट की शेयर बाजार में जबरदस्त लिस्टिंग हुई है। सती पॉली प्लास्ट के शेयर 90 पर्सेंट के प्रीमियम के साथ 247 रुपये पर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हुए हैं। आईपीओ में सती पॉली प्लास्ट के शेयर का दाम 130 रुपये था। कंपनी का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए 12 जुलाई 2024 को खुला था और यह 16 जुलाई तक ओपन रहा। सती पॉली प्लास्ट के पब्लिक इश्यू का टोटल साइज 17.36 करोड़ रुपये का था।

शानदार लिस्टिंग के बाद लगा अपर सर्किट

धमाकेदार लिस्टिंग के ठीक बाद सती पॉली प्लास्ट के शेयर 5 पर्सेंट के अपर सर्किट के साथ 259.35 रुपये पर पहुंच गए हैं। जिन इनवेस्टर्स को आईपीओ में कंपनी के शेयर अलॉट हुए हैं, उनका पैसा पहले ही दिन दोगुना हो गया है। आईपीओ से पहले कंपनी में प्रमोटर्स की हिस्सेदारी 86.30 पर्सेंट थी, जो कि अब 63 पर्सेंट रह गई है। सती पॉली प्लास्ट की शुरुआत जुलाई 1999 में हुई थी। कंपनी मल्टीफंक्शनल फ्लेक्सिबल पैकेजिंग मैटीरियल्स की मैन्युफैक्चरिंग करती है। सती पॉली प्लास्ट की 2 मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स हैं। एक प्लांट की हर महीने की कैपेसिटी 540 टन है। दूसरा प्लांट नोएडा के उद्योग केंद्र में है और इसकी कैपेसिटी भी महीने की 540 टन की है। कंपनी अपने पैकेजिंग मैटीरियल की सप्लाई असम, बिहार, छत्तीसगढ़, दिल्ली, गुजरात, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, मध्य प्रदेश, पंजाब, महाराष्ट्र और राजस्थान में करती है। सती पॉली प्लास्ट का आईपीओ टोटल 499.13 गुना सब्सक्राइब हुआ था। कंपनी के आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स का कोटा 670.62 गुना सब्सक्राइब हुआ। कंपनी के आईपीओ में नॉन-इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स का कोटा 569.52 गुना सब्सक्राइब हुआ। जबकि क्वॉलीफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स कैटेगरी में 146 गुना दांव लगा। सती पॉली प्लास्ट के आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स सिर्फ 1 लॉट के लिए अप्लाई कर सकते थे। आईपीओ की एक लॉट में 1000 शेयर हैं। यानी, रिटेल इनवेस्टर्स को 130000 रुपये का इनवेस्टमेंट करना पड़ा है।

1 से बढ़कर 110 पर आया टाटा का शेयर

नईदिल्ली, एजेंसी। टाटा टेलीसर्विसेज (महाराष्ट्र) (टीटीएमएल) के शेयर आज सोमवार को फोकस में हैं। कंपनी के शेयर आज 8 प्रतिशत तक चढ़कर 110 रुपये के इंट्रा डे हाई पर पहुंच गए थे। बता दें कि पिछले कई 5 कारोबारी दिन से टाटा ग्रुप के इस शेयर में रॉकेट की स्पीड है। पांच दिन में यह शेयर करीबन 50 प्रतिशत तक चढ़ गया है। इससे पहले शुक्रवार के इंट्रा-डे कारोबार में बीएसई पर यह शेयर 14 फीसदी की बढ़त के साथ 20 महीने के उच्चतम स्तर 111.48 रुपये पर पहुंच गया था। आपको बता दें कि टीटीएमएल के शेयर में लगातार मुनाफावसूली हो रही थी और यह शेयर 70 रुपये से नीचे पहुंच गया था। इसका 52 वीक का लो प्राइस 65.29 रुपये है। कंपनी का मार्केट कैप 20,999.83 करोड़ रुपये है। बता दें कि 27 मार्च 2020 को इस शेयर की कीमत 1 रुपये थी। यानी अब तक यह शेयर 10,900 प्रतिशत चढ़ गया है।

कंपनी का कारोबार

टाटा टेलीसर्विसेज लिमिटेड अपनी सहायक कंपनी टीटीएमएल (टाटा टेलीसर्विसेज) के साथ एंटरप्राइज क्षेत्र में बढ़ती बाजार प्रमुख है। यह टाटा टेली बिजनेस सर्विसेज (टीटीबीएस) ब्रांड नाम के तहत देश में व्यवसायों के लिए कनेक्टिविटी, सहयोग, क्लाउड और सास, सुरक्षा और मार्केटिंग सॉल्यूशंस का एक बड़ा पोर्टफोलियो प्रोवाइडर है। टाटा टेलीसर्विसेज के पास व्यापक, उच्च गुणवत्ता और मजबूत वायरलाइन नेटवर्क है और यह भारत भर के 60 से अधिक शहरों में अपने उत्पाद और सेवाएं प्रदान करता है।

24 जुलाई को है बोर्ड मीटिंग

हाल ही में एक एक्सचेंज फाइलिंग में टाटा समूह की कंपनी ने कहा कि कंपनी के बोर्ड मेंबर की एक बैठक बुधवार, 24 जुलाई, 2024 को होने वाली है। इसमें कई अहम फैसले लिए जा सकते हैं। वहीं, बुधवार, 17 जुलाई को टीटीएमएल ने कहा कि टाटा टेली बिजनेस सर्विसेज (टीटीबीएस) के एक नए रिसर्च के अनुसार, भारत के बढ़ते डिजिटल त्वरण से प्रेरित होकर, छोटे और मध्यम उद्यम (एसएमई) अपनी प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त के लिए तेजी से क्लाउड का लाभ उठा रहे हैं। देश भर में 58 प्रतिशत एसएमई का मानना है कि उनके पास उच्च स्तर की डिजिटल परिपक्वता है ।

5 शेयर करेंगे मालामाल ! अभी दांव लगाने से 3 से 4 वीक में ही हो जाएगा फायदा

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार बेंचमार्क निफ्टी 50 में पिछले सप्ताह 0.12 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। इससे लगातार सातवें सप्ताह में तेजी देखी गई। शुक्रवार के बंद (19 जुलाई) तक बेंचमार्क इंडेक्स इस साल 13 फीसदी चढ़ा है। इस बीच, कई एनालिस्ट्स का मानना है कि बाजार के हाई वैल्यूएशन और मौजूदा आय सेशन की वजह से छोटी अवधि में कुछ उतार-चढ़ाव आ सकता है। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव को लेकर अनिश्चितता और फेड रेट कट से भी बाजार का रुख बदल सकता है। निवेशकों को केंद्रीय बजट 2024 का इंतजार है, जिसे वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण मंगलवार, 23 जुलाई को पेश करेंगी। बाजार को उम्मीद है कि बजट वृद्धि समर्थक होगा और कुछ लोकलुभावन उपायों के साथ राजकोषीय विवेक पर भी ध्यान केंद्रित करेगा। एक्सपर्ट के मुताबिक, बाजार की दिशा आगामी बजट नतीजों से तय होगी। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के रिसर्च प्रमुख विनोद नायर ने कहा, अगर बजट उम्मीद पर खरा उतरता है तो यह बाजार में अधिक स्थिरता प्रदान करेगा। ऐसे में एनालिस्ट निवेशकों को सतर्क रहने और क्वालिटी शेयरों पर दांव लगाने की सलाह देते हैं। छोटी अवधि के लिए वे उन शेयरों को खरीदने की सलाह देते हैं जो टेक्निकल इंडिकेटर पर आकर्षक दिखाई देते हैं। कई एक्सपर्ट्स की सलाह के आधार पर आपको हम 5 ऐसे शेयरों के बारे में बता रहे हैं, जो अगले 3-4 हफ्तों में 10-18 पर्सेंट चढ़ सकते हैं। जिगर एस. पटेल, आनंद राठी शेयर एंड स्टॉक ब्रोकर्स टाइटन कंपनी को लेकर पॉजिटिव हैं। एनालिस्ट का मानना है कि निवेशक टाइटन के शेयरों को 3,235-3,265 रेंज के भीतर खरीदने पर विचार कर सकते हैं। 3,575 के टारगेट प्राइस तक संभावित तेजी की उम्मीद की जा सकती है। स्टॉप लॉस 3,090 पर रख सकते हैं। एनालिस्ट के मुताबिक, टेक्निकल इंडिकेटर्स को ध्यान में रखते हुए बजाज फिनसर्व में 1,620-1,645 रुपये के दायरे में लॉन्ग पोजिशन शुरू करना समझदारी भरा लगता है। इस एंट्री रेंज से 1,800 का टारगेट प्राइस हो सकता है।

स्पेसेस बाय वेलस्पन ने दिखाई भोपाल की बेस्ट डीलरशिप्स

भोपाल । स्पेसेस बाय वेलस्पन ने भोपाल में स्थित अपने शीर्ष डीलरशिप स्टोर्स दानवी इंटरप्राइजेस (शेड्स एंड स्प्रेड्स) को मिली शानदार पहचान का जोरदार स्वागत किया । यह सम्मान दानवी इंटरप्राइजेस (शेड्स एंड स्प्रेड्स) के शानदार प्रदर्शन और अटूट समर्पण को दिखाता है । यह डालरशिप्स स्पेसेस ब्रांड के एक अभिन्न अंग रहा है जिसने असाधारण प्रतिबद्धता और वफादारी का प्रदर्शन किया हैए जिसने वास्तव में ब्रांड की सफलता और विकास को आगे बढ़ाया है । प्रीमियम होम टेक्सटाइल केटेगरी में एक मार्केट लीडर, स्पेसेस बाय वेलस्पन, इनोवेटिव और प्रीमियम प्रोडक्ट की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करता है जो स्टाइल और फंक्शन दोनों पर ध्यान केंद्रित करती है ।

बजट के पहले सोने-चांदी के दाम गिरे

नईदिल्ली, एजेंसी। बजट के पहले कमोडिटी बाजार में भी सुस्ती दिखाई दे रही है। आज सोने में हल्की तेजी तो चांदी में गिरावट नजर आई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में पिछले सत्र में सोना 50 डॉलर टूटकर 2400 डॉलर पर तो चांदी 3 प्रतिशत लुढ़ककर 29.30 डॉलर के नीचे आ गई थी। घरेलू बाजार में भी सोने में 1,200 रुपए और चांदी में 2,100 रुपए की भारी गिरावट आई थी। आज भी बाजार थोड़े कमजोर ही नजर आए।

भारतीय वायदा बाजार पर सोना 71 रुपए (0.1 प्रतिशत) की तेजी के साथ 73,061 रुपए प्रति 10 ग्राम पर चल रहा था। शुक्रवार को 72,990 पर बंद हुआ था। वैसे गोल्ड आज 73,184 के भाव पर खुला था। आज चांदी भी खुली तो हरे निशान में थी लेकिन इसके बाद इसमें 278 अंकों की गिरावट दर्ज हो रही थी और ये 89,368 रुपए प्रति किलोग्राम के आसपास चल रही थी। पिछले कारोबारी सत्र में ये 89,646 रुपए पर बंद हुई थी।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी गिरा सोना

अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना 2 फीसदी से ज्यादा गिरा है। इस हफ्ते सोना अपने ऑल टाइम हाई पर गया था। सितंबर में ब्याज दरों में कटौती की संभावनाओं से बाजार में तेजी बनी हुई थी लेकिन ऊपरी स्तरों से प्रॉफिटबुकिंग आने के चलते यूएस स्पॉट गोल्ड 1.9 प्रतिशत गिरकर 2,399.27 प्रति औंस पर आ गया और यूएस गोल्ड फ्यूचर्स 2.3 प्रतिशत गिरकर 2,399.10 प्रति औंस पर गया।

सर्राफा बाजार में भी लुढ़के सोना-चांदी

आभूषण विक्रेताओं की कमजोर मांग के बीच राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में शुक्रवार को सोना 750 रुपए की गिरावट के साथ 75,650 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। इसके साथ सोने में पिछले छह कारोबारी सत्रों से जारी तेजी पर विराम लग गया। इससे पिछले कारोबारी सत्र में सोना 76,400 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। इस बीच, 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 800 रुपए घटकर 75,300 रुपए प्रति 10 ग्राम पर रहा। गुरुवार को यह 76,100 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। चांदी की कीमत भी 1,000 रुपए टूटकर 93,000 रुपए प्रति किलोग्राम पर रही। पिछले कारोबारी सत्र में 94,000 रुपए प्रति किलोग्राम पर रही थी। सोने की कीमतों में गिरावट का कारण वैश्विक बाजारों में कमजोर रुख और देश में आभूषण विक्रेताओं की मांग में आई गिरावट रही।

स्टैंडर्ड कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड ने पैसालो डिजिटल में बड़ा निवेश किया

नई दिल्ली, एजेंसी। स्टैंडर्ड कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड (बीएसईः 511700), एक अग्रणी एनबीएफसी जो वैकल्पिक वित्तीय सेवाएं प्रदान करती है और सभी के लिए वित्तीय पहुंच और विकास को बढ़ावा देती है, यह घोषणा की कि एससीएमएल ने पैसालो डिजिटल लिमिटेड के साथ हाथ मिलाया है। पैसालो डिजिटल ग्रामीण भारत में वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने के लिए समर्पित एक अग्रणी वित्तीय सेवा कंपनी है।

यह निवेश एससीएमएल की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है जो वित्तीय अंतर को पाटने और कम सेवा वाले क्षेत्रों में आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए नवीन समाधानों को उन्नत करता है। एससीएमएल का निवेश पैसालो डिजिटल को अपनी पहुंच और प्रभाव का विस्तार करने में सक्षम बनाएगा, जिससे अधिक ग्रामीण समुदायों को आवश्यक वित्तीय सेवाओं तक पहुंच प्रदान की जा सकेगी।

प्रौद्योगिकी और नवाचार में एससीएमएल की विशेषज्ञता का लाभ उठाते हए, पैसालो डिजिटल अपने डिजिटल प्लेटफॉर्म को बेहतर बनाएगा, जिससे सेवा वितरण सुचारू और कुशल होगा। इस सहयोग में संभावित रूप से अधिक लक्षित और प्रतिस्पर्धी उत्पादों की पेशकश भी शामिल है, जिसमें उधारकर्ताओं के लिए अधिक लचीले ऋण मानदंड शामिल हैं। स्टैंडर्ड कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड के प्रबंध निदेशक श्री राम गोपाल जिंदल ने साझेदारी के बारे में अपना उत्साह व्यक्त करते हुए कहा, हम ग्रामीण भारत में वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने के उनके मिशन में पैसालो डिजिटल लिमिटेड के साथ सहयोग करने के लिए उत्साहित हैं। यह निवेश वित्तीय समावेशन के लिए हमारी प्रतिबद्धता के अनुरूप है।

जो सकारात्मक सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन को प्रेरित करता है।

एचएमए एग्रो इंडस्ट्रीज लि. ने एएलएम फूड प्रोडक्ट्स के साथ फेसिलिटी समझौता किया

मुंबई । एचएमए एग्रो इंडस्ट्रीज लिमिटेड (बीएसई : 543929, एनएसई : एचएमए एग्रो), प्रसंस्कृत खाद्य और कृषि उत्पादों में अग्रणी, ने घोषणा की है कि बफेलो मीट के लिए उसने एएलएम फूड प्रोडक्ट्स लिमिटेड (एएलएम फूड), पंजाब और एएलएम इंडस्ट्रीज लिमिटेड (एएलएम), सहारनपुर के साथ प्रसंस्करण, फ्रीजिंग और पैकेजिंग की सुविधाओं का लाभ उठाने के लिए सुविधा (फेसिलिटी) समझौते किए हैं । इससे पहले, कंपनी ने 31 मार्च 2024 को समाप्त तिमाही और के लिए अपनी आय की घोषणा की थी । 31 मार्च को समाप्त वर्ष के लिए, कंपनी ने अपने कुल राजस्व में 49ल की वृद्धि दर्ज की, जो रु. 32,560.91 मिलियन (वित्त वर्ष 23) से बढ़कर रु. 48,618.72 मिलियन (वित्त वर्ष 24) हो गई । प्रभावशाली राजस्व वृद्धि के बावजूद, कंपनी के लाभ मार्जिन में गिरावट आई । यह गिरावट कच्चे माल की घरेलू कीमतों में वृद्धि और लाल सागर संकट के प्रभाव के कारण हुई है । हालांकि, प्रबंधन भविष्य के प्रति आशावादी है और अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों में स्थिरता आने पर लाभ मार्जिन में सुधार की उम्मीद कर रहा है । एचएमए एग्रो इंडस्ट्रीज लिमिटेड एक खाद्य व्यापार संगठन के रूप में कार्य करती है । कंपनी जमे हुए ताजा भैंस के मांस, तैयार और जमे हुए प्राकृतिक उत्पाद, फल, सब्जियां और अनाज सहित प्रसंस्कृत खाद्य और कृषि उत्पाद प्रदान करती है । एचएमए एग्रो इंडस्ट्रीज दुनिया भर के ग्राहकों की सेवा करती है । कंपनी की उत्पादन क्षमता प्रति दिन 1,472 मीट्रिक टन है । कंपनी की अत्याधुनिक विनिर्माण सुविधा आगरा, उन्नाव, पंजाब, अलीगढ़, मेवात और परभनी में 6 शहरों में फैली हुई है । इसमें पूर्ण स्वचालन के साथ विनिर्माण और खुदरा बिक्री के लिए पूरी तरह से एकीकृत बुनियादी ढांचा है ।

अखिलेश के बयान पर भाजपा का हंगामा

फोटो पर जूते-चप्पल की माला पहनाई, बोले- हिंदू विरोधी है सपा

लखनऊ । शनिवार को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव का पुतला फूंका गया। उनकी तस्वीर पर जूते-चप्पलों की माला पहनाई गई। भाजपा कार्यकर्ताओं ने अखिलेश यादव के खिलाफ नारेबाजी। भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश प्रांशु दत्त द्विवेदी सहित दर्जनों कार्यकताओं ने जमकर हंगामा किया। अखिलेश यादव के 'मठधीश' पर दिए गए बयान से इखढ कार्यकर्ता नाराज दिखे। कार्यकताओं ने अखिलेश को हिंदू विरोधी भी बताया। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने सुल्तानपुर में मंगेश यादव एनकाउंटर पर भाजपा सरकार पर हमला बोला था। कहा था- भाजपा ने यूपी को फर्जी एनकाउंटर की राजधानी बना दिया है। अगर दिमाग होता, तो चप्पल में एनकाउंटर नहीं करते। उन्हें मंगेश की मां और बहन के आंसू नहीं दिखे। कोई रळक्ष्से सवाल पूछेगा। मठाधीश और माफिया में ज्यादा फर्क नहीं होता है। अखिलेश यादव के 'मठाधीश' बयान के खिलाफ कार्यकताओं ने भाजपा मुख्यालय से हजरतगंज तक पैदल मार्च निकालकर विरोध किया। भाजपा कार्यकताओं ने कहा कि अखिलेश यादव ने हमारे महंत और पूरे हिंदू समाज का अपमान करने का काम किया है। उनको अपने इस बेतुके बयान के लिए पूरे समाज से माफी मांगना चाहिए। भाजपा कार्यकताओं ने कहा कि जो पार्टी खुद माफियाओं को संरक्षण दे रही है, वह दूसरे पर इस तरीके के गंभीर आरोप पैसे लगा सकती है। इस बयान से साफ होता है कि अखिलेश यादव हिंदू धर्म के बारे में कुछ नहीं जानते।अखिलेश यादव को मठाधीश और माफिया में अंतर नहीं पता है। वह मठ-मंदिर की भी मयार्दा भूल चुके हैं। मठाधीश को माफिया से जोड़ना गलत सोच की पराकाष्ठा है। भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष प्राशु दत्त द्विवेदी ने कहा कि आज पूरे प्रदेश के अलग-अलग जिलों में अखिलेश यादव का पुतला फूंका गया है। अखिलेश यादव महंतों की तुलना माफियाओं से कर रहे हैं। आज जब माफियाओं को खत्म किया जा रहा है, तो उनके पेट मे दर्द क्यों हो रहा है। वे हिंदुओं को लेकर वह टिप्पणी करते हैं, क्योंकि हिंदू शांत रहता है। अगर वह किसी अन्य धर्म पर टिप्पणी करें तुरंत लोग जवाब मिलेगा। भाजपा कार्यकताओं ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने हमेशा हिंदू समाज की लड़ाई लड़ी है और पूरा सम्मान दिया है। अन्य दलों ने सिर्फ हिंदुओं का अपमान करने का काम किया है। भारतीय जनता पार्टी हमेशा देश के सम्मान में और हिंदुओं के सम्मान में आवाज उठाती आई है। कार्यकताओं ने कहा कि अगर अखिलेश यादव ने माफी नहीं मांगी, तो पूरे प्रदेश में उनके विरुद्ध प्रदर्शन किया जाएगा। पुतला जलाते वक्त पुलिस मौजूद रही और आग बुझाने की कोशिश की गई।

संक्षिप्त डायरी

अनेक देशों में बोली व समझे जाने वाली भाषा है हिन्दीः प्रो.कृष्णचंद्र

कुशीनगर। हिंदी दिवस के अवसर पर स्थानीय एस.बी.एम. पी.जी. कॉलेज के हिंदी विभाग के तत्वावधान में 'हिंदी भाषा और साहित्य की प्रासंगिकता' विषय पर संगोष्ठी आयोजित हुई। मुख्य वक्ता प्रोफेसर कृष्ण चंद्र चौरसिया ने वैश्विक स्तर पर हिंदी भाषा के बढ़ते हस्तक्षेप पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हिन्दी भारत ही नहीं बल्कि विश्व के विभिन्न देशों में बोली ओर समझी जाने वाली भाषा है। हिन्दी की परम्परा बहुत समृद्ध होने के साथ इसके पास अतीत की धरोहर और भविष्य की तकनीक है। रविन्द्रनाथ तिवारी ने कहा कि हिन्दी हिन्दी भाषा साहित्य का विपुल भण्डार है। इसको सुरक्षित रखना हम सभी का दायित्व है।संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए हिन्दी विभागाध्यक्ष डा. शत्रुघ्न सिंह ने कहा कि आज मंथन और चिंतन का विषय है क्योंकि आज भी हिन्दी राजभाषा के पद पर पूर्णतः प्रतिष्ठित नहीं हो सकी है। गोष्ठी को पंकज कुमार, नवल कुमार, डा. विजय पंवार आदि ने सम्बोधित किया। संगोष्ठी का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्वलन से हुआ। महा विद्यालय की छात्राओं ने सरस्वती वंदना व स्वागत गीत प्रस्तुत किया। संचालन हिंदी विभाग के वरिष्ठ शिक्षक डॉ प्रभाकर मिश्र पंकज ने किया। आयोजित काव्यपाठ और हिंदी निबंध लेखन प्रतियोगिता में शमा नाज, आफरीना खातून, रिया दूबे, ज्योति शर्मा, रानी गोंड, पूजा गुप्ता ने प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त किया। जिन्हें मेडल और प्रमाणपत्र देकर पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर डा. गिरिजेश मिश्र, डॉ महात्मा प्रणव चतुर्वेदी, डॉ प्रशांत बौद्ध, शाश्वत चंदेल, डॉ विजय पंवार, डॉ विवेकानंद, डॉ गोपाल जी पाण्डेय, डॉ श्रवण कुमार, सेंटू आदि उपस्थित रहे।

वेतन नहीं मिला तो मैनेजर किडनैप

लखनऊ । एक दिन की देरी से वेतन मिलने से नाराज एक रेस्टोरेंट के तीन कर्मचारियों ने साथियों के साथ मिलकर मैनेजर का अपहरण कर लिया। उसको बंधक बनाकर पीटा और पुलिस से शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने सर्विलांस और मुखबिर की सूचना पर घटना में शामिल छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जिसमें एक महिला भी शामिल है। इंदिरा नगर के सेक्टर-18 निवासी संतोष कुमार के तकरोही अंबेडकर चौराहे के पास स्थित दी होस्ट रेस्टोरेंट के मालिक हैं। सीतापुर निवासी विनय दीक्षित मैनेजर हैं। विनय दीक्षित का बुधवार दोपहर रेस्टोरेंट के कर्मचारी रामू गुप्ता, सुनील व लक्ष्मी नारायण से वेतन एक दिन देरी से मिलने पर विवाद हो गया। इस दौरान लक्ष्मी नारायण की पत्नी बबली और दो साथी भी रेस्टोरेंट में मौजूद थे। जबकि विनय लगातार कह रहा था, कि बैंक के सर्वर में दिक्कत के चलते वेतन खाते में नहीं गया। इसके बाद सभी आरोपी विनय को तमंचा दिखाकर बाइक पर साथ बैठाकर चिनहट के हरदासीखेड़ा ले गए। जहां, एक में झोपड़ी में बंधक बनाकर मारपीट की। रेस्टोरेंट मालिक संतोष कुमार ने गुरुवार को इसकी सूचना इंदिरा नगर पुलिस को दी। शुक्रवार सुबह आरोपी बबली खुद विनय को लेकर तकरोही पुलिस चौकी पहुंची। जहां विनय ने बताया कि वह मामा के बेटे के साथ था। पुलिस ने उसको बुलाने को कहा तो मना कर दिया। रेस्टोरेंट में लगे सीसीटीवी कैमरे चेक करने पर अपहरण की बात सामने आई। वहीं, विनय ने बताया कि इन लोगों ने जान से मारने की धमकी दी थी, जिसके चलते चुप था। जिसके बाद पुलिस ने छह आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

लखनऊ कोर्ट में रील बनाने मामले में जांच के आदेश

लखनऊ। कोर्ट में पेशी के दौरान शातिर अपराधी फिरदौस की रील बनाने और उसको सोशल मीडिया पर पोस्ट करने मामले की जांच शुरू हो गई है। पुलिस कमिश्नर अमरेंद्र कुमार ने इस मामले की जांच एसीपी चौक राजकुमार को सौंपी है। बताया जा रहा है कि इसमें अपराधी फिरदौस के साथ ही उससे मिलने वालों और इस दौरान ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों की कार्यप्रणाली को भी जांच के दायरे में रखने के निर्देश दिए गए हैं। पुलिस कमिश्नर के आदेश के बाद फिरदौस के कोर्ट के अंदर रील बनाने के मामले में पुलिस ने शुक्रवार को कोर्ट में गुपचुप तरीके से पड़ताल की। सूत्रों के मुताबिक पुलिस ने फिरदौस की क्राइम हिस्ट्री के साथ उसकी पेशी का ब्यौरा निकाला। पेशी के दौरान वह किससे मिला, इसका फुटेज भी कोर्ट में लगे सीसीटीवी से निकलवाया जा रहा है। इसके साथ ही अब फिरदौस की पेशी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से कराने की योजना बना रही है। डीसीपी पश्चिम डॉ. ओमवीर सिंह ने बताया कि फिरदौस से जुड़े मामले की जांच की जा रही है। उसकी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से पेशी कराने के लिए कोर्ट में अपील की जाएगी।

दुर्गा पूजा मेला को लेकर हुआ समिति की बैठक

कुशीनगर। कसया थाना क्षेत्र के अहिरौली राजा में शनिवार को दुर्गा पूजा मेला को लेकर मेला समिति सदस्यों की बैठक आयोजित की गई। जिसमें दुर्गा पूजा उत्सव के सफल संचालन हेतु मेला से संबंधित विभिन्न बिंदुओं पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गयी। वही सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया की 18 अक्टूबर को मेला व 19 नवम्बर को विसर्जन किया जाएगा और दुर्गा पूजा में बेहतर तरीके से पूजा अर्चना कर शांतिपूर्ण माहौल में मेला को सम्पन्न कराया जाएगा। सभी पंडाल में सीसीटीवी कैमरे से लैस रहेंगे।

मेला कमिटी के अध्यक्ष व ग्राम प्रधान अजय जायसवाल ने कहा की प्रत्येक साल की भांति इस साल भी दुर्गा पूजा के अवसर पर लगने वाले मेले को शांतिपूर्ण माहौल में मनाया जाएगा। इस बार योग्य आचार्य पंडित महाराज के सानिध्य में मां की पूजा अर्चना की जाएगी। साथ ही कमेटी सदस्य के द्वारा अलग-अलग टोली बनाकर पूजा परिसर और मेला में आए तमाम लोगों पर नजर रखेगा। पूजा करने आए लोगों का सहयोग करेंगे। बैठक में समिति सदस्यों ने बाजारवासियों को सहयोग करने का आग्रह किया। सभी समिति के सदस्यों द्वारा निर्णय लिया गया कि 18 अक्टूबर को मेला व 19 अक्टूबर को विसर्जन किया जाएगा उन्होंने कहा कि मेला के आयोजन में सभी समिति सदस्य अपेक्षित सहयोग प्रदान करेंगे एवं इस बार पूर्व की भांति सभी पंडाल को आकर्षक सजावट, विधि व्यवस्था एवं अन्य कार्यक्रम को और भी अधिक भव्य तरीके से किए जाने का विचार विमर्श किया गया और विभिन्न प्रकार का सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर संदीप जयसवाल, अमित मदेशिया, अमरनाथ गुप्ता, राजेश जायसवाल, गोबरी गुप्ता, चंचल गुप्ता, बजरंगी गोंड, कोमल जयसवाल, विशाल जयसवाल, अजय कुमार जायसवाल, प्रिंस वर्मा, संदीप गुप्ता, मगन प्रजापति, सुरज पटेल, हिमांशु पटेल, उपेंद्र मदेशिया, सुशील मदेशिया, अनिल जयसवाल आदि मौजूद रहे

लखनऊ के 34 वार्ड में दागी कंपनी को काम

लॉयन सिक्योरिटी व नेचर ग्रीन को मिला सफाई का काम

लखनऊ। शहर के तीन जोन में करीब 150 करोड़ रुपए के कूड़ा प्रबंधन व सफाई का काम दागी कंपनी लॉयन सिक्योरिटी को दे दिया गया है। तीनों जोन में कुल 34 वार्ड आते हैं। यहां लायन सिक्योरिटी व मेसर्स नेचर ग्रीन (जॉइंट वेंचर में) को काम मिला था। उसी दौरान कंपनी के खिलाफ लिखित शिकायत मिली कि इन लोगों ने फर्जी कागज लगाकर टेंडर हासिल किया है। जांच में यह आरोप गलत साबित हुए। हालांकि लखनऊ नगर निगम में लॉयन सिक्योरिटी का काम काफी दागदार रहा है। पिछले समय काम के दौरान कंपनी पर करीब 50 बार जुमार्ना लगाया गया था। तात्कालिक नगर आयुक्त अजय द्विवेदी की जांच में अक्सर कंपनी के कर्मचारी काम से गायब मिलते थे। खुद में नगर निगम मीडिया में बयान जारी कर इसकी जानकारी देता था। बाद में मिलीभगत कर पैसा भी जमा नहीं कराया जाता था। यहां तक की इसे ब्लैकलिस्ट भी किया जा चुका है। कई बार करोड़ों का जुमार्ना भी लगाया गया है। अब उसी दागी कंपनी को शहर के 34 वार्ड का काम मिला है। इस दौरान करीब 10 से 12 लाख की आबादी की सफाई व्यवस्था अब लॉयन सिक्योरिटी कंपनी देखेगी। 10 से ज्यादा फर्म मालिकों ने मेयर सुषमा खर्कवाल व नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह से साक्ष्यों के साथ लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। दस्तावेजों के आधार पर आरोप लगाया गया था कि टेंडर पाने के लिए लॉयन सिक्योरिटी ने जाली प्रमाण पत्र लगाए गए हैं। नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह ने बताया कि नगर पालिका परिषद गाजियाबाद, आईआईटी, बीएचयू, नगर पालिका परिषद लहरपुर की ओर से रिपोर्ट भेजी गई है कि लॉयन के अनुभव प्रमाण पत्र व अन्य प्रपत्र सही हैं। इसी तरह नेचर ग्रीन की ओर से लगाए गए अनुभव प्रमाण पत्र की जांच नगर पालिका भिलाई छत्तीसगढ़, नगर निगम कानपुर, गाजियाबाद, प्रयागराज, खेडगांव नासिक महाराष्ट्र की ओर से भी सही बताए गए हैं। कहीं भी कंपनी को काली सूची में नहीं डाला गया है।

नगर निगम लखनऊ के रिकॉर्ड में लॉयन सिक्योरिटी को क्लीन चिट दी गई है। बताया गया है कि लॉयन सिक्योरिटी पर जुमार्ना लगाया गया है, मगर ब्लैक लिस्ट नहीं किया गया। आरोपों में मेसर्स नेचर ग्रीन को 6 विभागों से ब्लैक लिस्ट बताया गया था, जबकि जांच में कंपनी बेदाग बताई गई है।

बयान से नाराज भाजयुमों ने पुतला फूंक किया प्रदर्शन

कुशीनगर। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के मठाधीश माफिया बयान पर भारतीय जनता पार्टी नेताओं ने गहरा आक्रोश व्याप्त है। शनिवार को भारतीय जनता युवा मोर्चा द्वारा रविन्द्र नगर में अखिलेश यादव का पुतला दहन तीखा विरोध प्रदर्शन किया गया। बताते चलें कि बीते दिनों समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने कहा था कि हिंदू संतों और माफियाओं में कोई अंतर नहीं है। उनके इस बयान से जगह जगह विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। इसी क्रम में भाजयुमो द्वारा अखिलेश यादव का पुतला दहन किया गया। इस मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष दुर्गेश राय ने कहा कि भारतभूमि ऋषि मुनियों और संतों की तपोभूमि है। ऐसे में एक विशेष समुदाय को खुश करने और अखबारों मे सुर्खियां बटोरने के लिए अखिलेश यादव का यह बयान घोर निंदनीय है। भारतीय जनता पार्टी इस बयान की घोर भर्त्सना करती है ।सपा मुखिया ने हिंदू समाज की भावनाओं को ठेस पहुंचाने का जो कृत्य किया गया है। पूर्व जिलाध्यक्ष जयप्रकाश शाही ने कहा कि कहा, माफियाओं की कब्र पर सजदा करने वाले लोग इस तरह के बयान देकर सनातन का अपमान कर रहे हैं। इस अवसर पर किसान मोर्चा क्षेत्रीय उपाध्यक्ष राधेश्याम पाण्डेय, हरिशंकर राय, जिला मीडिया प्रभारी विश्वरंजन कुमार आनन्द, भाजयुमो जिला संयोजक शैलेंद्र कुमार तिवारी,कन्हैया गोंड,आकाश सिंह,नवनीत तिवारी, गौरव तिवारी,विकाश दीक्षित, सोनू मद्धेशिया, अरुण पाण्डेय,किशन कुशवाहा, धवल जायसवाल, अरुण राय, सत्यम पाठक, सुमित चौहान, सचिन जायसवाल, सतीश, आदित्य, उज्ज्वल आदि उपस्थित रहे।

लखनऊ में बीच सड़क पति-पत्नी का हाई-वोल्टेज ड्रामा

लखनऊ। जानकीपुरम इलाके की रहने वाली एक महिला 4 दिन पहले घर से भाग गई थी। महिला का पति उसकी तलाश कर रहा था। शुक्रवार को लखनऊ के अवध बस स्टैंड के पास पत्नी को देख लिया। उसे पकड़ा और घर चलने के लिए कहा तो पत्नी ने सड़क पर ही हाई वोल्टेज ड्रामा शुरू कर दिया। घटना शुक्रवार शाम करीब 4 बजे की है। पति ने पकड़ा तो वह पत्थर चलाने लगी। गालियां देते हुए बोली- 'मैं तेरी गुलाम नहीं हूं। रखना है तो ढ़ंग से रख। तेरी और तेरे परिवार से मार खाने के लिए शादी नहीं की हूं'। इतना ही नहीं पत्नी बोली- तू गर्ल्स स्मगलर गैंग का सदस्य है। पुलिस के सामने तेरी पोल पट्टी खोल दूंगी। पति बार-बार हाथ पकड़कर पत्नी को कार में बैठा रहा था। पत्नी जाने से इनकार कर रही थी। दोनों के बीच जमकर हाथापाई हुई। करीब 100 की संख्या में राहगीर और हाई कोर्ट के वकील पहुंच गए। सूचना के बाद मौके पर पुलिस पहुंची। दोनों को चिनहट थाने ले जाया गया है। पति ने बताया कि गुडंबा थाना क्षेत्र के जानकीपुरम सेक्टर-एच में हम लोग साथ में रहते थे। चार दिन पहले बिना बताए घर से भाग गईं। हमने थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई है। मैं इसे खोज रहा था। घर चलने को कहा तो हंगामा करने लगी। पति का कहना है कि घर में 4 साल का बच्चा है। वह मां के लिए रो रहा है। मैं एक दुकान चलाता हूं। ऐसे हाल में मैं अपने बच्चे को संभालूं या दुकान देखूं, ये सोचकर परेशान हूं। वहीं, महिला ने बताया कि मेरे पति और सास ससुर मेरे साथ मारपीट करते हैं। मैंने लंबे समय तक प्रताड़ना को बर्दाश्त किया, लेकिन अब मैं तंग आ चुकी हूं। घर छोड़ने के अलावा मेरे पास कोई रास्ता नहीं है। मौके पर पहुंची हाई कोर्ट की एक महिला वकील ने दोनों को समझाया। पति ने कहा अगर इसे अलग रहना है, तो लीगल तरीके से रहे। ऐसे बिना बताए घर से भाग जाती है। कल को कोई घटना हो गई तो हमारे ऊपर दोष आएगा। इस पर महिला ने कहा कि रखना है तो ठीक से रखो। मैं तुम्हारी रखैल नहीं हूं। तुम्हारे घरवालों की मार खाने के लिए नहीं रहूंगी। महिला ने पति पर आरोप लगाया कि वो गर्ल्स स्मगलर्स का साथी है। इसके दोस्त लड़कियों की खरीद फरोख्त करते हैं। जानकारी होने के बाद भी मेरा पति उनके साथ रहता है। उनके धंधे में भी साथ देता है। जिस समय महिला और उसके पति के बीच लड़ाई हो रही थी। उस समय 100 से अधिक लोग जमा हो गए। कोई वीडियो बनाने लगा तो कोई तस्वीरें खींचने लगा। किसी ने यह नहीं पूछा कि मामला क्या है। मौके पर पहुंचे वकीलों ने दोनों से बात की और मामले को समझने की कोशिश की।

मंगेश-यादव के परिवार के लिए 1 करोड़ का मुआवजा मांगा

लखनऊ । मोहनलालगंज में मंगेश यादव के एनकाउंटर के खिलाफ विरोध मार्च निकाला गया। इस प्रदर्शन में सपा के पूर्व विधायक अमरीष पुष्कर और समाजवादी छात्रसभा के राष्ट्रीय महासचिव मनोज पासवान भी मौजूद रहे। प्रदर्शन में वीरांगना ऊदादेवी गौरव मंच के कार्यकर्ता भी मौजूद रहे। तहसीलदार शशांक नाथ उपाध्याय को महामहिम राज्यपाल के नाम 10 सूत्रीय ज्ञापन भी सौंपा। प्रदर्शन करने वालों ने कहा कि मंगेश यादव (जौनपुर) और अर्जुन पासी (रायबरेली) के परिवारों को एक-एक करोड़ रुपए का मुआवजा दिया जाए। इसके साथ ही जिन परिवारों को सरकारी आवास नहीं दिया गया है, उन्हें सरकारी आवास मिले। वहीं 69000 शिक्षक भर्ती अभ्यर्थियों के लिए भी न्याय की मांग की।

सभा को सम्बोधित करते हुए मोहनलालगंज विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक अम्ब्रीश सिंह पुष्कर ने कहा कि प्रदेश में दलित और पिछड़े वर्गों पर अत्याचार बढ़ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि निजीकरण के जरिए आरक्षण को कमजोर किया जा रहा है और दलित-पिछड़े, अल्पसंख्यक समाज के लोग शोषण का शिकार हो रहे हैं पुष्कर ने कहा कि भाजपा सरकार संवैधानिक आरक्षण को लागू नहीं कर रही है और दलितों की संपत्तियों पर अवैध कब्जा हो रहा है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि थानों में दलितों और पिछड़े वर्गों की एफआईआर दर्ज नहीं की जा रही है, जबकि भाजपा नेता कानून और संविधान का पालन नहीं कर रहे हैं। इस प्रदर्शन में सपा के जिला अध्यक्ष जयसिंह जयंत ने भी सभा को सम्बोधित किया और कहा कि समाजवादी पार्टी उत्पीड़न के खिलाफ संघर्ष करेगी।

विधायक पी. एन. पाठक ने घर घर चलाया भाजपा का सदस्यता अभियान

कसया, कुशीनगर। शनिवार को कुशीनगर विधायक पी.एन पाठक की अगुवाई में दर्जनों गांवो में भाजपा का सदस्यता अभियान चलाया गया। कुशीनगर विधानसभा क्षेत्र में शनिवार को विधायक पीएन पाठक के नेतृत्व में घर-घर संपर्क कर लोगों को भाजपा का सदस्यता दिलाया गया।

विधायक श्री पाठक ने भैंसहा, शामपुर, चकदेइया, सेमरा झुंगवा, मंगलपुर, मधवापुर, सिरसिया खोइया समेत विभिन्न गांवों में लोगों को भाजपा की सदस्यता दिलाई। विदित हो कि विधायक पी.एन पाठक प्रत्येक दिन दर्जनों गावो में जाकर भारी संख्या में लोगों को भाजपा की सदस्यता दिला रहें है। विधायक पी.एन पाठक ने कहा कि भाजपा सरकार ऐतिहासिक विकास कर रही है, भाजपा सरकार ने अपने सभी संकल्पो को पूरा किया है। जनता का अटूट विश्वास भाजपा के साथ हैं आगे कहा कि भाजपा ने अपने सभी संकल्पों को पूरा किया है।

इसलिए जनमानस का अटूट विश्वास भाजपा के साथ है। केंद्र और प्रदेश सरकारों की प्रत्येक योजना गरीब, किसान, महिलाओं और युवाओं की आर्थिक व सामाजिक उन्नति के लिए समर्पित है। इस दौरान विधायक प्रतिनिधि रूद्र प्रकाश सिंह, अमित मालवीय, राज पाठक, सदस्यता अभियान सहसंयोजक युवा मोर्चा आदित्य मिश्रा, सूरज वर्मा, नितिश यादव,शेखर सिंह, किरण सिंह, सुनिल राजभर, राजेश शर्मा, अशोक कुमार, रामगोविंद सिंह, सूर्यानाथ यादव, राकेश यादव, सर्वेश तिवारी, संजीव समेत लोग मौजूद रहे।

बड़ों द्वारा तय किए लक्ष्यों में पिछड़ते बच्चे

पहले संयुक्त परिवारों में जहां बच्चों के चहुंमुखी विकास के लिए स्वस्थ माहौल व भावनात्मक सहारा मिलता था। वहीं आज उनकी दुनिया सिमटकर टीवी, गैजेट्स व कोचिंग संस्थानों तक हो गई है। एक ओर अकेलापन, अतिव्यस्तता, संवादहीनता, रिश्तों से दूरी, गलाकाट प्रतियोगिताएं, रैंक की चिंता, अच्छा कॉलेज न मिल पाने का भय, जो कि माता-पिता व संस्थानों द्वारा इस कदर दिखाया जाता है कि बच्चा स्वयं को अंक प्राप्त करने वाली मशीन समझने लगता है।

रैंकिंग की अंधी रेस में हारने वाला बच्चा या तो अपनों द्वारा बेदर्दी से दुत्कार दिया जाता है या वह स्वयं को असफल मान लेता है। ऐसे में बच्चों के संघर्ष करने की ललक कम होती जाती है और उन्हें अवास्तविक सपनों का आसमान भयावह लगने लगता है। बेहतर 'प्रोडक्ट' बनाने की दौड़ में इन बच्चों पर परीक्षाओं का बोझ इस कदर लादा जाता है कि हर वर्ष की परीक्षाएं इन्हें जिंदगी की आखिरी परीक्षा लगती है और अस्थाई सफलता के लिए ये बच्चे झंझावतों से बचने का स्थाई रास्ता खुदकुशी के रूप में अपनाना ज्यादा सरल समझते हैं।

अभिभावक क्या करें

सपने देखने की आजादी

बड़ों द्वारा तय किए लक्ष्यों को हासिल करने की दौड़ में बच्चे अक्सर पिछड़ जाते हैं और इस तनाव से बच्चे टूट जाते हैं। इसलिए बच्चों के लक्ष्य तय करने के बजाए उन्हें अपने सपने खुद देखने दें, अपने लिए लक्ष्य उन्हें स्वयं तय करने की आजादी दें। आप उन्हें पूरा करने के लिए भरपूर सहयोग करें तथा उन्हें अपनी दुनिया जीने की आजादी दें।

संवाद, विश्वास व धैर्य रखें

आप अपने व्यवहार में इतनी कठोरता न लाएं कि बच्चा आपसे अपनी समस्याएं, भावनाएं साझा करने में भी झिझकें। सदैव उन्हें सुनाने की बजाए उनकी बातों को धैर्यपूर्वक सुनें, फिर हौसला दें व सही रास्ते पर आगे बढ़ने के विकल्प सुझाए न कि अपना फैसला उन पर थोपें।

छोटी-छोटी उपलब्धियों का जश्न मनाएं

अभिभावक, बच्चों का बेहतरीन करियर बनाने की चाह में उन्हें किसी 'बड़ी' सफलता हासिल करने की ओर धकेल देते हैं। इस अंधेरी डगर पर वे उनकी हर छोटी-छोटी खुशी को नजरअंदाज कर देते हैं। जबकि आपको चाहिए कि बच्चों के साथ हर छोटी-छोटी खुशी का जश्न मनाएं, प्रसन्नता जाहिर करें, उनके साथ खुशियां बांटें। असफल होने पर जादू की झप्पी दें। यही छोटी-छोटी बातें उनमें जीवन के प्रति विश्वास जगाकर आने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए समर्थ व सजग व्यक्तित्व बनाती हैं।

योग्यता के अनुरूप अपेक्षाएं

आप बच्चे से उसकी काबिलियत के अनुरूप अपेक्षाएं रखें। करियर के ढेरों विकल्प हैं जिनसे बच्चों को अवगत करवाएं। इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता है कि उसने कितना स्कोर किया है। और न ही ये चंद कागज के टुकड़े किसी की सफलता के मापदंड हैं। हमारे सामने ढेरों मिसालें हैं जिनकी औपचारिक डिग्रियां अधूरी रहने के बावजूद उन्होंने सफलता के झंडे गाड़े हैं। आप उन्हें करियर के तमाम विकल्पों से अवगत करावाएं। सिर्फ प्राप्त अंकों के आधार पर विषय का चयन करने की बजाए बच्चे की रुचि, योग्यता, क्षमता आदि के आधार पर विषय चयन करने में मदद करें। करियर काउंसलिंग करवाएं। गलत विषय का चयन भी बच्चों को आत्मघाती कदम उठाने को मजबूर कर देता है।

सफलता का पैमाना अंक नहीं

कागजों में दर्ज कुछ परीक्षा के अंक सफलता का पैमाना नहीं है और न ही इससे करियर के अवसर कम होते हैं। जहां चाह होगी वहीं कोई न कोई राह निकल ही आएगी। बस इस बात को दिमाग में रखना जरूरी है कि कोई भी परीक्षा बच्चों की जिंदगी से बड़ी नहीं है।

पैरेंट्स डायरी

हर कीमत पर बच्चे की मदद को तैयार रहें। उसकी शारीरिक-भावनात्मक स्थिति पर नजर रखें और प्रोफेशनल की मदद लेने को भी तैयार रहें। ताकि बच्चा अवसाद से न घिरे।
उसे भावनात्मक लगाव और सहयोग दें। उसकी बातें सुनें, आलोचना न करें और उनसे लगातार संवाद बनाएं रखें।
उसे अधिकाधिक सूचनाएं दें। लाइब्रेरी की सदस्यता दिलाएं, स्पोर्ट्स क्लब जॉइन कराएं, दोस्तों से मिलने-जुलने को प्रेरित करें, इंटरनेट पर दिलचस्प जानकारियां लेने को कहें, सामाजिक संस्था से जोड़ें।

डॉक्टर डायरी

इस तरह के मामलों में स्थिति के बारे में कयास लगाने से बेहतर है हर चीज को गंभीरता से लिया जाए। एक डॉक्टर या काउंसलर के रूप में अभिभावक व बच्चे से हर विषय पर गहनता से चर्चा करना ही इस समस्या का सबसे सर्वोत्तम उपाय है।
उचित मार्गदर्शन, प्यार, विश्वास और धैर्य के साथ बेझिझक बातचीत करते हुए बच्चे के मन की बात जानना बेहद जरूरी है ताकि वह हर बात को बिना किसी डर के आपके समक्ष रख दे। शारीरिक हालत को देखते हुए तुरंत बच्चे की मनस्थिति समझने का प्रयास शुरू कर दें।

जब हो ट्विन प्रेग्नेंसी

प्रेग्नेंसी किसी भी स्त्री के जीवन में ढेर सारी खुशियां लेकर आती है लेकिन यह अपने साथ कई जटिलताएं भी लाती हैं। अगर गर्भ में जुड़वां बच्चे हों तो स्थिति और भी मुश्किल होती है। ऐसे में जरूरी होता है कि गर्भावस्था के दौरान खानपान का ध्यान रखा जाए, नियमित जांच कराई जाए और डॉक्टर के सुझाव पूरी तरह माने जाएं, ताकि जच्चा-बच्चा दोनों स्वस्थ और खुश रहें।

गर्भाशय का आकार सामान्य से बड़ा हो और एक से अधिक गर्भ की हार्टबीट्स सुनाई दे रही हों तो डॉक्टर अल्ट्रासाउंड कराने की सलाह देते हैं। इसी से पता लगता है कि यह ट्विन प्रेग्नेंसी है या नहीं। जैसे ही ट्विन प्रेग्नेंसी का पता चले, अपने और होने वाले बच्चे की बेहतरी के लिए कुछ जरूरी कदम उठाएं। ट्विन प्रेग्नेंसी की जटिलताएं सिंगल प्रेग्नेंसी से अलग होती है। इस दौरान कुछ खास परेशानियां हो सकती हैं-
ट्विन प्रेग्नेंसी में गैस्टेशनल डायबिटीज होने का खतरा बढ़ जाता है। इस दौरान कमजोरी अधिक हो सकती है। प्रसव के बाद ब्लीडिंग का खतरा भी ज्यादा रहता है। ट्विन प्रेग्नेंसी के अधिकतर मामलों में डिलिवरी के लिए सी-सेक्शन की जरूरत पड़ती है। प्रीमैच्योर बर्थ की आशंका अधिक होती है। इसके अलावा गर्भ पर अधिक भार के कारण शरीर में दर्द हो सकता है।

ट्विन प्रेग्नेंसी में एक से अधिक बार चेकअप की जरूरत होती है ताकि मां और बच्चे के स्वास्थ्य पर लगातार नजर रखी जा सके। इसमें सबसे बड़ी समस्या यह आती है कि कई बार एक बच्चा कमजोर होता है और दूसरा स्वस्थ। ट्विन प्रेग्नेंसी में हर चौथे सप्ताह में चेकअप अवश्य कराएं। जैसे-जैसे प्रसव का समय नजदीक आता है डॉक्टर कुछ टेस्ट्स और अल्ट्रासाउंड कराने के लिए कह सकते हैं। ट्विन प्रेग्नेंसी में वजन अधिक बढ़ जाता है और यह बच्चे के विकास के लिए जरूरी भी होता है।

इस दौरान रखें स्वास्थ्य का खयाल

- यदि किसी का वजन औसत है तो गर्भावस्था के दौरान प्रतिदिन सामान्य से लगभग 600 अतिरिक्त कैलरीज की जरूरत पड़ती है। कितनी कैलरी लेना होगी यह वजन, जरूरत और दिनचर्या पर निर्भर करता है।
- पोषक तत्वों का सेवन करें। फॉलिक एसिड, कैल्शियम, आयरन, प्रोटीन और दूसरे आवश्यक पोषक पदार्थों का सेवन अवश्य किया जाना चाहिए।
- गर्भावस्था में पर्याप्त पानी पीना जरूरी है ताकि शरीर में जल का सही स्तर बना रहे।
- उपवास या व्रत से बचें और भूखे पेट न रहें। ब्रेकफास्ट, लंच और डिनर के अलावा बीच-बीच में हेल्दी स्नैक्स लें।
- बेड रेस्ट की सलाह खास जटिलताएं होने पर ही दी जाती हैं। आमतौर पर डॉक्टर सामान्य कार्य करने की सलाह देते हैं इसलिए बिना डॉक्टर की सलाह के बेडरेस्ट न करें। अध्ययनों में यह बात सामने आई है कि बेड रेस्ट से प्रीमैच्योर डिलिवरी का खतरा बढ़ता है।
- अगर वजन तेजी से बढ़ रहा हो या तेज सिरदर्द हो तो डॉक्टर को दिखाएं।
- वजन ज्यादा होने से पैरों में सूजन आती है, इसलिए पैर लटकाकर देर तक न बैठें।
- नमक का सेवन कम करें ताकि ब्लडप्रेशर अधिक न बढ़े।

हर एक के लिए फुर्सत के मायने अलग-अलग होते हैं। जैसे कुछ लोगों के लिए फुर्सत या छुट्टी का मतलब है बस घर में बैठे-बैठे कुछ करते रहना। एक-दो दिन अगर कहीं शनिवार-रविवार से जुड़े मिल जाएं तब तो कहने ही क्या! वे इतनी-सी छुट्टी पाकर भी बेहिसाब खुश होते हैं। अव्वल तो ऐसी छुट्टियों का इंतजार वे महीनों पहले से कर रहे होते हैं और उसी हिसाब से अपने कार्यक्रम सुनिश्चित कर ट्रेन या प्लेन टिकट से लेकर निकट या दूर के किसी शहर या कस्बे में होटल तक की बुकिंग करवा चुके होते हैं। कुछ लोग यह काम ग्रुप में करते हैं तो कुछ अकेले और कुछ परिवार के साथ।

छुट्टियों का लें भरपूर आनंद

कुछ-कुछ यानी कभी किसी कमरे को नए सिरे से सजाना तो कभी कोई किताब पढ़ना, बहुत दिनों से अधूरी पड़ी किसी पेंटिंग को पूरा करने की कोशिश या हारमोनियम-तबला लेकर बैठ जाना, किसी भूली-बिसरी धुन पर सिर धुनना और कोई सिरा पकड़ में आ जाने पर उसी की मस्ती में खो जाना.। ऐसा कुछ भी या इससे भी भिन्न कुछ और, बस घर में बैठे-बैठे करते रहना। कुछ लोगों के लिए फुर्सत का मतलब चार दीवारों के दायरे से थोड़ा आगे बढ़कर बाहर निकलकर कुछ करना होता है। यह किसी बाजार या मॉल में जाकर शॉपिंग करना हो सकता है, किसी अजीज दोस्त या रिश्तेदार से मिलना हो सकता है, कोई हॉबी क्लास ज्वॉइन करना हो सकता है या फिर कुछ और.। कुछ लोग योग या ध्यान के शिविर में चले जाते हैं, यानी फुर्सत पाते ही हर कोई अपनी पसंद का काम ढूंढ निकालता है।

फुर्सत यानी कुछ और

लेकिन कुछ लोगों के लिए फुर्सत का मतलब यह सब भी नहीं होता। उनके लिए फुर्सत का मतलब सिर्फ छुट्टियां होता है। छुट्टियां अगर थोड़ी लंबी हों यानी हफ्ते-दो हफ्ते का समय मिल जाए तो बहुत अच्छा, वरना एक-दो दिन की त्योहारी छुट्टी ही मिले तो भी चलेगा। एक-दो दिन अगर कहीं शनिवार-रविवार से जुड़े मिल जाएं तब तो कहने ही क्या! वे इतनी-सी छुट्टी पाकर भी बेहिसाब खुश होते हैं। अव्वल तो ऐसी छुट्टियों का इंतजार वे महीनों पहले से कर रहे होते हैं और उसी हिसाब से अपने कार्यक्रम सुनिश्चित कर ट्रेन या प्लेन टिकट से लेकर निकट या दूर के किसी शहर या कस्बे में होटल तक की बुकिंग करवा चुके होते हैं। कुछ लोग यह काम ग्रुप में करते हैं तो कुछ अकेले और कुछ परिवार के साथ। हफ्ते-दो हफ्ते की छुट्टियां तो ऐसे लोगों के लिए बड़ी नेमत होती हैं। और हां, छुट्टियां वाकई नेमत होती हैं। ये आपको सिर्फ मानसिक सुकून ही नहीं देती, आपकी रचनात्मक क्षमता को बढ़ाती हैं और अर्थव्यवस्था के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। छुट्टियों को हमारे यहां अधिकतर सैर-सपाटे से जोड़कर देखा जाता है। इससे मनोदशा में बदलाव तो होता ही है, देश-विदेश की सभ्यता और संस्कृति की जानकारी भी मिलती है। लौटकर लोग खुद को ज्यादा ऊर्जावान महसूस करते हैं और नए उत्साह के साथ अपने रूटीन काम में जुट जाते हैं। जरूरी किस्म की छोटी या व्यावसायिक यात्राओं की बात अलग है, लेकिन आमतौर पर यह देखा जाता है कि लोग लंबी यात्राओं पर पूरे परिवार के साथ ही जाना चाहते हैं। इसकी कई वजहें हैं। माना जाता है कि इससे सफर का मजा बढ़ जाता है। पूरे परिवार के एक साथ कहीं पर्यटन पर जाने से समग्रता में बजट भी संतुलित रहता है।

रिश्तों में जान

हम भारतीयों के लिए छुट्टियां केवल सेहत बनाने, कुछ सीखने, ज्ञान बढ़ाने और मौज-मस्ती करने ही नहीं, अपने मूल और रिश्तों को सहेजने का भी एक साधन है। मनोवैज्ञानिक विचित्रा दर्गन आनंद कहती हैं-' अब लोगों को इस बात का एहसास होने लगा है कि फैमिली हॉलिडे अपने रिश्तों को रिवाइव करने का अच्छा माध्यम हैं।' इसलिए साल में कम से कम एक बार लोगों को परिवार छुट्टियां बिताने का समय जरूर निकालना चाहिए। यह जरूरी नहीं है कि इसके लिए आपकी छुट्टियां बहुत लंबी हों या हर बार ढेर सारे पैसे खर्च करके आप विदेश यात्रा पर ही जाएं क्योंकि ऐसी छुट्टियों में डेस्टिनेशन के बजाय परिवार के साथ बिताए जाने वाले खुशनुमा पलों की ज्यादा अहमियत होती है।

सबके साथ घूमने का मजा ही कुछ और आज की जीवनशैली इतनी व्यस्त है कि एक ही छत के नीचे रहने के बावजूद लोगों को अपने परिवार के साथ फुर्सत के दो-चार पल बिताने का भी मौका नहीं मिलता। ऐसे में फैमिली हॉलिडे के बहाने उन्हें अपने परिवार के साथ क्वॉलिटी टाइम बिताने का मौका मिलता है। वैसे भी छुट्टियों में पूरे परिवार के साथ घूमने-फिरने का अपना अलग ही मजा है, पर ऐसी यात्रा की तैयारी करते समय सबकी रुचियों का ध्यान रखना बहुत जरूरी होता है।

चाहते क्या हैं

छुट्टियों पर जाने से पहले यह तय करें कि आप वास्तव में चाहते क्या हैं। यह फैसला किसी अन्य के दबाव या प्रभाव में नहीं होना चाहिए। अपनी पसंदीदा गतिविधि के अनुसार सही जगह का चुनाव करें। इसके लिए पहले से कार्यक्रम तय करें और बजट बनाएं।

तय हो योजना

आप अपने रिलेक्सेशन के लिए जो कुछ भी करना चाहते हों, उसके लिए एक-एक दिन की पूरी योजना सुनिश्चित कर लें। योजना तय करते समय ध्यान भी रखें कि जरूरत के मुताबिक थोड़ी ढील की गुंजाइश भी हो। बहुत टाइट शेड्यूल भी तनाव का कारण बन जाता है और छुट्टियों का मजा किरकिरा कर देता है।

जरूरी है जानकारी

कहते हैं आप जो कुछ भी करें उसकी पूरी जानकारी आपको होना चाहिए। इसी कड़ी में सबसे महत्वपूर्ण है सैर-सपाटा। आप जहां जाएं उस स्थान के बारे में इंटरनेट या पत्रिकाओं की मदद लेते हुए कई जरूरी जानकारियां एकत्रित कर लें ताकि आपको कोई दिक्कत न हो।

छोटे बजट में

अगर आप फुर्सत के पलों का लुत्फ घुमक्कड़ी में तलाशते हैं और बजट आपको दूर देश जाने की इजाजत नहीं देता तो जरूरी नहीं कि आप जबरिया बजट खींचतान कर परेशानी मोल लें। आपके देश में भी देखने-जानने के लिए बहुत कुछ है। इन जगहों पर पर्यटन आप पूरे परिवार के साथ छोटे बजट में कर सकते हैं।

तैयारी पहले से

लास्ट मिनट पैकिंग छुट्टियों के आनंद में सबसे बड़ी बाधा होती है। क्या ले जाना है और क्या नहीं, इसकी लिस्ट पहले ही बना लें। यह सही है कि बहुत बोझ दिक्कत का सबब होता है, लेकिन जरूरी चीजों का छूट जाना भी मुश्किल पैदा कर सकता है।

तनाव को अलविदा

ऐसा कुछ भी जो आपके लिए तनाव का कारण हो और आपको रोजमर्रा रूटीन में बंधे रहने का एहसास दिलाए, उसे किनारे करें। यह मोबाइल या इंटरनेट भी हो सकता है और कुछ दोस्त, परिचित या रिश्तेदार भी। दैनिक जीवन के तनाव साथ लेकर न चलें।

सहज रहें

छुट्टियों का असली लुत्फ रिलेक्स होने में है और रिलेक्सेशन मिलता है सहजता से। ऐसा कुछ भी जो सहज होने में बाधक बने, उससे दूर ही रहें तो ही ले सकेंगे पूरा मजा। अगर कोई चीज या किसी की गतिविधि आपको पसंद न आए तो उससे दूर हट जाएं।

जीएसटी आंकडों के जरिए जल्द किया जाएगा जीडीपी का आकलन!

- तरीके और तकनीक पर निर्णय विशेषज्ञ समिति लेगी

नई दिल्ली ।

सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की गणना में सुधार के लिए सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय राष्ट्रीय लेखा के आधार वर्ष में बदलाव की प्रक्रिया पूरी होने के बाद नए स्रोत के रूप में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के आंकड़े इस्तेमाल कर सकता है। यह जानकारी मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने दी। अब तक जीएसटी नेटवर्क गोपनीयता का हवाला देकर मंत्रालय के साथ यह डेटा साझा करने का इच्छुक नहीं था। अधिकारी ने कहा कि राष्ट्रीय लेखा के लिए आधार वर्ष बदलने के बाद नए डेटा स्रोत भी शामिल किए जाएंगे और मासिक जीएसटी डेटा भी उनमें से एक है। हम डेटा का उपयोग करने के पहले उसे गोपनीय बनाएंगे। हम फिलहाल नए डेटा स्रोत नहीं शामिल कर सकते क्योंकि इससे तुलना में दिक्कत आएगी। इसके तरीके और तकनीक का निर्णय विशेषज्ञ समिति करेगी। जून 2024 में मंत्रालय ने राष्ट्रीय लेखा सांख्यिकी यानी एसीएनएएस को लेकर 26 सदस्यीय विशेषज्ञ सलाहकार समिति का गठन किया था। इसकी अध्यक्षता अर्थशास्त्री विश्वनाथ गोलदार को सौंपी गई और इसे फरवरी 2026 तक आधार संशोधन का काम पूरा करने को कहा गया है। जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय के एक प्रोफेसर कहते हैं कि जीएसटी डेटा, कंपनियों की बैलेंस शीट के डेटा का स्थान ले सकता है। फिलहाल कंपनी मामलों के मंत्रालय से हासिल इस डेटा का उपयोग जीडीपी के आकलन के स्रोत के रूप में किया जाता है। उन्होंने कहा कि कंपनी मामलों के मंत्रालय के आंकड़ों का जीडीपी में उपयोग किए जाने में कुछ दिक्कतें हैं। जीएसटी के जरिये लेनदेन के वॉल्यूम और आउटपुट डेटा के मूल्य का बेहतर अनुमान लगाया जा सकता है।

आईफोन 16 सीरीज़ के साथ ऐयरपॉड्स 4 भी पेश

नई दिल्ली ।

अपने ग्लोटाइम इवेंट में ऐपल ने आईफोन 16 सीरीज़ के साथ ऐयरपॉड्स 4 भी प्रस्तुत किया है। ऐपल ने इसमें दो मॉडल की पेशकश की है, जिसमें एयरपॉडस 4 और एयरपॉडस 4 एक्टिव नॉइज़ कैंसिलेशन शामिल हैं। पहली बार ऐपल एयरपॉडस 4 सिरी के साथ सिरी और एक्टिव वॉयस कैंसिलेशन फीचर दिया गया है। कंपनी का दावा है कि नए एयरपॉडस 4 मॉडल सबसे एडवांस और आरामदायक हेडफोन हैं जिन्हें एप्पल ने ओपन-ईयर डिज़ाइन के साथ पेश किया है। एक्टिव नॉइज़ कैंसिलेशन वाले एप्पल एयरपॉडस4 की कीमत 17,900 रुपये है। और एप्पल एयरपॉडस 4 की कीमत 12,900 रुपये रखी गई है। इन ईयरबड की बिक्री भारत में 20 सितंबर से शुरू हो जाएगी। आइए जानते हैं इसके सभी फीचर्स के बारे में। एयरपॉडस 4 एक अडिशनल मॉडल के साथ एएनसी को ओपन-ईयर डिज़ाइन के साथ आता है। इसमें एडवांस माइक्रोफ़ोन, एच2 चिप की पावर और एडवांस कम्प्यूटेशनल ऑडियो दिया जाता है। एयरपॉडस 4 का एएनसी फीचर हवाई जहाज के इंजन, शहर के शोर और बाकी जैसे पर्यावरणीय शोर को कम करने में मदद करते हैं। ऐपल के लेटेस्ट टीडब्ल्यूएस इयरफोन भी मशीन लर्निंग के साथ आते हैं, जो यूज़र्स को कॉल लेने के लिए सिर हिलाने जैसे इशारों को समझते हैं।

इसके अलावा एयरपॉडस 4 अब वायरलेस चार्जिंग को भी सपोर्ट करता है। ऐपल एयरपॉड्स 4 एएनसी में ट्रांसपेरेन्सी मोड जैसे इंटेलिजेंट फीचर्स भी दिए जाते हैं, जो यूज़र्स को आसपास की चीज़ों से अलर्ट रखते हैं। इसमें एडैप्टिव ऑडियो फीचर भी है जो यूज़र्स के किसी से आसपास बात करने के दौरान मीडिया वॉल्यूम को कम कर देता है। इसमें फ्लैगशिप एयरपॉड्स प्रो (दूसरी पीढ़ी) की तरह वॉयस आइसोलेशन और फोर्स सेंसर भी दिया जाता है। कंपनी ने इसमें एक नया यूएसबी टाइप-सी चार्जिंग केस पेश किया है जो कुल 30 घंटे का प्लेटाइम देता है।

आईफोन 15 और 14 मॉडल की कीमतों में कटौती

नई दिल्ली ।

हाल ही में एप्पल ने नई आईफोन16 सीरीज़ लॉन्च की। इस सीरीज में आईफोन 16, आईफोन 16 प्लस, और आईफोन 16 प्रो शामिल हैं। एप्पल ने पुराने आईफोन 15 और आईफोन14 मॉडल की कीमतों में भी कटौती की है, जिससे वे और अधिक किफायती हो गए हैं।

आईफोन 15 की पहले 128 जीबी वैरिएंट की कीमत 79,900 रुपए थी, जिसे घटाकर अब 69,900 रुपए कर दिया गया है। आईफोन14 की पहले कीमत 69,900 रुपए थी, लेकिन अब यह 59,900 रुपए में उपलब्ध है। ये नई कीमतें एप्पल की आधिकारिक वेबसाइट पर लागू हैं और इनमें कोई भी अतिरिक्त बैंक ऑफर या थर्ड-पार्टी रिटेलर्स के प्रमोशन शामिल नहीं हैं। यदि आप प्रीमियम फीचर्स वाले आईफोन चाहते हैं लेकिन नए मॉडल की पूरी कीमत चुकाने में दिलचस्पी नहीं रखते, तो ये डिस्काउंट आपके लिए बेहतरीन विकल्प हैं। आईफोन15 में 6.1 इंच का डिस्प्ले है और यह पांच रंगों में उपलब्ध है, गुलाबी, पीला, हरा, नीला, और काला। यह नया मॉडल आईफोन14 की तरह ही दिखता है, लेकिन इसमें एक बड़ा बदलाव किया गया है- पारंपरिक नॉच को डायनेमिक आइलैंड नॉच से बदल दिया गया है, जो पहले आईफोन 14 प्रो मॉडल में देखा गया था। आईफोन 15 में 48-मेगापिक्सल का प्राइमरी कैमरा है जो बेहतर लो-लाइट फोटोग्राफी और शानदार पोर्ट्रेट शॉट्स का वादा करता है। एप्पल का कहना है कि इसकी बैटरी पूरे दिन चलेगी।

इसके अलावा, आईफोन 15 में आईफोन ने यूएसबी टाइप-सी चार्जिंग पोर्ट दिया है, जो अब तक इस्तेमाल किए जा रहे लाइटनिंग पोर्ट की जगह लेता है। अगर आप आईफोन 15 खरीदने की सोच रहे हैं, तो यह सही समय है, खासकर फलीपकार्ट की सेल में जबरदस्त छूट के साथ।नई जानकारी के अनुसार, यह बैटरी 1000 चार्जिंग चक्रों तक चल सकती है, जबकि पहले के मॉडल केवल 500 चक्रों तक चलते थे। आईफोन 15 में एप्पल की ए16 बायोनिक चिप लगी है, जो आईफोन 14 और आईफोन 14 प्लस में इस्तेमाल की गई ए15 चिपसेट से बेहतर है। यह वही चिप है जो पिछले साल के आईफोन 14 प्रो मॉडल में थी।

देश में पेट्रोल-डीजल की कीमत में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली ।

देशभर में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में शे निवार को कोई बदलाव नहीं किया गया है। वै श्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों के आधार पर देश में ईंधन की कीमतें तय की जाती हैं। पेट्रोल-डीजल पर राज्य सरकारें अपने-अपने स्तर से वैट और अन्य टैक्स लगाती हैं जिस वजह से इनकी कीमत भी देश भर में अलग-अलग होती हैं। दिल्ली में एक लीटर पेट्रोल की कीमत 94.76 रुपये और डीजल की कीमत 87.66 रुपये प्रति लीटर है। मुंबई में पेट्रोल की कीमत 103.43 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 89.95 रुपये प्रति लीटर है। कोलकाता में पेट्रोल की कीमत 104.93 रुपये प्रति लीटर और डीजल 91.75 रुपये प्रति लीटर है। चेन्नई में पेट्रोल की कीमत 100.73 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 92.32 रुपये प्रति लीटर है। वहीं नोएडा में पेट्रोल 94.83 रुपये प्रति लीटर और डीजल 87.96 रुपये प्रति लीटर, गुरुग्राम में पेट्रोल 95.19 रुपये प्रति लीटर और डीजल 88.05 रुपये प्रति लीटर, बेंगलुरु में पेट्रोल 102.84 रुपये प्रति लीटर और डीजल 88.92 रुपये प्रति लीटर, चंडीगढ़ में पेट्रोल 94.22 रुपये प्रति लीटर और डीजल 82.38 रुपये प्रति लीटर, हैदराबाद में पेट्रोल 107.39 रुपये प्रति लीटर और डीजल 95.63 रुपये प्रति लीटर, जयपुर में पेट्रोल 104.86 रुपये प्रति लीटर और डीजल 90.34 रुपये प्रति लीटर और पटना में पेट्रोल 105.16 रुपये प्रति लीटर और डीजल 92.03 रुपये प्रति लीटर है।

एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक और कोटक लाइफ ने जीवन बीमा और वित्तीय सुरक्षा के उपायों तक पहुंच बढ़ाने के लिए की साझेदारी -

मुंबई/इन्दौर।

भारत के सबसे बड़े स्मॉल फाइनेंस बैंक, एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक (एयू एसएफबी) और भारत के अग्रणी निजी जीवन बीमा कंपनियों में एक, कोटक महिंद्रा लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (कोटक लाइफ) ने एक रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की है। यह साझेदारी एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक के ग्राहकों की जीवन बीमा और वित्तीय सुरक्षा के समाधानों तक पहुंच बढ़ाने के लिए की गई है। यह सहयोग एक संशोधित व्यावसायिक प्रस्ताव पर आधारित है, जो पूर्व में फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक (अब एयू एसएफबी के साथ विलय) के साथ कोटक लाइफ के संबंधों को जारी रखता है। साझेदारी के बाद तत्काल प्रभाव से, एयू एसएफबी के नए और मौजूदा ग्राहक, जिनमें पहले के फिनकेयर एसएफबी ब्रांच के ग्राहक भी शामिल हैं, अब टर्म, रिटायरमेंट, सेविंग्स और चुनिंदा निवेश योजनाओं सहित कोटक लाइफ के लाइफ इंश्योरेंस प्रोडक्ट (जीवन बीमा उत्पाद) की व्यापक रेंज का लाभ उठा सकते हैं। इस साझेदारी से कोटक लाइफ के डाइवर्सिफाइड पोर्टफोलियो का लाभ उठाकर दक्षिण भारत में एयू एसएफबी की पेशकश (ऑफरिंग) में बड़ी ग्रोथ होने की उम्मीद है। इसके अलावा, एयू एसएफबी के साथ मिलकरकोटक लाइफ बिना रुकावट सेवा के विकल्प सुनिश्चित करने, सुचारू रूप से ट्रांजिशन (परिवर्तन) की सुविधा प्रदान करने और ग्राहकों के लिए बिजनेस की निरंतरता बनाए रखने के लिए सहयोग करेगा।

जैसा कि एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के साथ अपने यूनिवर्सल बैंकिंग लाइसेंस का प्रयास कर रहा है, अब यह अग्रणी जीवन बीमा कंपनियों के उत्पादों की डाइवर्सिफाइड रेंज के साथ एक करोड़ से अधिक के अपने बड़े कस्टमर बेस को सेवा देने के लिए प्रयासरत है। यह रणनीतिक साझेदारी एयू एसएफबी को हर ग्राहक की खास जरूरतों और वित्तीय आवश्यकताओं का आंकलन करने और उसका समाधान करने में सक्षम बनाती है। साथ ही यह हर ग्राहक की व्यक्तिगत परिस्थितियों के अनुरूप व्यक्तिगत समाधान प्रदान करने में भी सक्षम है।

बुच ने अपने खिलाफ लगे आरोपों को झूठा और दुर्भावनापूर्ण बताया

नई दिल्ली ।

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) की अध्यक्ष माधबी पुरी बुच ने अपने खिलाफ लगे हितों के टकराव के सभी आरोपों को झूठा और दुर्भावनापूर्ण बताते हुए खारिज कर दिया। उन्होंने दोहराया कि उन्होंने बाजार नियामक द्वारा निर्धारित सभी नियमों और दिशानिर्देशों का पालन किया है। सेबी प्रमुख और उनके पति धवल बुच ने अपनी व्यक्तिगत क्षमता में दिए गए एक बयान में कहा कि पिछले कई दिनों से उनके खिलाफ दुर्भावनापूर्ण अभियान चलाया जा रहा है। बयान में कहा गया है कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि धवल बुच और भारत में अगोरा एडवाइजरी और सिंगापुर में अगोरा पार्टनर्स नामक फर्मों के परामर्श कार्यों के बारे में सवाल उठाए गए हैं। ऐसा लगता है कि जब किसी वरिष्ठ सरकारी अधिकारी के जीवनसाथी को सलाहकार के रूप में नियुक्त किया जाता है, तो इसे पेशेवर योग्यता से परे कारकों के लिए जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए। ऐसी धारणाएँ योग्यता और विशेषज्ञता की ताकत को नजरअंदाज करती हैं और ऐसे निष्कर्ष पर पहुँचती हैं जो सबसे दुर्भाग्यपूर्ण हैं।

टीसीएस के 30,000 कर्मचारियों को आयकर विभाग से मिला नोटिस

नई दिल्ली । देश की प्रमुख आईटी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के लगभग 30,000 कर्मचारियों को आयकर विभाग ने नो टिस जारी किया है, जिसमें 50 हजार से 1.45 लाख रुपए तक की टैक्स मांगा गया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक टीसीएस ने अपने कर्मचारियों से फिलहाल टैक्स भुगतान न करने के लिए कहा है। कंपनी का कहना है कि जब तक आयकर विभाग से स्पष्ट जानकारी नहीं मिल जाती, तब तक कर्मचारियों को टैक्स डिमांड की राशि जमा नहीं करनी चाहिए। टीसीएस के एचआर विभाग द्वारा भेजे गए इंटरनल ईमेल के अनुसार ये नोटिस वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही में की गई टीडीएस कटौती से संबंधित हैं। कंपनी ने कहा है कि वह पहले इस विवाद की पूरी जानकारी प्राप्त कर इसका समाधान करेगी।

सोने के भाव 49 दिन में 7.21 फीसदी बढ़े, चांदी भी हुई महंगी

नई दिल्ली।

सोने की कीमत शुक्रवार को 73,044 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई, जिसमें एक दिन में 1,243 रुपए की बढ़ोतरी देखी गई। यह 10 मई के बाद से सोने की सबसे बड़ी एक दिन की बढ़त है और 53 दिनों में पहली बार 73 हजार का स्तर पार किया गया है। सोने की कीमतों में यह तेजी 23 जुलाई को सरकार द्वारा सोने पर आयात शुल्क 15 फीसदी से घटाकर 6 फीसदी करने के बाद आई गिरावट के ठीक विपरीत है, जब कीमतें 68,131 रुपए प्रति 10 ग्राम तक गिर गई थीं। तब से अब तक 49 दिन में सोने के दाम 7.21 फीसदी बढ़ गए हैं। चांदी की कीमतों में भी शुक्रवार को 2,912 रुपए प्रति किलो की वृद्धि देखी गई, जिससे यह 86,100 रुपए प्रति किलो तक पहुंच गई। इस बढ़ोतरी के पीछे इलेक्ट्रिक वाहन बैटरी में चांदी की बढ़ती मांग एक बड़ा कारण है। सैमसंग द्वारा विकसित नई ईवी बैटरी, जो 9 मिनट में चार्ज हो जाती है, में सिल्वर का इस्तेमाल किया जाता है। अगर इस तकनीक का अधिक उपयोग हुआ, तो चांदी की मांग में भारी इजाफा होगा। अनुमान के मुताबिक अगर 20 फीसदी ईवी में यह बैटरी उपयोग होती है, तो सालाना 16,000 टन चांदी की जरूरत होगी, जो कुल वैश्विक उत्पादन का 60 फीसदी है। एक अमेरिकी निवेश फर्म के अनुसार सोने की कीमतों में इस साल 20 फीसदी की बढ़ोतरी देखी गई है। शुक्रवार को अमेरिकी बाजार में सोना 2,584 डॉलर प्रति आउंस के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा। 2025 की शुरुआत तक कीमतें 15 फीसदी बढ़कर 2,700 डॉलर प्रति आउंस पहुंच सकते हैं। यह बढ़ोतरी अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में संभावित कटौती और वैश्विक केंद्रीय बैंकों द्वारा सोने की स्टॉकिंग के कारण हो सकती है।

बीते सप्ताह सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट रही

मुंबई ।

बीते सप्ताह घरेलू शेयर बाजार में वै श्विक स्तर पर सकारात्मक रुख के बावजूद कमजोरी दर्ज की गई। सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को शेयर बाजार गिरावट के साथ खुले और शुक्रवार को मुनाफावसूली की वजह से कमजोरी के साथ ही बंद हुए। बीते पांच कारोबारी दिनों पर नजर डालें तो सोमवार को बीएसई का तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 26.25 अंक गिरकर 81,157.68 अंक पर खुला और 375 अंक बढ़कर 81,559 पर बंद हुआ। जबे कि निफ्टी-50 में भी गिरावट देखी गई और यह 18.60 अंक की गिरावट के साथ 24,833.55 अंक पर खुला और 84 अंक बढ़कर 24,936 पर बंद हुआ। भारतीय शेयर बाजार में मंगलवार को उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। शुरुआत में बीएसई सेंसेक्स 74 अंकों की गिरावट के साथ 81,485.75 के स्तर पर खुला और 361.75 अंकों की बढ़त के साथ 81,921.29 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी50 63 अंकों की बढ़त के साथ 24,999 पर खुला और 7.10 अंकों की गिरावट के साथ 25,034.00 पर बंद हुआ। बुधवार को शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 150 अंकों तक टूट गया। सेंसेक्स 110.06 अंक टूटकर 81,800.72 के स्तर पर खुला और 398.13 अंकों की गिरावट के साथ 81,523.16 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी 7.10 अंकों की गिरावट के साथ 25,034.00 पर खुला और 122.65 अंक टूटकर 24,918.45 पर बंद हुआ। घरेलू बाजार में वैश्विक निवेश बढ़ने से घरेलू शेयर बाजार गुरुवार को झूम उठा।

आखिरी सत्र में बाजार में मजबूत बढ़ दिखी। सेंसेक्स 1,236.04 अंक उछलकर 82,772.87 पर खुला और 1,440 अंक बढ़कर 82,962 पर बंद हुआ। निफ्टी 369.50 अंक चढ़कर 25,287.95 पर खुला और 470 अंक की बढ़त आई और यह 25,388.9 पर बंद हुआ। बीएसई सेंसेक्स और निफ्टी 50 इंडेक्स ने शुक्रवार को अपने रिकॉर्ड उच्च स्तर के पास से गिरावट के साथ बाजार की शुरुआत की।

यह गिरावट थोड़ी ज्यादा महंगाई दर और इंडस्ट्रियल प्रोडक्शन इंडेक्स के उच्च आंकड़े की वजह से हुई। बीएसई सेंसेक्स 79.61 अंक की गिरावट के साथ 82,883.10 पर खुला और 72 अंक गिरकर 82,890 पर बंद हुआ। जबकि निफ्टी 31.55 अंक की गिरावट के साथ 25,357.35 के स्तर पर खुला और 32 अंक गिरकर 25,356 पर बंद हुआ।

त्योहारी सीजन में बढ़ेंगे तेलों के भाव

नई दिल्ली । त्योहारी सीजन के दौरान अगले कुछ दिनों में लोगों को खाने के तेलों की कीमतों में तेजी का सामना करना पड़ सकता है। सरकार ने विभिन्न खाने के तेलों पर कस्टम ड्यूटी बढ़ा दी है, जिसका असर कीमतों पर दिख सकता है। एक रिपोर्ट के अनुसार सरकार ने क्रूड और रिफाइंड सनफ्लावर ऑयल समेत कुछ अन्य खाने के तेलों पर कस्टम ड्यूटी को बढ़ाने का निर्णय लिया है। रिपोर्ट में वित्त मंत्रालय के एक नोटिफिकेशन के हवाले से बताया गया है- क्रूड व रिफाइंड पॉम ऑयल, सोयाबीन तेल और सनफ्लावर सीड ऑयल पर बेसिक कस्टम ड्यूटी (बीसीडी) बढ़ा दी गई है। ये बदलाव 14 सितंबर से लागू हो गए हैं। क्रूड पॉम ऑयल, क्रूड सोयाबीन तेल और क्रूड सनफ्लावर सीड ऑयल पर बेसिक कस्टम ड्यूटी अब 20फीसदी है, जो पहले शून्य थी। वहीं रिफाइंड सनफ्लावर सीड ऑयल, रिफाइंड पॉम ऑयल और रिफाइंड सोयाबीन तेल पर बेसिक कस्टम ड्यूटी अब 32.5 फीसदी है, जो पहले 12.5 फीसदी थी। वहीं कस्टम ड्यूटी की वृद्धि के बाद प्रभावी शुल्क दर क्रूड तेलों के लिए 5.5 फीसदी से बढ़कर 27.5 फीसदी हो गई है और रिफाइंड तेलों के लिए 13.75 फीसदी से बढ़कर 35.75 फीसदी हो गई है।

जुलाई में ईएसआईसी से 22.53 लाख नए कर्मचारी जुड़े

नई दिल्ली । इस साल जुलाई में कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) ने 22.53 लाख नए ग्राहक जोड़े जो एक साल पहले की समान अवधि के मुकाबले 13.32 प्रतिशत अधिक हैं। श्रम मंत्रालय की तरफ से जारी पेरोल आंकड़ों से पता चलता है कि जुलाई 2023 में 19.88 लाख नए ग्राहक ईएसआईसी से जुड़े थे। ईएसआईसी के अस्थायी पेरोल आंकड़ों के मुताबिक इस साल जुलाई में 22.53 लाख नए कर्मचारी जुड़े हैं। आधिकारिक बयान के मुताबिक समीक्षाधीन महीने में 56,476 नए प्रतिष्ठानों को ईएसआई योजना के सामाजिक सुरक्षा दायरे में लाया गया है। आंकड़ों से पता चलता है कि आलोच्य महीने में जुड़े कुल 22.53 लाख कर्मचारियों में से 10.84 लाख कर्मचारी 25 वर्ष तक के आयु वर्ग के थे। यह संख्या कुल पंजीकरण का लगभग 48 प्रतिशत है। पेरोल आंकड़े का विश्लेषण दर्शाता है कि जुलाई में महिला सदस्यों का शुद्ध पंजीकरण 4.65 लाख था जबकि 71 ट्रांसजेंडर कर्मचारियों ने भी ईएसआई योजना के तहत पंजीकरण कराया।

सरकार ने प्याज निर्यात पर लगा प्रतिबंध हटाया, बढ़ सकते हैं भाव?

प्रतिबंध हटने से निर्यात प्रोत्साहन और किसानों की आमदनी में मदद मिलेगी

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने देश से निर्यात को प्रोत्साहन और किसानों की आय में बढ़ोतरी के उददेश्य से प्याज और बासमती चावल के न्यूनतम निर्यात मूल्य (एमईपी) पर लगी सीमाओं को हटा दिया। प्याज पर न्यूनतम निर्यात मूल्य 550 डॉलर प्रति टन तय किया गया था लेकिन विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने एक अधिसूचना जारी कर इसे तत्काल प्रभाव से हटा दिया। इसी तरह वाणिज्य विभाग ने बासमती चावल के निर्यात के लिए पंजीकरण-सह-आवंटन प्रमाण पत्र (आरसीएसी) जारी करने के लिए 950 डॉलर टन के मौजूदा न्यूनतम निर्यात मूल्य (एमईपी) को हटाने का निर्णय लिया है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि इस कदम से निर्यात प्रोत्साहन और किसानों की आमदनी में मदद मिलेगी। एपीडा (कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण) से इस निर्णय को लागू करने के लिए तत्काल कदम उठाने का अनुरोध किया गया है। इस दौरान एपीडा बासमती निर्यात के लिए किसी भी अवास्वतिक मूल्य पर होने वाले निर्यात अनुबंध पर करीब से नजर रखेगा।

सरकार ने पिछले साल अक्टूबर की शुरुआत में बासमती चावल के निर्यात के लिए न्यूनतम कीमत को 1,200 डॉलर प्रति टन से घटाकर 950 डॉलर प्रति टन कर दिया था। अधिक कीमतों के कारण निर्यात प्रभावित होने की चिंताओं के चलते ऐसा किया गया था। सरकार ने 27 अगस्त, 2023 को प्रीमियम बासमती चावल की आड़ में सफेद गैर-बासमती चावल के अवैध निर्यात पर लगाम लगाने के लिए 1,200 अमेरिकी डॉलर प्रति टन से कम कीमत पर बासमती चावल के निर्यात की अनुमति नहीं देने का फैसला किया था। भारत का बासमती चावल का कुल निर्यात 2022-23 में कीमत के लिहाज से 4.8 अरब डॉलर रहा, जबकि मात्रा के लिहाज से यह 45.6 लाख टन था। इस दौरान विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने प्याज निर्यात की न्यूनतम मूल्य सीमा हटाने वाली अधिसूचना में कहा कि प्याज के निर्यात पर न्यूनतम निर्यात मूल्य (एमईपी) की शर्त तत्काल प्रभाव से और अगले आदेश तक हटा दी गई है। इस प्रमुख किचन के खाद्य सामग्री की उच्च खुदरा कीमतों के बावजूद प्याज पर एमईपी को हटाने का निर्णय लिया गया है। उपभोक्ता मामलों के विभाग द्वारा संकलित आंकड़ों के अनुसार, शुक्रवार को प्याज का अखिल भारतीय औसत मूल्य 50.83 रुपये प्रति किलोग्राम था, जबकि मॉडल मूल्य 50 रुपये प्रति किलोग्राम है। प्याज का अधिकतम मूल्य 83 रुपये प्रति किलोग्राम है और न्यूनतम मूल्य 28 रुपये प्रति किलोग्राम है।

सजावटी मत्स्य पालन के लिए मोबाइल ऐप पेश किया गया

नई दिल्ली ।

आईसीएआर-केंद्रीय मीठाजल जीवपालन अनुसंधान संस्थान (आईसीएआर-सीआईएफए) ने मछली पालकों और एक्वेरियम दुकान मालिकों को सजावटी मत्स्य पालन के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करने के लिए एक मोबाइल ऐप रंगीन मछली विकसित किया है। हाल ही में जारी किए गए एक सरकारी बयान के अनुसार केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री राजीव रंजन सिंह ने आईसीएआर-केंद्रीय मीठाजल जीवपालन अनुसंधान संस्थान (आईसीएआर-सीआईएफए), भुवनेश्वर में रंगीन मछली मोबाइल ऐप पेश किया। बयान के अनुसार प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (पीएमएमएसवाई) के समर्थन से आईसीएआर-सीआईएफए द्वारा विकसित, ऐप को सजावटी मत्स्य पालन क्षेत्र की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने के लिए तैयार किया गया है, जो इसमें रूचि रखने वालों, एक्वेरियम दुकान मालिकों और मछली पालकों के लिए महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करता है। यह ऐप आठ भारतीय भाषाओं में लोकप्रिय सजावटी मछली प्रजातियों के बारे में बहुभाषी जानकारी प्रदान करता है।

बंदरगाहों पर पाबंदियों के बगैर पीली मटर आयात की अनुमति

नई दिल्ली । सरकार ने कहा कि न्यूनतम आयात मूल्य और बंदरगाहों पर पाबंदियों के बगैर पीली मटर के आयात की अनुमति दे दी गई है। हालांकि, पीली मटर की सभी खेपों के लिए आयात को तत्काल प्रभाव से ऑनलाइन आयात निगरानी प्रणाली के तहत पंजीकृत कराना होगा। यह उन मामलों में लागू होगा जहां ढुलाई के लिए माल की पूरी जानकारी से संबंधित लदान बिल 31 दिसंबर, 2024 को या उससे पहले जारी किया गया हो। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने एक अधिसूचना में कहा कि पीली मटर का आयात न्यूनतम आयात मूल्य (एमआई) शर्त के बिना और बंदरगाह पाबंदियों के बगैर किया जा सकता है।

जम्मू-कश्मीर विस चुनावः विमर्श के विषय

प्रवीण गुगनानी

कश्मीर में 05 अगस्त 2019 के पश्चात जो नया अध्याय प्रारंभ हुआ था उसने लगभग तीन वर्षों का कोरोना कालखंड का दंश भी झेला है। कोरोना के बाद भी कश्मीरी पर्यटन आज सफलता के नये आयाम छू रहा है तो इसके पीछे दिल्ली और श्रीनगर में स्थापित नये शक्ति-सूत्र ही कार्य कर रहे हैं। उम्मीद है कि इस विधानसभा चुनाव में कश्मीर की जनता दिल्ली को और अधिक मजबूती से पकड़ेगी और नये युग का आरंभ करेगी।

उस जमाने की बात याद है, जब प्रत्येक राष्ट्रीय कानून, प्रस्ताव, प्रावधान आदि पर लिखा जाता था (जम्मू और कश्मीर को छोड़कर) लेकिन अब देश में वैसा नहीं होता। जम्मू कश्मीर अब शेष भारत के नवनिर्माण में सहयोग दे रहा है। आज का कश्मीर नये भारत का नया कश्मीर है। जिस कश्मीर में दशकों तक ऐसा आतंकी वातावरण रहा कि वहाँ भारतीय भी जाने की कल्पना नहीं करते थे, उस कश्मीर में मोदी सरकार ने जी-20 का सम्मेलन करवा दिया, यही नया कश्मीर है।

अनुच्छेद 370 को इस प्रदेश की नियति मानने और बताने वाले लोग वस्तुतः बदनियत लोग थे, वे अब मुख्यधारा से बाहर हैं। कांग्रेस ने भी फारूख अब्दुल्ला और उसके अन्य प्रिय कश्मीरी अलगाववादियों, उग्रवादियों व आतंकवादियों के साथ चलते हुए अनुच्छेद 370 हटाने का विरोध किया था। अनुच्छेद 370 के उन्मूलन के बाद बना था- गुपकार गठबंधन। गुपकार गठबंधन चाहता है कि अनुच्छेद 370 कश्मीर में पुनर्स्थापित हो। अनुच्छेद 370 के संदर्भ में आज कांग्रेस की स्थिति साँप-छछून्दर जैसी है। कश्मीर में वह अलगाववादियों, उग्रवादियों, आतंकियों, देश विरोधियों के साथ खड़े होकर 370 की पक्षधर दिखती है। यही कांग्रेस शेष भारत में अपनी इस केंचुली को उतार कर अनुच्छेद 370 के विषय में दोहरे चरित्र की बात करती है। जब समूचा भारत अनुच्छेद 370 के उन्मूलन को लेकर प्रसन्न हो रहा था तब कांग्रेस देश की इस प्रसन्नता से अलग मुँह फुलाए बैठी थी। कांग्रेसी अभिषेक सिंघवी ने तब कहा था 'प्रथम दृष्टया, हम 370 को निरस्त करने के तरीकों पर निर्णय से असहमत हैं।' 6 अगस्त, 2019 को कांग्रेस की राष्ट्रीय कार्यसमिति की बैठक में अनुच्छेद 370 को निरस्त करने लेकर मोदी सरकार पर हमला किया था। इस बैठक में उसने 370 का सम्मान करते रहने का प्रस्ताव पारित किया था। ऐसा विरोध भला 'देश विरोध' नहीं तो और क्या था?

शेष राष्ट्र के सामने कांग्रेस अपने दोहरे चरित्र पर बड़ी बेशर्मी से स्वयं को 'गुपकार गैंग' से अलग बताती है। यही कांग्रेस अनुच्छेद 370 हटने के ठीक एक दिन पूर्व फारूक अब्दुल्ला के निवास पर पीडीपी सहित कई अन्य के साथअनुच्छेद 370 के पक्ष में संयुक्त व्यक्तव्य जारी कर रही थी। यही कांग्रेस, अनुच्छेद 370 के हटने के एक वर्ष बाद भी कश्मीर में पुनः गुपकार रोड पर इनके साथ खड़ी दिखाई देती है। कांग्रेस, अब्दुल्ला और पीडीपी वाले इस अलगाववादी गठबंधन ने एक वर्ष बाद भी यह कहा था कि- 'अनुच्छेद 370 और 35 को पुनर्स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।'

कश्मीर के इस विधानसभा चुनाव में कश्मीर की जनता को कांग्रेस से यह पूछना चाहिए कि कश्मीर छोड़ कर शेष राष्ट्र में वह अनुच्छेद 370 को हटाने के पक्ष में क्यों खड़ी दिखती है? ये दोहरा चरित्र क्यों है? शेष राष्ट्र में वह अब्दुल्ला व मुफ़्ती परिवार से दूरी का प्रदर्शन करती है और अब विस चुनाव भी उनके साथ ही लड़ती है। कश्मीर की जनता को इन दोहरे और डुप्लीकेट चरित्र वाले लोगों का बहिष्कार करना चाहिये। गुपकार गठबंधन स्पष्ट तौर पर विदेशी शक्तियों का एक बॉम्ब टॉय है और कांग्रेस, अब्दुल्ला, पीडीपी इसके साथ खड़े हुए हैं।

डॉ. पंडित श्यामप्रसाद मुखर्जी के 'एक देश, एक विधान, एक प्रधान' के संकल्प को शिरोधार्य किए हुए भाजपा ने अपनी संकल्प शक्ति से भारत के मुकुटमणि को 370 व 35 ए के दंश से मुक्ति दिलाई है। कश्मीर का विकास अब शेष देश के समान आगे बढ़ता हुआ दिखता है। वर्ष 2020-21 में 15वें वित्त आयोग की अनुशंसा के अनुसार, जम्मू और कश्मीर प्रदेश एवं लद्दाख हेतु क्रमशः 30757 करोड़ रु. और 5959 करोड़ रु. का अनुदान दिया गया है।

भाजपा की केंद्र सरकार ने कश्मीर में लोकतंत्र को पुनर्जीवित किया है। वर्ष 2018 में भाजपा की संकल्प शक्ति से कश्मीर में पंचायत चुनाव हुए, जिसमें 74.1 प्रतिशत मतदान हुआ, वर्ष 2019 में ब्लॉक डवलपमेंट काउंसिल चुनाव में 98.3 प्रतिशत मतदान हुआ। इसके बाद जिला स्तर के चुनाव में भी यही गाथा दोहराई गई। आज कश्मीर में आयुष्मान योजना में 4.4 लाख लाभार्थियों की सूची बन गई है। प्रधानमंत्री किसान योजना व प्रधानमंत्री आवास योजना के मामले में कश्मीर ने देश के शेष राज्यों की अपेक्षा अधिक सफलता अर्जित की है। कश्मीर के मूल निवासियों के अधिकारों को सुरक्षित किया गया है। नई मूल निवासी परिभाषा के अनुसार 15 वर्ष या अधिक समय तक जम्मू-कश्मीर में रहने वाले व्यक्ति भी अब अधिवासी माने जाएंगे इससे कश्मीर की जनता सुरक्षित हुई है। कश्मीरी पंडितों की वापसी के लिए छह हजार आवासों का निर्माण हो गया है। जम्मू-कश्मीर से बाहर विवाह करने वाली लड़कियों और उनके बच्चों के अधिकारों का संरक्षण भी सुनिश्चित किया गया है। कश्मीर में पहली बार दस हजार रिक्त नौकरियों को सूचीबद्ध करके इन पर नियुक्तियों का कार्य प्रारंभ किया गया है।

इसके दूसरे चरण में लगभग साढ़े बारह हजार नौकरियों के लिए भर्ती अभियान चलाया गया है। मोदी सरकार ने कश्मीर में हिमायत योजना से लगभग नब्बे हजार युवाओं को प्रशिक्षण दिया है। भाजपा की केंद्र सरकार ने पचास नये महाविद्यालय प्रारंभ किए हैं, जिसमें लगभग सात हजार कश्मीरी छात्र नये कश्मीर का भाग्य लिख रहे हैं। सात मेडिकल कॉलेज व पाँच नर्सिंग कॉलेज प्रारंभ किए गए हैं। आईआईटी जम्मू को अपना कैंपस और एम्स की भेंट मिली है। अटल टनल प्रारंभ होने के साथ चिनाब पर विश्व का सबसे ऊंचा 467 मीटर का पुल अब कश्मीर को वैश्विक नक़्शे पर आतंकग्रस्त नहीं अपितु एक विकसित प्रदेश के रूप में दिखाता है। कश्मीर में आज ऐसी कई नई योजनाएँ प्रारंभ हो रही हैं।

एक समय था जब कश्मीर के जंगल उजाड़ कर देशभर में बनने वाली पेंसिल की लकड़ी पुलवामा से जाती थी। आज मोदी सरकार की कल्पनाशीलता से पुलवामा का उक्खूँ गाँव देशभर की पेंसिल खपत की नब्बे प्रतिशत पेंसिल और बड़ी मात्रा में क्रिकेट बैट सप्लाई करके अपने उत्पाद का उच्चतम मूल्य प्राप्त कर रहा है। सबसे बड़ी बात कि इसके लिए वह अपने अमूल्य देवदार के वृक्षों को नहीं काट कर पर्यावरण सुरक्षा भी कर रहा है। पहले कश्मीर से पेंसिल की लकड़ी जाती थी, अब वैल्यू एडिशन के साथ पेंसिल जाती है और स्थानीय बहुमूल्य लकड़ी भी नहीं काटी जा रही है। कश्मीर में दस वर्षों बाद होने जा रहे विस चुनाव में भाजपा का स्पष्ट कहना है कि वह कश्मीर को रोहिंग्या और बांग्लादेशी घुसपैठियों से मुक्ति दिलायेगी और कश्मीर की कश्मीरियत स्थापित रखेगी। जम्मू व श्रीनगर में मेट्रो रेल प्रारंभ होगी। किसानों का बिजली बिल आधा ही लिया जाएगा। सौ हिंदू मंदिरों का पुनर्निर्माण करके कश्मीरी संस्कृति को सुरक्षित किया जाएगा। भाजपा प्रत्येक कश्मीरी महिला को 18 हजार रुपये प्रतिवर्ष व प्रति वर्ष दो गैस सिलेंडर भी निःशुल्क देगी। वृद्धावस्था, विधवा और विकलांगता पेंशन को एक से तीन हजार रुपये कर दिया जाएगा।

कश्मीर में 05 अगस्त 2019 के पश्चात जो नया अध्याय प्रारंभ हुआ था उसने लगभग तीन वर्षों का कोरोना कालखंड का दंश भी झेला है। कोरोना के बाद भी कश्मीरी पर्यटन आज सफलता के नये आयाम छू रहा है तो इसके पीछे दिल्ली और श्रीनगर में स्थापित नये शक्ति-सूत्र ही कार्य कर रहे हैं। उम्मीद है कि इस विधानसभा चुनाव में कश्मीर की जनता दिल्ली को और अधिक मजबूती से पकड़ेगी और नये युग का आरंभ करेगी।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

संपादकीय

कानून रौंदती सरकारें

अपराध में शामिल होना, किसी की संपत्ति को ढहाने का आधार नहीं हो सकता, बुलड़ोजर से देश का कानून रौंदा जा रहा है, यह सुप्रीम कोर्ट ने कहा। सुप्रीम कोर्ट गुजरात के खेड़ा जिले के एक परिवार की अपने घर पर बुलड़ोजर कार्रवाई की धमकी के खिलाफ याचिका दायर पर सुनवाईकर रहा था। तीन जजों की बेंच ने कहा कि एक सदस्य द्वारा कथित अपराध के लिए पूरे परिवार का घर गिरा कर दंड़ित नहीं किया जा सकता। पीठ ने स्पष्ट किया कि किसी ने अपराध किया है या नहीं, यह सिर्फ अदालत ही तय कर सकती है। अदालत ने नोटिस जारी कर राज्य सरकार से चार हफ्तों में जवाब भी मांगा है। इससे पहले भी शीर्ष अदालत ने बुलड़ोजर कार्रवाई को लेकर दिशा-निर्देश जारी करने की बात की थी। आरोपियों के खिलाफ बुलड़ोजर एक्शन की उप्र की योगी सरकार ने की थी। देखा-देखी मप्र, राजस्थान और गुजरात जैसे राज्य भी यही तरीका इख्तियार करने लगे। किसी भी दोषी पर आरोप सिद्ध हुए बगैर सरकार ऐसा कोई कदम उठाने को स्वतंत्र नहीं है। बावजूद इसके विवादित मामलों, अपराधियों और राजनीतिक लाभ के लोभ में राज्य सरकारें अपनी ताकत दशार्ने के लिए लगातार कानून की अवमानना कर रही हैं। जब तक आरोप सिद्ध नहीं होता, तब तक किसी तरह का निर्णय थोपा जाना अनुचित है। कानूनी तौर पर निर्मित इमारत पूरे परिवार या कुनबे के किसी अन्य सदस्य के नाम होने पर भी उसे यूं ढ़हाया जाना न्यायोचित नहीं हो सकता। जैसा कि पीठ ने कहा, अपराध तय करना अदालत का काम है। इसमें अति उत्साह में सरकार का बिला-वजह हस्तक्षेप कानून को हाथ में लेना है जबकि शहरों-महानगरों में व्यस्त बाजारों, मंहगे इलाकों व आबादी के बीच होने वाले अतिक्रमणों से जनता आजिज आ चुकी है। उन पर बुलड़ोजर चलाने या उन्हें ढ़हाने की कोई बात नहीं की जाती। अपराधियों और माफिया पर नकेल कसने के अन्य तरीकों पर सरकारों को कार्रवाई करनी चाहिए। सजा सिर्फ अपराधी को ही मिले। उसके समूचे परिवार को बेघर कर सड़क पर ला देना न्यायोचित नहीं है।

चिंतन-मनन

प्रधानता आत्मा को

मनुष्य सामान्यतः जो बाह्य में देखता, सुनता, समझता है वह यथार्थ ज्ञान नहीं होता। किन्तु भ्रमवश उसी को यथार्थ ज्ञान मान लेता है। अवास्तविक ज्ञान को ही ज्ञान समझकर और उसके अनुसार अपने कार्य करने केकारण मनुष्य अपने मूल उद्देश्य सुख-शान्ति की दिशा में अग्रसर न होकर विपरीत दिशा में चल पड़ता है। यथार्थ ज्ञान की अनुभावक मनुष्य की अंतरात्मा ही है। शुद्ध, बुद्ध एवं स्वयं चेतन होने से उसको अज्ञान का अंधकार कभी नहीं व्यापसकता। परमात्मा का अंश होने से वह उसी तरह सत्, चित् एवं आनंद है, जिस प्रकार परमात्मा के समीप असत्य की उपस्थिति संभव नहीं है उसी प्रकार उसके अंश आत्मा में भी असत्य का प्रवेश सम्भव नहीं। मनुष्य की अंतरात्मा जो कुछ देखती, सुनती और समझती है, वही सत्य और यथार्थ ज्ञान है। अंतरात्मा से अनुशासित मनुष्य ही सत्य के दर्शन तथा यथार्थ ज्ञान की उपलब्धि कर सकता है। यथार्थ ज्ञान की उपलब्धि हो जाने पर मनुष्य के सारे शोक-संतापों का स्वतः समाधान हो जाता है। अंतरात्मा की बात सुनना और मानना ही उसका अनुशासन है। मनुष्य की अन्तरात्मा बोलती है, किन्तु उसकी वाणी सूक्ष्मातिसूक्ष्म होती है, जिसे बाह्य एवं स्थूल श्रवणों से नहीं सुना जा सकता। मनुष्य की अन्तरात्मा बोलती है किन्तु मौन विचार स्फुरण की भाषा में, जिसे मनुष्य अपनी कोलाहलपूर्ण मानसिक स्थिति में नहीं सुन सकता। अन्तरात्मा की वाणी सुनने के लिए जरूरी है मनुष्य का मानसिक कोलाहल बन्द हो। अन्तरात्मा का सान्निध्य मनुष्य को उसकी आवाज सुनने योग्य बना देता है। यों मनुष्य की अन्तरात्मा उसमें ओतप्रोत है, पर उसका सच्चा सान्निध्य पाने के लिए उसे जानना आवश्यक है। परिचयहीन निकटता भी एक दूरी होती है। रेलयात्रा में कन्धे से कन्धा मिलाये बैठे दो आदमी अपरिचित होने के कारण समीप होने पर भी एक-दूसरे से दूर होते हैं। अजनबी छोड़िए, जिन्दगी भर एक दूसरे केसाथ रहने पर भी आन्तरिक परिचय के अभाव में कई लोग एक-दूसरे से दूर ही रहते हैं। अन्तरात्मा जानने का एक ही उपाय है कि उसके विषय में सदा जिज्ञासु तथा सचेत रहा जाए। जो जिसके विषय में जितना अधिक जिज्ञासु एवं सचेत रहता है, वह उसकेविषय में उतनी ही गहरी खोज करता है और निश्चय ही उसे पा लेता है। आत्मा के विषय में अधिक से अधिकजिज्ञासु एवं सचेत रहिए।

'निर्भयाओं' को निर्भय बनाने के प्रयास और सख्ती के प्रावधान

पश्चिम बंगाल का आरजी कर प्रकरण भले आज उबाल ले रहा हो पर 2012 के निर्भया कांड के बाद हुई सख्ती के बावजूद ऐसी घटनाओं का बंद होना तो दूर महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराध कम नहीं हो रहे। जैसे कठोर सजा प्रावधान भी बेअसर हो रहे हैं। महिलाओं के खिलाफ अपराध वाले प्रकरणों का न्यायालयों में निस्तारण भी तेजी से हो रहा है। करीब 90 प्रतिशत तक प्रकरणों का न्यायालयों से निस्तारण किया जा रहा है। लेकिन महिलाओं के खिलाफ जघन्य अपराध की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। कुछ समय गुजरते ही देश में कहीं ना कहीं निर्भया जैसे नृशंस कांड हो रहे हैं जो देश को हिलाकर रख देते हैं।

कोलकता आरजी कर अस्पताल में रेप व हत्या की घटना के बाद जिस तरह देशव्यापी माहौल बना, उसके चलते पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा अपराजिता महिला एवं बाल विधेयक (पश्चिमी बंगाल आपराधिक कानून एवं संशोधन) विधानसभा से पारित हो गया। सवाल यह नहीं है कि कानून कितना सख्त बनाया गया है। सवाल यह भी नहीं है कि कानून में किस तरह से जांच से लेकर सजा तक की समय सीमा तय की गई है। सवाल यह है कि 2012 में निर्भया कांड के बाद जिस तरह से कानून में बदलाव कर सख्ती के प्रावधान किये गये, जिस तरह से पॉक्सो एक्ट के तहत कार्रवाई की बात हुई और जिस तरह से देश में त्वरित न्याय के लिए फास्ट ट्रेक स्पेशल अदालतें और पाक्सो अदालतें बनाई गई उसके बाद भी हालात में बदलाव क्यों नहीं दिखाई दे रहे हैं।

दिसंबर 2012 में निर्भया कांड को लेकर जिस तरह देशव्यापी आक्रोश देखने को मिला उसके बाद 2013 में नया आपराधिक कानून लाकर सरकार ने सख्ती की मंशा दिखाई इसके बावजूद सकारात्मक परिणाम देखने को नहीं मिला। 2015 में किशोर न्याय अधिनियम के माध्यम से 16-18 साल के दोषियों को भी कोई रियायत नहीं देने के प्रावधान किये गये और 2019-20 में 1023 फास्ट ट्रेक स्पेशल कोर्ट का गठन और 389 पॉक्सों कोर्टो के गठन के बावजूद अपराधियों में किसी तरह भय का वातावरण नहीं बना है। उज्जैन, अयोध्या और इसके बाद आरजी कर प्रकरण से साफ हो गया है कि भले ही अब ममता सरकार ने नया अधिनियम पारित करा लिया हो पर तस्वीर का एक पहलू यह भी है कि ऐसे मामलों में भी लोग राजनीतिक फायदा-नुकसान को देखकर प्रतिक्रिया देते हैं। मानवता के लिए इससे अधिक कलंक की दूसरी बात क्या होगी।

आंकड़ों में देखें तो निर्भया कांड के समय ऐसे 24915 मामले सामने आये थे तो साल 2016 में सर्वाधिक 38947 अपराध सामने आये। 2020 के कोरोना काल में अवश्य 28046 मामले आये अन्यथा आंकड़े 30 हजार से अधिक ही रहे। 2022 में महिलाओं के खिलाफ अपराध के इस तरह के 31516 मामले आए। यानी 2012 के निर्भया कांड और उसकी प्रतिक्रिया स्वरूप देश ही नहीं विश्वव्यापी आक्रोश व जनचेतना के बावजूद ऐसे अपराधों में कमी नहीं आई। सख्त कानूनी प्रावधानों के बावजूद अपराधी प्रवृति के लोग इस तरह की घटनाओं को अंजाम देते आ रहे हैं।

साफ है कि कानून बनाने या सख्त सजा व त्वरित न्याय की व्यवस्था एक बात है और समाज को अपराध विहीन बनाना दूसरी बात। इसके लिए हमें हमारे मूल्यों और संस्कारों को नई पीढ़ी तक पहुंचाना होगा। महिलाओं की इज्जत करना, उनके सम्मान की रक्षा करना सीखना और सिखाना होगा। नहीं तो कानून के डर से अपराध कम हो जाएंगे, यह सोचना एक हद के बाद सही नहीं हो सकता।

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा
(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

विश्व ओजोन दिवसः चिंता का सबब बनता ओजोन परत का क्षरण

नरेन्द्र भारती

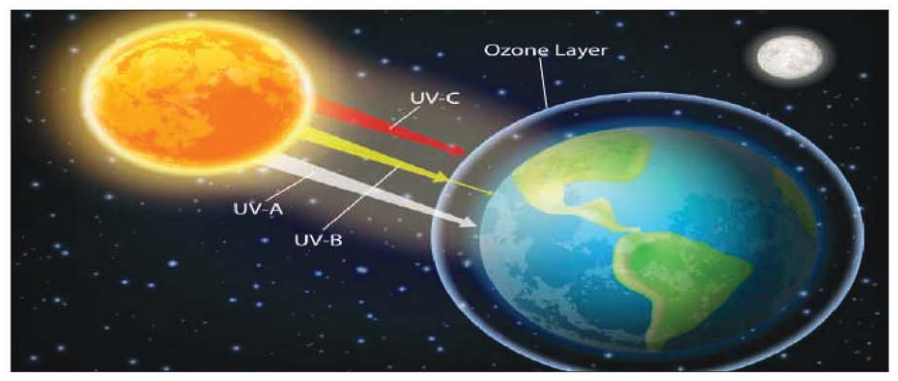

16 सितम्बर 1987 को मॉन्ट्रियल में ओजोन परत के क्षय को रोकने के लिए एक अंतर्राष्ट्रीय समझौता हुआ था, जिसमें उन रसायनों के प्रयोग को रोकने से संबंधित एक बेहद महत्वपूर्ण समझौता किया गया था, जो ओजोन परत में छिद्र के लिए उत्तरदायी माने जाते हैं। ओजोन परत कैसे बनती है, यह कितनी तेजी से कम हो रही है और इस कमी को रोकने के लिए क्या उपाय किए जा सकते हैं, इसी संबंध में जागरूकता पैदा करने के लिए 1994 से प्रतिवर्ष 'विश्व ओजोन दिवस' मनाया जा रहा है किन्तु चिन्ता की बात यह है कि पिछले कई वर्षों से ओजोन दिवस मनाए जाते रहने के बावजूद ओजोन परत की मोटाई कम हो रही है। प्रतिवर्ष एक विशेष थीम के साथ यह महत्वपूर्ण दिवस मनाया जाता है। विश्व ओजोन दिवस 2024 का विषय है 'मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉलः जलवायु कार्रवाई को आगे बढ़ाना'। विश्व ओजोन दिवस का यह विषय ओजोन परत की रक्षा करने और वैश्विक स्तर पर व्यापक जलवायु कार्रवाई पहलों को आगे बढ़ाने में मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल की महत्वपूर्ण भूमिका को दशार्ता है। विश्व ओजोन दिवस हमें स्मरण कराता है कि पृथ्वी पर जीवन के लिए ओजोन परत आवश्यक है और यह विषय भविष्य की पीढ़ियों के लिए इसे बचाने हेतु निरंतर जलवायु कार्रवाई की आवश्यकता पर प्रकाश डालता है।

आईपीसीसी की एक रिपोर्ट में तापमान में डेढ़ तथा दो डिग्री वृद्धि की स्थितियों का आकलन किए जाने के बाद से इसे डेढ़ डिग्री तक सीमित रखने की आवश्यकता महसूस की जा रही है और इसके लिए दुनियाभर के देशों से ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन में कटौती के नए लक्ष्य निर्धारित करने की अपेक्षा की जा रही है। जहां तक भारत की बात है तो भारत ने 2030 तक ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन की तीव्रता में 35 फीसदी तक कमी लाने का लक्ष्य रखा है किन्तु जी-20 देशों पर जलवायु परिवर्तन से निपटने के उपायों की समीक्षा पर आधारित एक रिपोर्ट में कुछ समय पहले कहा गया था कि भारत सहित जी-20 देशों ने ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन में कटौती के जो लक्ष्य निर्धारित किए हैं, वे तापमान वृद्धि को डेढ़ डिग्री तक सीमित करने के दृष्टिगत पर्याप्त नहीं हैं। रिपोर्ट के मुताबिक अपेक्षित परिणाम हासिल करने के लिए इन देशों को अपने उत्सर्जन को आधा करना होगा। रिपोर्ट में इस बात पर भी चिंता व्यक्त की गई थी कि जी-20 देशों की जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम नहीं हो रही है, जहां अभी भी करीब 82 फीसदी जीवाश्म ईंधन ही इस्तेमाल हो रहा है और चिंताजनक बात यह मानी गई थी कि कुछ देशों में जीवाश्म ईंधन पर सब्सिडी भी दी जा रही है। भारत ने हरित ऊर्जा उत्पादन का लक्ष्य 2027 तक 47 फीसदी रखा है और 2030 तक सौ फीसदी इलैक्ट्रिक वाहनों के उत्पादन का भी लक्ष्य है। हालांकि नवीन ऊर्जा के इन लक्ष्यों के लिए रिपोर्ट में भारत की सराहना भी की गई थी।

विश्व के अधिकांश क्षेत्रों में आज जलवायु परिवर्तन के चलते विनाश का जो दौर देखा जा रहा है, उसके लिए काफी हद तक ओजोन परत की कमी मुख्य रूप से जिम्मेदार है और हमें अब यह भी भली-भांति समझ लेना चाहिए कि हमारी लापरवाही और पर्यावरण से बड़े पैमाने पर खिलवाड़ ही पर्यावरण विनाश की सबसे बड़ी जड़ है। कुछ समय पूर्व एक रिपोर्ट में कहा गया था कि जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों के चलते दुनियाभर में करीब 12 करोड़ लोग विस्थापित होंगे। ओजोन परत के सुरक्षित न होने से मनुष्यों, पशुओं और यहां तक की वनस्पतियों के जीवन पर भी बेहद प्रतिकूल प्रभाव पड़ना तय है। यही नहीं, अधिकांश वैज्ञानिकों का मानना है कि ओजोन परत के बिना पृथ्वी पर जीवन का अस्तित्व ही समाप्त हो जाएगा और पानी के नीचे का जीवन भी नहीं बचेगा। हिन्दी अकादमी दिल्ली के सौजन्य से पर्यावरण पर छपी चर्चित पुस्तक 'प्रदूषण मुक्त सांसें' के मुताबिक ओजोन परत की कमी से प्राकृतिक संतुलन बिगड़ता है, सर्दियां अनियमित रूप से आती हैं, हिमखंड गलना शुरू हो जाते हैं और सर्दी की तुलना में गर्मी अधिक पड़ती है, पर्यावरण का यही हाल पिछले कुछ वर्षों से हम देख और भुगत भी रहे हैं। दरअसल ओजोन परत में कमी और मोटे होते जा रहे छिद्र के कारण पृथ्वी तक पहुंचने वाली पराबैंगनी किरणें हमारे स्वास्थ्य तथा पारिस्थितिकी तंत्र पर बहुत हानिकारक प्रभाव डालती हैं। ओजोन परत की कमी से हमारे स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरे उत्पन्न हो रहे हैं।

ओजोन परत वातावरण में बनती है। जब सूर्य से पराबैंगनी किरणें ऑक्सीजन परमाणुओं को तोड़ती है और ये परमाणु ऑक्सीजन के साथ मिल जाते हैं तो ओजोन अणु बनते हैं। ओजोन परत पृथ्वी के धरातल से 20-30 किमी की ऊंचाई पर वायुमण्डल के समताप मंडल क्षेत्र में ओजोन गैस का एक झीना सा आवरण है। यह परत पर्यावरण की रक्षक मानी गई है क्योंकि यही वह परत है, जो पराबैंगनी किरणों को पृथ्वी पर आने से रोकती है। हमारे ऊपर के वातावरण में विभिन्न परतें शामिल हैं, जिनमें एक परत स्ट्रैटोस्फियर है, जिसे ओजोन परत भी कहा जाता है। ओजोन गैस प्राकृतिक रूप से बनती है। निचले वातावरण में पृथ्वी के निकट ओजोन की उपस्थिति प्रदूषण बढ़ाने वाली और स्वास्थ्य के लिए हानिकारक लेकिन ऊपरी वायुमंडल में ओजोन परत की उपस्थिति पृथ्वी पर जीवन के अस्तित्व के लिए अत्यावश्यक है। जब सूर्य की किरणें वायुमंडल में ऊपरी सतह पर ऑक्सीजन से टकराती हैं तो उच्च ऊर्जा विकिरण के कारण इसका कुछ हिस्सा ओजोन में परिवर्तित हो जाता है। ओजोन परत सूर्य से निकलने वाली पराबैंगनी किरणों के लिए एक अच्छे फिल्टर के रूप में कार्य करती है। सूर्य विकिरण के साथ आने वाली पराबैगनी किरणों का लगभग 99 फीसदी भाग ओजोन मंडल द्वारा सोख लिया जाता है, जिससे पृथ्वी पर रहने वाले प्राणी एवं वनस्पति सूर्य के तेज ताप और विकिरण से सुरक्षित हैं और इसी कारण ओजोन परत को सुरक्षा कवच भी कहा जाता है। यही कारण है कि प्रायः कहा जाता है कि ओजोन परत के बिना पृथ्वी पर जीवन का अस्तित्व ही समाप्त हो जाएगा।

स्वामी, प्रकाशक और मुद्रक डा0 सरवर जमाल ने आर0 डी0 प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स प्रा0 लि0 प्लाट नं0 16-17 पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, रोड नं0 झ्र 09 पटना झ्र 800013 से छपवाकर कार्यालय 203 बी, ब्लाक रंजीत रेसीडेंसीज, साकेतपुरी, मछली गली, राजा बाजार पटना- 800014 से प्रकाशित किया ।सम्पादकः श्रीमती शबाना प्रवीन पी0 आर0 बी0 एक्ट के तहत खबरों की जिम्मेवार` मैनेजिंग एडिटरः डा0 राजीव कुमार, स्थानीय सम्पादकः डा0 नूतन कुमारी, उप सम्पादकः तबस्सुम नवाज PRGI NO:- BIHHIN/2023/86924 E-mail- Newsindogulf730@gmail.com,Mob-9472871824/8544031786 समस्त विवादों का निवारण पटना न्यायालय के अधीन ही होंगे।

लेडी गागा ने सोशल मीडिया पोस्ट में आलोचकों को दिया करारा जवाब

लॉस एंजिल्स। मशहूर गायिका लेडी गागा इन दिनों अपने एक बयान को लेकर चर्चा के केंद्र में हैं। उन्होंने अपने एक सोशल मीडिया पोस्ट में आलोचकों को करारा जवाब दिया है। उन्होंने अपने पूर्व सहपाठियों द्वारा बनाए एकस्टेफनी जर्मनोटा, आप कभी प्रसिद्ध नहीं होंगी नामक फेसबुक ग्रुप पर टिप्पणी की थी। हालांकि अब इस ग्रुप को फेसबुक से डिलीट कर दिया गया है। गागा को उनके बचपन के नाम से संबोधित करते इस ग्रुप के कुछ स्क्रीनशॉट्स कई सालों से वायरल हो रहे हैं। उन्होंने इन स्क्रीनशॉट्स पर एक टिक टॉक वीडियो में कमेंट किया है। रिपोर्ट के अनुसार, इस घटना के मूल पोस्ट में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक पर 12 लोगों वाले एक ग्रुप में पोस्ट किए गए एक स्क्रीनशॉट में गागा की कई उपलब्धियों को गिनाया गया था। इसमें एक अकादमी पुरस्कार, दो गोल्डन ग्लोब, 13 ग्रैमी पुरस्कार, 10 बिलबोर्ड संगीत पुरस्कार और एक एमटीवी संगीत वीडियो पुरस्कार शामिल हैं। गागा ने लिखा, जिन लोगों के साथ मैं कॉलेज में पढ़ती थी, उन्ही लोगों ने यह काम किया है, यही कारण है कि जब लोग आप पर संदेह करते हैं या आपको नीचा दिखाते हैं, तो आप हार नहीं मान सकते। आपको आगे बढ़ते रहना होगा। लेडी गागा अपने पहले एल्बम द फेम के रिलीज से पहले न्यूयॉर्क यूनिवर्सिटी के टिश स्कूल ऑफ़ आर्ट्स में पढ़ाई किया करती थीं। इसके बाद उन्होंने 2005 में स्टेज परफॉर्मेंस के लिए पढ़ाई छोड़ दी थी। बता दें कि मशहूर अभिनेता जोकिन फीनिक्स, गागा और निर्देशक टॉड फिलिप्स को हाल ही में अपनी कॉमिक बुक सीक्वल जोकर- फोली ए डेक्स को वेनिस फिल्म फेस्टिवल में, इसके प्रस्तुतीकरण के बाद उनकी टीम को स्टैंडिंग ओवेशन दिया गया था। उन्होंने कहा, इसमें संगीत है, नृत्य है, यह एक नाटक है, यह एक कोर्टरूम ड्रामा भी है, यह एक कॉमेडी है, यह खुशी है, यह दुखद है। यह एक निर्देशक के रूप में (टॉड) के लिए मील का पत्थर है कि वह प्रेम की पारंपरिक कहानी कहने के बजाय रचनात्मक कहानियों में ज्यादा रुचि रखते हैं।

जूनियर एनटीआर की देवरा के नए गाने पर आया दिलचस्प अपडेट

साउथ सुपरस्टार जूनियर एनटीआर इन दिनों बहुप्रतीक्षित फिल्म देवरा को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। फिल्म का जबर्दस्त तरीके से अब प्रचार भी किया जा रहा है। फिल्म के तीन गाने पहले ही रिलीज हो चुके हैं। वहीं, अब फिल्म के चौथे गाने के बारे में दिलचस्प जानकारी सामने आई है। दर्शकों का ध्यान आकर्षित करने के लिए निर्माता समय-समय पर फिल्म से जुड़ी दिलचस्प जानकारियां प्रशंसकों के साथ साझा कर रहे हैं। वहीं, अब निर्माताओं ने फिल्म से जुड़ा एक और मजेदार अपडेट सामने आया है।
इससे पहले फिल्म की टीम ने पोस्ट साझा करते हुए इसके बहुप्रतीक्षित गाने के बारे में बताया था, जो फिल्म का ओपनिंग सॉन्ग होने वाला है। साथ ही उसका खुलासा भी किया गया था। देवरा की टीम एक हाई-वोल्टेज गीत की शूटिंग पूरी कर चुकी है, जिसका शीर्षक है आयुध पूजा। इसकी एक झलक भी निर्माताओं ने प्रशंसकों के साथ साझा की थी। वहीं, अब इस गाने की रिलीज की तारीख के बारे में जानकारी सामने आई है।

केट विंसलेट को ली के सेट पर मिली थी बेली रोल छिपाने की सलाह

केट विंसलेट अपनी आगामी बायोपिक में फोटोग्राफर ली मिलर की भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने शूटिंग सेट पर क्रू मेंबर द्वारा उनके शरीर पर की गई टिप्पणी के बारे में बात की। केट विंसलेट इन दिनों ली को लेकर चर्चा में हैं। अभिनेत्री ने अपनी आगामी बायोपिक ली में मशहूर फोटो जर्नलिस्ट ली मिलर की भूमिका के बारे में बात की है। इस फिल्म में उन्होंने खुद के अधिक प्राकृतिक किरदार को अपनाया है। उनका कहना है कि उन्होंने फिल्म के लिए अपने रूप में ज्यादा बदलाव नहीं किए।

फिल्म में ऐसा है अभिनेत्री का किरदार

केट विंसलेट ने हाल ही में कहा कि जब महिला कलाकार कैमरे पर अपना शरीर दिखाती हैं या मेकअप नहीं करती हैं तो यह बहादुरी नहीं है। उनका काम सिर्फ असली महिलाओं को चित्रित करना है। फिल्म में विंसलेट के अंतरंग दृश्य हैं और वह स्क्रीन पर अपना असली शरीर दिखाने के लिए अड़ी हुई थीं। उन्होंने कहा कि यह बिलकुल भी बहादुरी नहीं है। मैं न्याय के लिए लड़ने वाली कोई पूर्व पोस्ट मास्टर नहीं हूं। मैं यूक्रेन में नहीं हूं। मैं एक ऐसा काम कर रही हूं, जो मेरे लिए मायने रखता है।

बेली रोल्स छिपाने से किया था इनकार

इससे पहले उन्होंने एक किस्सा साझा करते हुए बताया था कि एक क्रू मेंबर ने उन्हें टॉपलेस सीन के दौरान अपने बेली रोल्स को छिपाने के लिए कहा था, लेकिन उन्होंने इससे इनकार कर दिया। इस सीन में उन्होंने स्वीम सूट पहना है और वे अपनी नेचुरल बॉडी को छिपाना नहीं चाहती हैं।

विशाल भारद्वाज की अगली फिल्म में नजर आएंगे शाहिद कपूर और तृप्ति डिमरी

नाडियाडवाला ग्रैंडसन एंटरटेनमेंट ने शुक्रवार को घोषणा की कि उन्होंने अपनी आगामी अनाम परियोजना के लिए फिल्म निर्माता विशाल भारद्वाज और अभिनेता शाहिद कपूर और तृप्ति डिमरी के साथ हाथ मिलाया है। निर्माताओं ने सोशल मीडिया पर शाहिद, त्रिप्ति, विशाल और साजिद नाडियाडवाला की तस्वीरों का एक कोलाज साझा किया।

घोषणा में कहा गया है, मैं प्रतिभाशाली निर्देशक, मेरे प्रिय मित्र विशाल भारद्वाज और अद्भुत अभिनेता शाहिद कपूर के साथ मिलकर काम करने को लेकर रोमांचित हूं। बता दें कि त्रिप्ति ने कमेंट सेक्शन में स्माइली इमोजी पोस्ट की। फिल्म के बारे में अभी विस्तार से नहीं बताया गया है। हैंडसम हंक शाहिद को आखिरी बार साइंस फिक्शन रोमांटिक कॉमेडी तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया में देखा गया था। वह आगामी एक्शन थ्रिलर देवा में एक पुलिस अधिकारी की भूमिका में नजर आएंगे।

रोशन एंड्रयूज द्वारा निर्देशित और सिद्धार्थ रॉय कपूर द्वारा निर्मित 'देवा' रोमांच और ड्रामा से भरपूर एक्शन से भरपूर रोलर-कोस्टर राइड का वादा करती है। यह 14 फरवरी, 2025 को रिलीज होने वाली है। वहीं, पोस्टर बॉयज़, लैला मजनू, बुलबुल और काला जैसी फ़िल्मों में काम कर चुकीं त्रिप्ति को संदीप रेड्डी वांगा द्वारा निर्देशित एक्शन फ़िल्म एनिमल में ज़ोया के किरदार से काफ़ी पहचान मिली है।

इतना आसान तो नहीं था गंगा बनना, प्यार में हारी और फिर कैंसर को हराया

परदेस में गंगा यानि वह पवित्रता जिसको संजोए भारत आज भी दुनिया को एक संदेश देता है- 1997 में फिल्म परदेस में गंगा के किरदार के जरिए देने की सुभाष घई ने कोशिश की थी। फिल्म रिलीज हुई तो हिंदी सिनेमा के पर्दे पर बादशाह शाहरुख खान दिखे लेकिन उनके साथ जो पर्दे पर सह-कलाकार नजर आईं उसकी खूबसूरती ने सबको हैरान कर दिया। चेहरे पर वही गंगा जैसी पवित्रता, किरदार का भी पर्दे पर वही नाम और फिल्म के पोस्टर पर जो नाम अंकित था वह था महिमा चौधरी। सुभाष घई की फिल्मों में काम करने से पहले रितु चौधरी दार्जिलिंग, पश्चिम बंगाल की खूबसूरत वादियों को अपने चेहरे पर समेटे तो घूम रही थी लेकिन किसी ने सोचा भी नहीं था कि एम शब्द को अपनी किस्मत मान चुके सुभाष घई के लिए यही रितु चौधरी पर्दे पर महिमा चौधरी बनकर कमाल दिखाने वाली हैं। महिमा की पहली ही फिल्म ने सफलता के ऐसे झंडे गाड़े की उनको जानने वाले भी भूल गए कि महिमा का असली नाम रितु है।

हालांकि, महिमा चौधरी को इस फिल्म की सफलता ने पहली ही बार में बेस्ट फीमेल डेब्यू कैटेगरी में फिल्मफेयर अवॉर्ड दिला दिया। इसके बाद दाग-द फायर, धड़कन, कुरुक्षेत्र, बागवान, दिल क्या करे, लज्जा, दोबारा में उन्होंने अपने अभिनय से दर्शकों को बता दिया कि गंगा फिल्मी पर्दे का चमकता सितारा है। महिमा के पिता जाट थे और उत्तर प्रदेश के बागपत से संबंध रखते थे जबकि उनकी मां दार्जिलिंग से थीं। अपने छोटे फिल्मी करियर में महिमा शाहरुख से लेकर अजय देवगन तक हर बड़े बॉलीवुड कलाकार के पर्दे पर नजर आईं। अभी तो वह सफलता की सीढ़ियां चढ़ ही रही थी कि एक हादसे ने उनके करियर पर ही ब्रेक लगा दिया। फिल्म दिल है तुम्हारा की शूटिंग के दौरान एक सड़क हादसे ने महिमा का पूरा चेहरा ही बदरंग कर दिया। उनके चेहरे पर कांच के 67 टुकड़े फंस गए और इसके बाद कई सालों तक महिमा के फिल्मी करियर को ब्रेक लग गया। उन्होंने इस हादसे से उबरने के बाद पर्दे पर वापसी तो की लेकिन उनका जादू चल नहीं पाया। फिर साल 2020 तो मानो उनकी जिंदगी में भूचाल ही लेकर आ गया। एक तरफ दुनिया कोविड की गिरफ्त में कसमसा रही थी उधर दूसरी तरफ महिमा को पता चला की उनके भीतर एक ऐसा रोग पल रहा है जो उन्हें शायद ही जीने देगा। उन्हें कैंसर है इस बात का पता तभी चला था।

फिल्म मेकर कबीर खान ने अभिनेत्री शरवरी की जमकर की तारीफ

फिल्म निर्माता कबीर खान ने द फॉरगॉटन आर्मी सीरीज में उनके साथ काम कर चुकी शरवरी की प्रशंसा करते हुए कहा कि जब उन्होंने सीरीज के लिए अभिनेत्री का ऑडिशन लिया तो उन्हें एहसास हो गया था कि उनके सामने एक विशेष प्रतिभा की मालकिन थी। फिल्म निर्माता ने कहा, जब मैंने अपनी सीरीज 'द फॉरगॉटन आर्मी' के लिए शरवरी का ऑडिशन लिया तो मुझे खुशी हुई कि मैंने एक खास प्रतिभा की खोज की है जो आने वाले वर्षों में अविश्वसनीय प्रदर्शन करेगी।

वह उन सहज कलाकारों में से एक हैं जिनके साथ मैंने काम किया है। कबीर ने कहा, उनकी उपस्थिति और आकर्षण पर्दे पर ऐसी चमक पैदा करती है जो बहुत कम कलाकारों के पास होती है और जिन लोगों के पास होती है, वे सिनेमा पर गहरा प्रभाव छोड़ जाते हैं। एक मार्गदर्शक के रूप में कबीर को शरवरी की यात्रा पर बहुत गर्व है। उन्होंने कहा, उन्होंने पहले ही पूरे उद्योग को अपनी प्रतिभा के बारे में बात करने के लिए मजबूर कर दिया है। उन्हें अभी बहुत कुछ करना है और बहुत कुछ हासिल करना है, लेकिन भारतीय फिल्म उद्योग के सर्वश्रेष्ठ कलाकारों में से एक के रूप में पहचाने जाने के अपने लक्ष्य के प्रति उनका समर्पण, अनुशासन और एकनिष्ठ दृष्टिकोण वास्तव में प्रभावशाली है। वह जानती हैं कि उन्होंने अपनी प्रतिभा और कड़ी मेहनत के बल पर ही इस इंडस्ट्री में अपने लिए जगह बनाई है और इसलिए वह हर फिल्म के लिए अतिरिक्त मेहनत करती हैं।

कबीर का मानना है कि शरवरी अपने अविश्वसनीय अभिनय से बॉलीवुड में अमिट छाप छोड़ेंगी। फिल्म निर्माता ने कहा, वह जानती हैं कि केवल उसका अभिनय ही उन्हें इस बेहद प्रतिस्पर्धी उद्योग में आगे ले जाएगा।

एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना मिलान फैशन वीक 2024 के लिए हुई रवाना

अभिनेत्री रश्मिका मंदाना शुक्रवार को इटली के मिलान के लिए रवाना हो गई। वह इटली में आयोजित मिलान फैशन वीक 2024 में फिर से वैश्विक फैशन मंच पर अपनी छाप छोड़ेंगी। वह एयरपोर्ट पर खूबसूरत और आकर्षक ड्रेस में नजर आईं। उन्होंने सफ़ेद स्वेटशर्ट और काले रंग के जॉगर्स पहने हुए थे और उनका हाव-भाव उत्साह से भरा था। सूत्रों के मुताबिक, रश्मिका मिलान फैशन वीक 2024 में एशिया की कई अन्य हस्तियों के साथ दूसरी बार वैश्विक मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। मिलान फैशन वीक 2024 (2025 वसंत/ग्रीष्म संग्रह) 17 सितंबर से 23 सितंबर तक आयोजित किया जाएगा। इंस्टाग्राम स्टोरी पर रश्मिका ने फ्लाइट से एक सेल्फी पोस्ट की और लिखा, क्या आप ऐसे व्यक्ति हैं जिन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता कि यह कौन सा मौसम है... आप हमेशा स्वेटशर्ट या पुलओवर पहनते हैं? यह दूसरी बार है जब रश्मिका मिलान फैशन वीक के मंच पर नजर आएंगी।

पिछली बार उन्होंने अपने शानदार ब्लैक गाउन से सबको चौंका दिया था। एक्ट्रेस ने अपने स्टाइल से फैंस और क्रिटिक्स दोनों का दिल जीत लिया था। उल्लेखनीय है कि उन्होंने 2016 में कन्नड़ फिल्म किरिक पार्टी से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद उन्होंने कन्नड़ फिल्म अंजनी पुत्र, चमक, तेलुगु फिल्मों- गीता गोविंदम, देवदास, डियर कॉमरेड, भीष्म, पुष्पा- द राइज में काम किया है। रश्मिका ने संदीप रेड्डी वांगा द्वारा निर्देशित हिंदी एक्शन ड्रामा फिल्म एनिमल में भी अभिनय किया है। फिल्म में रणबीर कपूर, अनिल कपूर, बॉबी देओल और तृप्ति डिमरी मुख्य भूमिका में हैं।

साभार-एजेंसी

टीम इंडिया की प्रैक्टिस शुरू, विराट-रोहित ने पहले दिन तोड़ा नेट

हुलुनबुइर (चीन) (एजेंसी)। चेन्नई (तमिलनाडु) ~ टीम इंडिया ने बांग्लादेश के खिलाफ 19 सितंबर से शुरू होने वाले पहले टेस्ट को लेकर अभ्यास सत्र शुरू किया। मुख्य कोच गौतम गंभीर का लक्ष्य अपने पहले टेस्ट मैच में सीरीज जीतना है। बहरहाल, अभ्यास सत्र में रविचंद्रन अश्विन, रवींद्र जड़ेजा, अक्षर पटेल और कुलदीप यादव की स्पिन चौकड़ी, तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह, कप्तान रोहित शर्मा, विराट कोहली, केएल राहुल और विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत ने पसीना बहाया। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के आधिकारिक एक्स हैंडल ने अभ्यास सत्र से फुटेज साझा करते हुए ट्वीट किया, 'चेन्नई में तैयारी पूरी तरह से जोरों पर है! #INDvBAN टेस्ट ओपनर#TeamIndia|

रोहित टेस्ट टीम का नेतृत्व जारी रखेंगे। तेज गेंदबाज आकाश दीप और यश दयाल को पहली बार टीम में शामिल किया गया है, जबकि ऋषभ पंत दिसंबर 2022 में हुई जानलेवा दुर्घटना के बाद पहली बार टेस्ट क्रिकेट में लौटे हैं। विराट कोहली इस साल जनवरी में भारत के दक्षिण अफ्रीका दौरे के बाद पहली बार टेस्ट प्रारूप में वापसी करेंगे। वह अपने बेटे अकाय के जन्म के कारण इंग्लैंड के खिलाफ भारत की घरेलू टेस्ट श्रृंखला में नहीं खेल पाए थे। श्रीलंका दौरे पर कोहली का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। वह अपनी फॉर्म दोबारा हासिल करने के लिए उत्सुक होंगे।

टी20 विश्व कप में भारत के अजेय रहने के दौरान कोहली ने 8 मैचों में 18.87 की औसत से 151 रन बनाए थे। श्रीलंका के खिलाफ वनडे सीरीज में वह 3 मैचों में 58 रन ही बना सके। चोट के कारण इंग्लैंड सीरीज के अधिकांश मैचों से बाहर रहने के बाद केएल राहुल की भी टेस्ट टीम में वापसी हुई है। जसप्री बुमराह भी लौट आए हैं।

अश्विन, जड़ेजा, अक्षर और कुलदीप की स्पिन चौकड़ी बल्ले और गेंद दोनों से योगदान देगी। बुमराह, मोहम्मद सिराज और यश दयाल भारत का तेज आक्रमण हैं। दलीप ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन के बाद आकाश दीप को टीम में जगह मिली, जबकि यश दयाल को भी पहली बार टीम में शामिल किया गया है।

बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए भारत की टीम

रोहित शर्मा (कप्तान), यशस्वी जयसवाल, शुबमन गिल, विराट कोहली, केएल राहुल, सरफराज खान, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), आर अश्विन, रविंद्र जडेजा, अक्षर पटेल , कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, आकाश दीप, जसप्रीत बुमराह, यश दयाल।

ट्रैविस हेड ने तोड़ा फिंच का कैलेंडर ईयर वाला रिकॉर्ड, बन गए नंबर वन

कार्डिफ (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई सलामी बल्लेबाज ट्रैविस हेड (ञ्जह्ड्ड1द्बह्य ॥द्गड्डस्र) ने खेल के सबसे छोटे प्रारूप में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा है और टी20ई में अपने देश के लिए एक कैलेंडर वर्ष में सर्वाधिक छक्के लगाने के मामले में पूर्व कप्तान आरोन फिंच को पीछे छोड़ दिया है। कार्डिफ में चिर-प्रतिद्वंद्वी इंग्लैंड के खिलाफ हुए दूसरे टी20 में हेड ने यह रिकॉर्ड बनाया। हेड ने पहली पारी में अर्धशतक बनाया था। फिर दूसरे टी20 में हेड ने केवल 14 गेंदों में चार चौकों और दो छक्कों की मदद से 31 रन की शानदार पारी खेली।

इस साल हेड ने टी20ई में 33 छक्के लगाए हैं, जो एक कैलेंडर वर्ष के दौरान किसी ऑस्ट्रेलियाई द्वारा सबसे अधिक है। 2018 में ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान एरोन फिंच ने 31 छक्के लगाए थे। इस साल हेड ने 15 टी20 में 38.50 की औसत और 178.47 की स्ट्राइक रेट से 539 रन बनाए हैं, जिसमें 4 अर्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 80 है।

ट्रैविस हेड ने मुकाबले के बाद कहा कि आप अपने विवेक से आगे बढ़ें। आप कोशिश करें और अपना सर्वश्रेष्ठ करें। मैक के लिए भी यह अच्छा है। हमारे पास काफी सकारात्मक चीजें थीं लेकिन हम जीत नहीं सके। हमारे पास बहुत सारे ऑलराउंडर हैं। दुर्भाग्य से जीत नहीं मिली लेकिन हम तीसरे टी20 में वापसी की कोशिश करेंगे।

मैच की बात करें तो इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। सलामी बल्लेबाज मैथ्यू शॉर्ट (24 गेंदों में 28), हेड (14 गेंदों में 31) ने 52 रन की शुरुआती साझेदारी की। जेक फ्रेजर मैकगर्क (31 गेंदों में 50) और जोश इंगलिस (26 गेंदों में 42) ने स्कोर 193/6 तक पहुंचाया। 194 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए कप्तान फिल साल्ट (23 गेंदों में 2 चौकों और 3 छक्कों की मदद से 39 रन) ने सही इरादे से बल्लेबाजी की। मध्यक्रम में लिविंगस्टोन (47 गेंदों में 6 चौकों और 5 छक्कों की मदद से 87 रन) और जैकब बेथेल (24 गेंदों में चार चौकों और तीन छक्कों की मदद से 44 रन) के बीच 90 रन की साझेदारी ने इंग्लैंड को एक ओवर शेष रहते 3 विकेट से जीत दिलाने में मदद की। लिविंगस्टोन %प्लेयर ऑफ द मैच% रहे।

दोनों टीमों की प्लेइंग 11

ऑस्ट्रेलिया : मैथ्यू शॉर्ट, ट्रैविस हेड (कप्तान), जेक फ्रेजर-मैकगर्क, जोश इंगलिस (विकेटकीपर), मार्कस स्टोइनिस, टिम डेविड, कैमरून ग्रीन, आरोन हार्डी, कूपर कोनोली, सीन एबॉट, एडम जम्पा

इंग्लैंड: फिलिप साल्ट (विकेटकीपर/कप्तान), विल जैक्स, जॉर्डन कॉक्स, लियाम लिविंगस्टोन, जैकब बेथेल, सैम कुरेन, जेमी ओवरटन, ब्रायडन कार्स, आदिल राशिद, साकिब महमूद, रीस टॉपले

फिर से चोटिल होने का जोखिम नहीं उठाना चाहता: शमी ने भारतीय टीम में वापसी पर दिया अपडेट

कोलकाता (एजेंसी)। भारत के स्टार तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने अपनी फिटनेस अपडेट देते हुए कहा कि वह जल्द वापसी करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं, लेकिन वह जल्दबाजी करके फिर से चोटिल होने का जोखिम नहीं उठाना चाहते। शमी टखने की चोट से उबरने में महत्वपूर्ण प्रगति कर रहे हैं जिसने उन्हें पिछले साल वनडे विश्व कप के बाद से क्रिकेट से दूर रखा है। शमी वर्तमान में बेंगलुरु में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में अपने पुनर्वास के अंतिम चरण में हैं। भारत के तेज गेंदबाज ने सर्जरी के बाद पहली बार जुलाई में गेंदबाजी शुरू की और धीरे-धीरे अपना गेंदबाजी कार्यभार बढ़ा रहे हैं, उन्होंने बताया कि उन्हें कोई दर्द नहीं है। बंगाल क्रिकेट संघ (सीएबी) के वार्षिक पुरस्कार समारोह में बोलते हुए शमी ने कहा कि वह वापसी करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। 34 वर्षीय शमी ने कहा कि उन्हें अपनी फिटनेस पर काम करने की जरूरत है ताकि कोई असुविधा न हो। शमी ने आईसीसी के हवाले से कहा, 'मैं जल्द वापसी करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहा हूं, क्योंकि मुझे पता है कि मैं काफी समय से मैदान से बाहर हूं। मैं यह सुनिश्चित करना चाहता हूं कि जब मैं वापस आऊं तो मुझे कोई असुविधा न हो। मुझे अपनी फिटनेस पर काम करना है, ताकि कोई असुविधा न हो।' शमी ने भारत के विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के दूसरे चरण के मैचों से पहले अपनी वापसी की योजना का खुलासा किया और कहा कि जब तक वह 100 प्रतिशत फिट नहीं हो जाते, तब तक वह कोई जोखिम नहीं लेंगे। उन्होंने कहा, 'मैं जितना मजबूत होकर वापसी करूंगा, मेरे लिए उतना ही बेहतर होगा। मैं जल्दबाजी नहीं करना चाहता और फिर से चोटिल होने का जोखिम नहीं उठाना चाहता, चाहे वह बांग्लादेश, न्यूजीलैंड या ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज हो। मैंने पहले ही गेंदबाजी शुरू कर दी है, लेकिन जब तक मैं 100 प्रतिशत फिट नहीं हो जाता, मैं कोई जोखिम नहीं लूंगा।'

अगर भारत टेस्ट सीरीज हारा तो गवां देगा डब्ल्यूटीसी पॉइंट्स टेबल का टॉप स्थान

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारत और बांग्लादेश टेस्ट सीरीज 19 सितंबर से होने वाली है। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल को देखते हुए भारत के लिए यह सीरीज काफी अहम रहने वाली है। अगर भारत इस सीरीज में बांग्लादेश को हराता है तो वह एक कदम और डब्ल्यूटीसी फाइनल की ओर बढ़ा लेगा। वहीं इस सीरीज में एक भारत को तगड़ा झटका दे सकती है। जी हां, बांग्लादेश के खिलाफ एक मैच हारते ही भारत के सिर से डब्ल्यूटीसी पॉइंट्स टेबल में नंबर-1 का ताज छिन जाएगा।

डब्ल्यूटीसी पॉइंट्स टेबल में फिलहाल भारत 68.52 फीसदी अंकों के साथ पहले पायदान पर बना हुआ है। वहीं ऑस्ट्रेलिया 62.50 फीसदी अंकों के साथ दूसरे नंबर पर है। अगर बांग्लादेश को भारतीय सरजमीं पर एक भी मैच में जीत मिलती है इससे ऑस्ट्रेलिया को पूरा फायदा मिल जाएगा। पाकिस्तान दौरे पर बांग्लादेश के प्रदर्शन को देखते हुए भारत उसे हलके में नहीं लेगा। अगर रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम इंडिया को बांग्लादेश के खिलाफ 2 मैच की टेस्ट सीरीज में 0-1 से हार का सामना करना

पड़ता है तो उनके खाते में 59 फीसदी ही अंक रह जाएंगे। वहीं बांग्लादेश टीम भारत को 0-2 से सीरीज हराती है तो टीम इंडिया के खाते में 56 फीसदी ही अंक रह जाएंगे। हालांकि ऐसा होना मुश्किल है क्योंकि भारत 2012 के बाद से घर पर कोई टेस्ट सीरीज नहीं हारा है। इसके अलावा अगर सीरीज के दोनों मुकाबले ड्रॉ रहते हैं तो भी भारत को नुकसान उठाना पड़ेगा, इस स्थिति में टीम इंडिया के खाते में 62.12 फीसदी अंक ही रह जाएंगे। अगर इंडिया वर्सेस बांग्लादेश टेस्ट सीरीज 1-1 से ड्रॉ भी रहती है तो भारत के खाते में 65.15 फीसदी अंक होंगे और टीम इंडिया नंबर-1 पर बनी रहेगी। वहीं भारत 1-0 से सीरीज जीतती है तो उनके खाते में 68.18 फीसदी अंक और 2-0 से जीतती है तो 74.24 फीसदी अंक होंगे।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट अंपायर नामित होने वाली पहली पाकिस्तानी महिला बनीं सलीमा इम्तियाज

इस्लामाबाद। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने रविवार को बताया कि सलीमा इम्तियाज अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के डेवलपमेंट अंपायरों के अंतरराष्ट्रीय पैनल में नामित होने वाली पहली पाकिस्तानी महिला बन गई हैं। पैनल में सलीमा के नामांकन का मतलब है कि अब वह महिलाओं के द्विपक्षीय अंतरराष्ट्रीय मैचों और आईसीसी की महिला प्रतियोगिताओं में अंपायरिंग करने की पात्र हैं। सलीमा ने एक बयान में कहा, 'यह सिर्फ मेरी जीत नहीं है, यह पाकिस्तान की हर महत्वाकांक्षी महिला क्रिकेटर और अंपायर की जीत है।' उन्होंने कहा, 'मुझे उम्मीद है कि मेरी सफलता उन अनगिनत महिलाओं को प्रेरित करेगी जो खेल में अपनी पहचान बनाने का सपना देखती हैं। यह क्षण क्रिकेट में महिलाओं के बढ़ते प्रभाव और उस विकास को बढ़ावा देने के लिए पीसीबी की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।' सलीमा की बेटी कैनात ने पाकिस्तान के लिए 40 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले जिसमें 19 एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय और 21 टी20 शामिल हैं।

गंभीर ऐसा व्यक्ति नहीं है जो आराम से बैठकर चीजों को चलने दें : अजय जडेजा

नई दिल्ली। पूर्व क्रिकेटर अजय जडेजा का मानना है कि मुख्य कोच गौतम गंभीर के मार्गदर्शन में भारतीय टीम बांग्लादेश के खिलाफ आक्रामक रुख अपनायेगी। जडेजा के अनुसार कोच गंभीर का अपना अलग ही तरीका है और उन्हें किसी सुझाव की जरुरत नहीं है। इस पूर्व क्रिकेटर का मानना है कि भारतीय टीम अभी विश्व में शीर्ष स्तर पर है। इसलिए ये सोचना कि बांग्लादेश ने पाक को हराया है, इसलिए हमको भी कड़ी टक्कर देगी कहना सही नहीं होगा। जडेजा के अनुसार 19 सितंबर से शुरु हो रही इस सीरीज का वह बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। उनका मानना है कि भारतीय टीम बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज में भी आक्रामक रुख अपनाकर हावी रहेगी। भारतीय टीम को बांग्लादेश के खिलाफ दो टेस्ट मैचों और तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की सीरीज खेलनी है। जडेजा ने कहा, 'गंभीर का रुख आक्रामक है। इसलिए एक बात निश्चित है कि उनकी मौजूदगी में कोई नीरस पल नहीं आएगा, वह हमेशा कुछ न कुछ करने का प्रयास करेंगे।' उन्होंने कहा, 'गंभीर ऐसा व्यक्ति नहीं है जो आराम से बैठकर चीजों को चलने दे। वह कुछ ऐसा करने की कोशिश करेंगे जो सबको हैरान करेगा। जिस प्रकार हमने सूर्यकुमार यादव को अचानक कप्तान बनते देखा था। उसी प्रकार मैं उस रोमांचक क्षण का इंतजार कर रहा हूं जो हम देखने जा रहे हैं।' जडेजा से जब यह पूछा गया कि वह इस टेस्ट सीरीज के लिए गंभीर को क्या सलाह देना चाहेंगे तो उन्होंने कहा, 'मुझे उम्मीद है कि वह सुझाव नहीं मांगेंगे. वह वहां इसलिए है क्योंकि उन्होंने अपने को साबित किया है और उनका एक अलग अंदाज है।'

कोरिया के खिलाफ फॉर्म में चल रही भारतीय टीम एसीटी हॉकी सेमीफाइनल में प्रबल दावेदार

हुलुनबुइर (चीन) (एजेंसी)। ।शानदार फॉर्म में चल रही पेरिस ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता भारतीय टीम यहां होने वाले एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी (एसीटी) हॉकी टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में कोरिया के खिलाफ प्रबल दावेदार होगी। भारत ने अभी तक टूर्नामेंट में एक भी मैच नहीं गंवाया है, उसने पांचों लीग मैच जीते हैं। हरमनप्रीत सिंह की अगुवाई वाली टीम ने अपने अभियान की शुरुआत मेजबान चीन पर 3-0 की जीत के साथ की। इसके बाद उसने जापान को 5-1 और मलेशिया को 8-1 से मात दी। भारतीय टीम ने कोरिया को 3-1 से हराने के बाद चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान पर 2-1 से जीत हासिल की। भारतीय टीम का प्रदर्शन शानदार रहा है। खिलाड़ियों ने प्रत्येक विभाग में बेहतर खेल दिखाया है, फिर चाहे अग्रिम पंक्ति हो या मिडफील्ड हो या फिर रक्षण। लीग चरण में भारत के लिए स्ट्राइकरों का प्रदर्शन अद्भुत रहा है। पेरिस में मैदानी गोल करना भारत के लिए चिंता का विषय था लेकिन यहां सुखजीत

सिंह, अभिषेक, उत्तम सिंह, गुरजोत सिंह, अरिजीत सिंह हुंडाल और अन्य की युवा स्ट्राइकरों ने उम्मीदों से बेहतर प्रदर्शन किया है। युवा मिडफील्डर राज कुमार पाल ने भी कुछ अच्छे मैदानी गोल दागे। इसके अलावा अनुभवी मनप्रीत सिंह, उप कप्तान विवेक सागर प्रसाद और नीलकांत शर्मा ने मिडफील्ड में बेहतरीन प्रदर्शन किया है।

भारतीय डिफेंस भी दमदार रहा है जिसने केवल चार गोल गंवाये हैं। वहीं गोलकीपर कृष्ण बहादुर पाठक और सूरज करकेरा ने टीम को करिश्माई पीआर श्रीजेश के संन्यास से पैदा हुए खालीपन को महसूस नहीं होने दिया। दुनिया के सर्वश्रेष्ठ ड्रैगफ्लिकर में से एक हरमनप्रीत ने पेरिस की अपनी अच्छी फॉर्म जारी रखते हुए पांच पेनल्टी कॉर्नर को गोल में तब्दील किया।

हरमनप्रीत को युवा जुगराज सिंह से अच्छा सहयोग मिल रहा है जो इस समय दुनिया के सबसे तेज ड्रैगफ्लिकर हैं। लेकिन नॉकआउट मुकाबला किसी भी टीम के लिए नयी शुरूआत होता है तो भारतीय टीम कोरिया को हल्के में लेने की गलती नहीं कर सकी क्योंकि प्रतिद्वंद्वी टीम का दिन अच्छा रहे तो वह हैरान कर सकती है और उसने मलेशिया के खिलाफ अंतिम समय में बराबरी हासिल कर 3-3 से ड्रॉ खेलकर अपनी सेमीफाइनल की उम्मीदों को जीवंत रखा। भारतीय डिफेंस को भी बहुत अधिक पेनल्टी कॉर्नर नहीं गंवाने के बारे में सतर्क रहना होगा क्योंकि सात गोल कर चुके टूर्नामेंट के शीर्ष स्कोरर जिहुन यांग के रूप में कोरिया के पास एक मजबूत ड्रैगफ्लिकर है। दिन के दूसरे सेमीफाइनल में पाकिस्तान का सामना मेजबान चीन से होगा। फाइनल मंगलवार को होना है।

शुभमन को बांग्लादेश के खिलाफ टी20 सीरीज के दौरान आराम दिये जाने की संभावना

मुम्बई । बल्लेबाज शुभमन गिल को बांग्लादेश के खिलाफ सात अक्टूबर से शुरू होने वाली तीन मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के लिए आराम दिया जाएगा। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की कार्यभार प्रबंधन नीति के तहत ही शुभमन को ये आराम दिया जा रहा है। शुभमन भारतीय टीम के शीर्ष क्रम के बल्लेबाज हैं और उनके इस सत्र में सभी 10 टेस्ट खेलने की उम्मीद है। इसी के तहत ही उन्हें तरोताजा और फिट बने रहने के लिए बोर्ड ने आराम देने का फैसला किया। बीसीसीआई की कार्यभार प्रबंधन नीति के तहत ही खिलाड़ियों को तय समय में ब्रेक दिया जाता है। भारतीय टीम को इस सत्र में अभी न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड जैसी टीमों से खेलना है। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा, 'हां, शुभमन को बांग्लादेश के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के लिए आराम दिया जाएगा। अगर आप मैचों की सूची देखें तो तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय सात अक्टूबर ग्वालियर, 10 अक्तूबर दिल्ली और 13 अक्तूबर हैदराबाद में खेले जाएंगे। अब न्यूजीलैंड के खिलाफ पहला टेस्ट 16 अक्टूबर से शुरू होगा। उन्होंने कहा, 'इसलिए सिर्फ तीन दिन के अंतर के कारण शुभमन को आराम देना जरुरी है। शुभमन ने अब तक 21 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं और उनके नाम एक शतक और तीन अर्द्धशतक हैं। उन्होंने लगभग 140 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं। उन्हें हाल ही में हरारे में जिम्बाब्वे के खिलाफ पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के लिए कप्तान नियुक्त किया गया था जिसे भारत ने 4-1 से जीता था। मौजूदा सत्र में टी20 अंतरराष्ट्रीय भारतीय टीम के लिए सबसे कम महत्वपूर्ण हैं जबकि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट श्रृंखला से मिलने वाले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप अंक उसके लिए सबसे अहम हैं। साथ ही टीम के लिए एकदिवसीय प्रारूप भी महत्वपूर्ण है क्योंकि फरवरी-मार्च में चैंपियन्स ट्रॉफी इसी प्रारूप में खेली जाएगी। शुभमन के अलावा कुछ अन्य खिलाड़ियों को भी आराम दिया जा सकता है। भारतीय टीम अपने आगामी अंतरराष्ट्रीय सत्र की शुरुआत 19 सितंबर से चेन्नई में बांग्लादेश के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज के साथ करेगी।

बांग्लादेश की टीम चेन्नई पहुंची, भारत के खिलाफ अच्छे प्रदर्शन का भरोसा

चेन्नई ~ पाकिस्तान में टेस्ट श्रृंखला में 2-0 की सफलता के बाद आत्मविश्वास से भरी बांग्लादेश की टीम दो टेस्ट मैचों और तीन टी20 मैचों के लिए रविवार को भारत पहुंची, जहां कप्तान नजमुल हसन शंटो ने आने वाले सप्ताह में टीम से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद जताई। बांग्लादेश की टीम 19 सितंबर से शुरू होने वाले शुरुआती टेस्ट के लिए रविवार दोपहर को चेन्नई पहुंची। ढाका से चेन्नई के लिए उड़ान भरने से पहले शंटो ने हवाई अड्डे पर कहा, 'यह निश्चित रूप से हमारे लिए एक बहुत ही चुनौतीपूर्ण श्रृंखला होगी।' उन्होंने कहा, 'एक अच्छी श्रृंखला (बनाम पाकिस्तान) के बाद निश्चित रूप से टीम और देश के लोगों का आत्मविश्वास बढ़ा है। प्रत्येक श्रृंखला एक अवसर है। हम दोनों मैच जीतने के लिए खेलेंगे।'

नीरज चोपड़ा एक सेंटीमीटर से खिताब से चूके, डायमंड लीग फाइनल में दूसरे स्थान पर रहे

ब्रसेल्स (एजेंसी)। भारत के स्टार भालाफेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा डायमंड लीग खिताब से एक सेंटीमीटर से चूक गए और शनिवार को सत्र के फाइनल में 87.86 मीटर के थ्रो के साथ लगातार दूसरी बार दूसरे स्थान पर रहे। दो बार के ओलंपिक पदक विजेता 26 वर्ष के चोपड़ा ने 2022 में ट्रॉफी जीती थी और पिछले साल दूसरे स्थान पर रहे थे।

उन्होंने तीसरे प्रयास में सर्वश्रेष्ठ थ्रो फेंका लेकिन विजेता एंडरसन पीटर्स के 87.87 मीटर से एक सेंटीमीटर पीछे रह गए। दो बार के विश्व चैम्पियन ग्रेनाडा के पीटर्स ने पहले ही प्रयास में सर्वश्रेष्ठ थ्रो फेंका। जर्मनी के जूलियन वेबर 85.97 मीटर के थ्रो के साथ तीसरे स्थान पर रहे। चोपड़ा का निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 89.94 मीटर है जबकि सत्र का उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 89.49 मीटर है। उन्होंने अपने छह प्रयास में भाले को 86.82 मीटर, 83.49 मीटर, 87.86 मीटर, 82.04 मीटर, 83.30 मीटर और 86.46 मीटर की दूरी तक फेंका। शीर्ष तीन में रहे खिलाड़ी सात खिलाड़ियों के फाइनल के दौरान पूरे समय इसी क्रम मे रहे। डायमंड लीग चैंपियन बनने पर पीटर्स को डायमंड लीग ट्रॉफी और 30 हजार डॉलर मिले।

फाइनल में दूसरे स्थान पर रहने के लिए चोपड़ा को 12 हजार डॉलर मिले। इसके साथ ही 14 चरण के बाद प्रतिष्ठित डइमंड लीग और अंतरराष्ट्रीय एथलेटिक्स सत्र का भी अंत हो गया। हरियाणा के चोपड़ा के प्रदर्शन में पूरे सत्र में निरंतरता दिखी। वह हालांकि इस दौरान सिर्फ एक अंतरराष्ट्रीय खिताब जीत सके जो उन्होंने 18 जून को फिनलैंड के तुर्कु में पावो नुर्मी खेलों के रूप में जीता। दोहा और लुसाने में क्रमश~ 10 मई और 22 अगस्त को एकदिवसीय डायमंड लीग प्रतियोगिता में दूसरे स्थान के साथ चोपड़ा ने ओवरॉल तालिका में 14 अंक के साथ चौथे स्थान पर रहते हुए डाइमंड लीग फाइनल में जगह बनाई थी।

चोपड़ा इस सत्र में अपनी फिटनेस से जूझते रहे और संभावना है कि वह ग्रोइन की चोट के इलाज के लिए डॉक्टर से मिलेंगे। इस चोट ने पूरे सत्र में उन्हें प्रभावित किया है और 90 मीटर का थ्रो करने के उनके प्रयास में बाधा बनी है। शुक्रवार को राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक 3000 मीटर स्टीपलचेज खिलाड़ी अविनाश साबले ने डायमंड लीग फाइनल में पहली बार खेलते हुए आठ मिनट 17.09 सेकेंड के औसत समय के साथ 10 खिलाड़ियों के बीच नौवां स्थान हासिल किया था। वह ओलंपिक खेलों में 11वें स्थान पर रहे थे। पहली बार डायमंड लीग फाइनल में दो भारतीयों ने हिस्सा लिया।

संक्षिप्त समाचार

ट्रंप की करीबी लॉरा लूमर ने कमला हैरिस के खिलाफ की नस्लवादी टिप्पणी

वॉशिंगटन, एजेंसी। डोनाल्ड ट्रंप की करीबी और साजिश सिद्धांतकार लॉरा लूमर ने कमला हैरिस के खिलाफ नस्लवादी टिप्पणी की है। ट्रंप ने लॉरा लूमर का समर्थन किया, लेकिन बाद में उन्होंने लॉरा लूमर के बयान से पल्ला झाड़ लिया। रिपब्लिकन पार्टी के कई नेताओं ने भी लॉरा लूमर के बयान की आलोचना की है। लॉरा लूमर 9/11 हमले को लेकर भी साजिश के दावे कर चुकी हैं और इस वजह से वह काफी चर्चा में भी रहीं। इन दिनों लॉरा लूमर को कई बार ट्रंप के साथ देखा गया है। यही वजह है कि लॉरा लूमर से करीबी संबंधों को लेकर ट्रंप से सवाल किया गया तो ट्रंप ने कहा कि लॉरा मेरी समर्थक रही है, जैसे बहुत से मेरे समर्थक हैं, वैसे ही वह मेरी समर्थक रही हैं। मैं लॉरा को नियंत्रित नहीं करता। वह कुछ भी बोलने के लिए स्वतंत्र हैं। मैं उन्हें नहीं बता सकता कि क्या करना चाहिए। दरअसल लॉरा लूमर ने हाल ही में सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा की, जिसमें उन्होंने कहा कि अगर कमला हैरिस आगामी राष्ट्रपति चुनाव में जीतती हैं तो उसके बाद व्हाइट हाउस से करी की गंध आती रहेगी और व्हाइट हाउस के भाषणों को कॉल सेंटर के जरिए संचालित किया जाएगा। माना जा रहा है कि इस पोस्ट के जरिए लॉरा लूमर ने कमला हैरिस के भारतवंशी होने पर तंज कसा है। हालांकि लॉरा लूमर के टिप्पणी की आलोचना होने के बाद ट्रंप ने खुद को लॉरा के बयान से अलग कर लिया। सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में ट्रंप ने लिखा कि लॉरा लूमर उनके प्रचार अभियान के लिए काम नहीं करती हैं। वह अपने बयानों को लेकर स्वतंत्र हैं और उनके बयान निजी टिप्पणियां हैं। रिपब्लिकन पार्टी के कई नेताओं ने लॉरा लूमर के बयान की आलोचना की है। पार्टी की वरिष्ठ नेता लिंडसे ग्राहम ने कहा कि लूमर के बयान का इतिहास परेशान करने वाला है। एक अन्य नेता ने भी लूमर के बयानों की गंभीरता पर सवाल उठाए। हाल ही में कमला हैरिस के साथ बहस में डोनाल्ड ट्रंप ने ओहायो में हैती प्रवासियों द्वारा लोगों के पालतू जानवरों को खाने का दावा किया था। माना जा रहा है कि इस साजिश सिद्धांत के पीछे भी लॉरा लूमर का दिमाग हो सकता है।

पाकिस्तान में आंधी-तूफान कारण परिवार के 3 बच्चों समेत 5 लोगों की मौत

पेशावर, एजेंसी। पाकिस्तान के उत्तर पश्चिमी क्षेत्र में आंधी-तूफान के कारण शुक्रवार देर रात एक मकान की छत ढहने से तीन बच्चों समेत एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि चारसद्दा जिले के तुरंगजई गांव में भीषण तूफान आने से यह हादसा हुआ। इस दुर्घटना में एक दंपति और उनके तीन बच्चों की मौत हो गई। उसने बताया कि स्थानीय लोगों और बचावकर्मियों ने शवों को मलबे से निकाला और उन्हें पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल ले जाया गया। खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री के.पी.के अली अमीन ने घटना पर दुख जताया और पीड़ित परिवार को नकद मुआवजा देने की घोषणा की।

यहां कब्रों से मुर्दों को निकालकर पहनाए जाते हैं नए कपड़े, पिलाते हैं सिगरेट

जर्काता, एजेंसी। दुनिया के एक इस्लामिक देश में चौंकाने वाली परंपरा सामने आई है। इंडोनेशिया के साउथ सुलावेसी में स्थित पहाड़ी इलाके में रहने वाली टोराजा जनजाति अपने मृतकों के साथ एक अनोखी परंपरा निभाती है, जिसने पूरी दुनिया का ध्यान खींचा है। इस जनजाति के लोग मृतकों के शवों को ममी के रूप में संरक्षित रखते हैं और उनकी देखभाल ऐसे करते हैं मानो वे अभी भी जीवित हों। हर साल अगस्त महीने में फसल की बुआई से पहले टोराजा जनजाति में मानेने नामक एक अनोखी रस्म निभाई जाती है। इस रस्म के तहत परिवार अपने पूर्वजों के शवों को कब्र से बाहर निकालते हैं, उनकी सफाई करते हैं, उन्हें नए कपड़े पहनाते हैं और फिर उनसे जीवित इंसानों की तरह बातचीत करते हैं। उत्सव के माहौल में मृतकों को खाना खिलाया जाता है, सिगरेट पिलाई जाती है, और फिर उन्हें पुनः सम्मानपूर्वक दफना दिया जाता है। टोराजा जनजाति की इस परंपरा का मूल विचार यह है कि उनके पूर्वजों की आत्मा सदैव उनके साथ रहती है।

मुइज्जू ने बीजिंग के साथ किया कर्ज में डुबोने वाला नया समझौता

चीन के जाल में फिर फंसा मालदीव

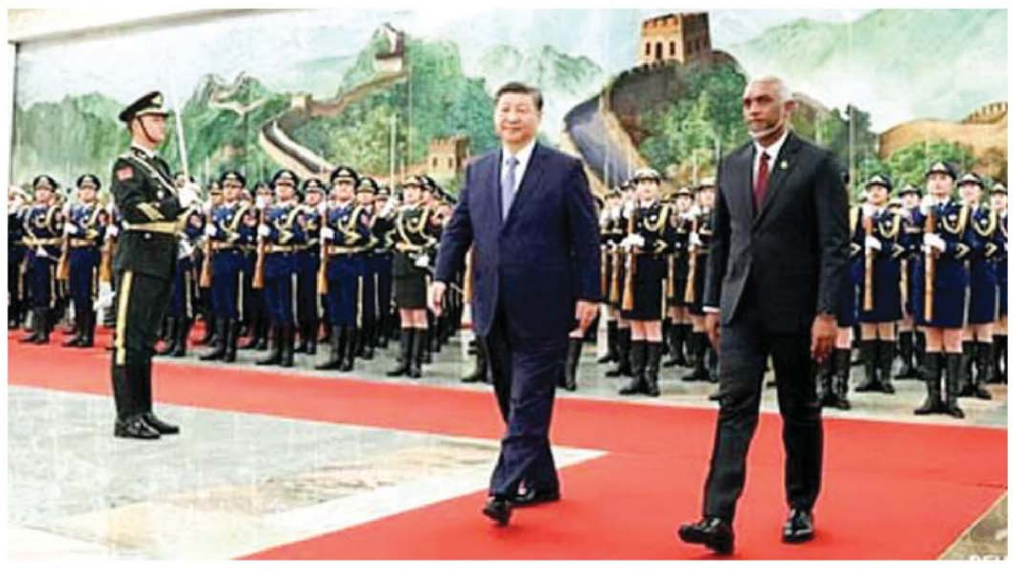

माले, एजेंसी। चीन के कर्जजाल में पहले से ही उलझे मालदीव ने बीजिंग के साथ एक नए समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इसमें मालदीव को और अधिक वित्तीय सहायता देने पर सहमति बनी है। चीन के केंद्रीय बैंक के अनुसार, यह समझौता व्यापार और निवेश को मजबूत करने में मदद करेगा। चीन ने समझौते के बारे में और कुछ नहीं बताया है।

पीपुल्स बैंक ऑफ चाइना और मालदीव के आर्थिक विकास मंत्रालय के बीच हुआ समझौता बीजिंग तथा माले को प्रत्यक्ष निवेश को बढ़ावा देने और चालू खाता लेनदेन के स्थानीय मुद्रा निपटान की अनुमति देता है। नए समझौते के बाद चीन के विदेश मंत्रालय ने कहा कि वह मालदीव के बढ़ते कर्ज के बारे में उससे सक्रिय रूप से बातचीत कर रहा है और वित्तीय सहयोग बढ़ा रहा है। चीनी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने कहा, चीन हमेशा की तरह अपनी क्षमता के अनुसार मालदीव के आर्थिक और सामाजिक विकास में सहायता और सहयोग करेगा।

लगातार संकट में मालदीव की अर्थव्यवस्था: मालदीव इस समय भारी कर्ज के बोझ तले दबा हुआ है। इसका बड़ा हिस्सा चीन से लिया गया है। चीन परस्त मोहम्मद मुइज्जू के आने के बाद मालदीव की अर्थव्यवस्था लगातार संकट में हैं। हाल के महीनों में यह चिंता बढ़ गई है कि नकदी की कमी से जूझ रहा मालदीव इस्लामिक संप्रभु कर्ज पर डिफाल्ट होने वाला पहला देश बन सकता है। हालांकि, मालदीव सरकार ने गुरुवार को प्रतिबद्धता जताई की वह अगले महीने 25 मिलियन डॉलर का भुगतान करने में विफल नहीं होगा।

1.3 अरब डॉलर का कर्ज: विश्व बैंक के अनुसार, मालदीव का सबसे बड़ा कर्जदाता चीन है। मालदीव के ऊपर बीजिंग का कर्ज बढ़कर 1.3 अरब डॉलर से अधिक हो गया है। चीन और सहायता देने के लिए मालदीव के साथ बातचीत कर रहा है। इस बीच चीन से मिलने वाला कोई भी कर्ज मालदीव पर बीजिंग के कर्ज जाल को और मजबूत करेगा।

मालदीव को चीन के करीब ले जा रहे : मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू की पार्टी ने इस साल अप्रैल में हुए संसदीय चुनावों में भारी जीत हासिल की थी। पद पर बैठने के बाद से ही मुइज्जू ने मालदीव में चीन परस्त नीतियों को लागू करना शुरू किया और अपने पारंपरिक साझेदार भारत से दूरी बनानी शुरू कर दी थी।

इस गहरी होती दोस्ती का भारत पर क्या असर: मालदीव में मुइज्जू की सरकार आने के बाद से भारत और मालदीव के रिश्तों में खटास आने की शुरुआत हो चुकी थी। मुइज्जू सरकार को भारत विरोधी रुख के लिए जाना जाता है। चीन और मालदीव की बीच बढ़ती इस दोस्ती भारत के लिए चिंता का विषय है क्योंकी श्रीलंका पहले ही चीन के जाल में फंस कर आर्थिक रूप से बर्बाद हो चुका है। भारत नहीं चाहेगा कि एक और देश चीन के लोन पर आर्थिक रूप से निर्भर हो।

हम किसी के एजेंट नहीं, बांग्लादेश छोड़कर कहीं नहीं जाएंगे; हिंदुओं का मुहम्मद यूनुस को साफ संदेश

चटगांव, एजेंसी। पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के 5 अगस्त को बांग्लादेश छोड़ने के बाद वहां हिंदुओं की स्थिति बदतर होती जा रही है। उनपर लगातार हमले हो रहे हैं। अपनी सुरक्षा की मांग को लेकर शुक्रवार को हजारों की संख्या में हिंदू ढाका और चटगांव की सड़कों पर आंदोलन किया। सरकार से इन हमलों को रोकने के लिए कदम उठाने की मांग की है। बारिश के बावजूद उन्होंने आठ सूत्री मांगों वाले पोस्टर लेकर विरोध-प्रदर्शन किया। उन्होंने हमलावरों को फास्ट-ट्रैक ट्रिब्यूनल के ज़रिए सजा देने की मांग भी की।

मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस द्वारा टेलीविजन पर दिए गए भाषण में राष्ट्र को संबोधित करते हुए यह यह कहा गया था कि किसी को भी धार्मिक सद्भाव को ठेस पहुंचाने वाला कुछ भी काम नहीं करना चाहिए। इसके दो दिन बाद हिंदुओं ने वहां आंदोलन किया। चटगांव में हिंदुओं ने अल्पसंख्यक मामलों से निपटने के लिए एक अलग मंत्रालय और अल्पसंख्यकों के लिए आरक्षित सीटें सहित कई मांगे सरकार से की है।

हिंदू प्रदर्शनकारियों ने कहा कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं हो जाती हैं तब तक वे अपने घर नहीं लौटेंगे। उन्होंने प्रभावित लोगों के लिए मुआवज़ा और पुनर्वास की भी मांग की है। टारगेट किलिंग, लूटपाट और संपत्तियों के विनाश का ज़िक्र करते हुए उन्होंने एक अलग अल्पसंख्यक संरक्षण अधिनियम की भी मांग वहां की वर्तमान सरकार से की है। उन्होंने जोर देकर कहा कि वे किसी के एजेंट के रूप में काम नहीं कर रहे हैं।

चटगांव में महिलाओं सहित प्रदर्शनकारी जमाल खान क्षेत्र में एकत्र हुए और दोपहर 3 बजे से प्रदर्शन किया। खुद को बंगाली (बांग्लादेश के मूल निवासी) बताते हुए उन्होंने घोषणा की कि वे इस भूमि को नहीं छोड़ेंगे। कुछ प्रदर्शनकारियों ने मीडिया की भूमिका पर नाराजगी व्यक्त की क्योंकि उनकी आवाज मुख्यधारा के मीडिया आउटलेट के माध्यम से नहीं सुनी जाती है। एक ने अधिकारियों से अल्पसंख्यकों पर हमलों के बारे में दैनिक प्रोथोम अलो की रिपोर्टों पर ध्यान देने का आग्रह किया। ढाका में भी प्रदर्शनकारियों ने शाम 4.30 बजे के आसपास इसी तरह की मांगों के साथ ऐतिहासिक शाहबाग चौराहे को घेर लिया। सुरक्षा बलों की निगरानी में सनातनी अधिकार आंदोलन के बैनर तले कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें कई हिंदू संगठन शामिल हैं।

पूर्व पीएम इमरान खान ने किया आंदोलन का आह्वान, कहा- देश की आजादी की रक्षा के लिए लड़ाई जरूरी

इस्लामाबाद, एजेंसी। जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने अपनी पार्टी पीटीआई के सदस्यों से राष्ट्रव्यापी आंदोलन का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता सड़क पर उतरने के लिए तैयार रहें। देश की आजादी की रक्षा के लिए लड़ाई जरूरी है।

अदियाला जेल में मीडिया से बात करते हुए पूर्व पीएम इमरान खान ने कहा कि हमारा आंदोलन लोकतंत्र के लिए जिहाद है। मैं पूरे देश से हमारी आजादी को बचाने के लिए सड़कों पर उतरने का आह्वान करता हूं। खान ने विशेष न्यायाधीश हुमायूं दिलावर पर उन्हें और उनकी पत्नी बुशरा बीबी को कैद करने के पीछे होने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि हुमायूं दिलावर को हमारे खिलाफ फैसले सुनाने के बदले में अरबों की जमीन उपहार में दी गई थी। खैबर-पख्तूनख्वा के भ्रष्टाचार निरोधक विभाग के पास न्यायाधीश और उनके परिवार के खिलाफ सभी सबूत हैं।

आंतरिक मंत्री मोहसिन नकवी पर भी पूर्व पीएम हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी (पीटीआई) पर कार्रवाई में अहम भूमिका निभाने के लिए मंत्री मोहसिन नकवी को आंतरिक मंत्रालय और पीसीबी अध्यक्ष सहित प्रमुख पदों से नवाजा गया। नकवी ने हमारे खिलाफ अत्याचार किए।

खान ने मुख्य न्यायाधीश काजी फैज ईसा पर पीटीआई के उत्पीड़न के लिए जिम्मेदार लोगों को बचाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि जस्टिस ईसा ने हमसे हमारा चुनाव चिह्न छीन लिया और मानवाधिकार उल्लंघनों पर हमारी याचिकाओं पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया। पूर्व प्रधानमंत्री ने कहा कि रावलपिंडी के पूर्व आयुक्त ने धांधली के लिए मुख्य न्यायाधीश और पाकिस्तान के चुनाव आयोग (ईसीपी) को जिम्मेदार ठहराया था। फिर भी मुख्य न्यायाधीश ईसा को विस्तार दिया जाएगा।

सुनीता विलियम्स स्पेस स्टेशन से अमेरिकी चुनाव में वोट डालेंगी

पृथ्वी से 400 किमी दूर से प्रेस कॉन्फ्रेंस की, कहा- मुझे स्पेस में रहना पसंद

वाशिंगटन, एजेंसी। 100 दिन से अंतरिक्ष में फंसीं भारतीय मूल की एस्ट्रोनॉट सुनीता विलियम्स और उनके साथी बुच विलमोर ने इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन से एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। यह भारतीय समयानुसार शुक्रवार देर रात 12.15 बजे से हुई। सुनीता और बुच ने कई सवालों के जवाब दिए। दोनों ने कहा कि वे अमेरिकी चुनाव में स्पेस से वोटिंग करेंगे।

वोटिंग को लेकर पूछे गए एक सवाल के जवाब में बुच ने कहा, उन्होंने आज ही वोट देने से जुड़ी चुनावी प्रक्रिया शुरू की है। यह एक जरूरी ड्यूटी है। नासा इस पर काम कर रहा है कि कैसे हम वोट दे सकें। सुनीता विलियम्स ने कहा कि वह स्पेस से वोटिंग करने को लेकर उत्साहित हैं। 400 किलोमीटर दूर स्पेस सेंटर से सुनीता और बुच ने कहा कि उन्होंने अमेरिकी चुनाव में वोट डालने के लिए नासा से पोस्टल बैलट का अरेंजमेंट करने की रिक्वेस्ट की है।

सुनीता और बुच ने 5 जून को स्पेस स्टेशन के लिए उड़ान भरी थी।

रूस पर मिसाइल हमले की तैयारी में नाटो!

मास्को, एजेंसी। यूक्रेन को रूस पर लंबी दूरी तक हमला करने वाली मिसाइलों के इस्तेमाल की इजाजत मिल सकती है। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका और ब्रिटेन इस पर विचार कर रहे हैं। अब तक इस तरह के हथियारों के उपयोग पर प्रतिबंध था, लेकिन यह पाबंदी जल्द हट सकती है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि अगर यूक्रेन को ऐसी मिसाइलों का उपयोग करने की अनुमति दी जाती है, तो इसे नाटो द्वारा रूस के खिलाफ युद्ध में शामिल होने के रूप में देखा जाएगा। पुतिन ने चेतावनी दी कि इसका कड़ा जवाब दिया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि यूक्रेन इन हथियारों का इस्तेमाल यूरोपीय या अमेरिकी सैटेलाइट की मदद के बिना नहीं कर सकता, क्योंकि यूक्रेन के पास इस तकनीक की कमी है। पुतिन का कहना है कि नाटो के प्रशिक्षित सैन्यकर्मी ही इन मिसाइल सिस्टम्स का सही उपयोग कर सकते हैं, और यूक्रेनी सैनिक इसके संचालन में सक्षम नहीं हैं। ब्लिंकन और ब्रिटिश विदेश मंत्री डेविड लैमी 11 सितंबर को यूक्रेन के दौरे पर गए थे।

रूस की कैद से यूक्रेन लौटे 49 युद्धबंदी, राष्ट्रपति जेलेंस्की ने जताई खुशी

कीव , एजेंसी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने बताया कि रूस द्वारा बंधक बनाए गए 49 यूक्रेनी सैनिक और नागरिक वापस लौट आए हैं। कीव इंडिपेंडेंट की रिपोर्ट के अनुसार, रूस से वापस लौटे 49 लोगों में सशस्त्र बल, नेशनल गार्ड, नेशनल पुलिस और सीमा रक्षकों के कर्मी भी शामिल हैं।

समन्वय मुख्यालय ने शुक्रवार को एक बयान में बताया कि कुल 23 महिलाओं को वापस लाया गया है, जिन्हें रूस ने बंधक बनाकर रखा था। रिहा किए गए लोगों में क्रीमियन तातार लेनी उमेरोवा भी शामिल हैं। उन्हें साल 2022 में जॉर्जियाई-रूसी सीमा से रूस ने हिरासत में लिया था। वह अपने कैंसर से पीड़ित पिता की देखभाल के लिए क्रीमिया गई थीं। इसके अलावा सैन्य चिकित्सक विक्टर इवचुक को भी रिहा किया गया है। कीव इंडिपेंडेंट की रिपोर्ट के अनुसार, सशस्त्र बलों के कर्नल और मारियुपोल में एक सैन्य अस्पताल के प्रमुख विक्टर इवचुक को अप्रैल 2022 से रूस ने बंदी बनाया था।

जेलेंस्की ने एक बयान में कहा, मैं अपनी पूरी टीम को धन्यवाद देना चाहता हूं, जो रूसी कैद से कैदियों और बंधकों की रिहाई सुनिश्चित करने के लिए काम करती रही। हमें अपने हर एक व्यक्ति और सैनिक को घर वापस लाना है। बता दें कि रूस ने जिन युद्धबंधियों को रिहा किया है, उनमें अजोव ब्रिगेड के 15 सैनिक भी शामिल हैं। ये सभी सैनिक साल 2022 में मारियुपोल शहर की सुरक्षा में तैनात थे। इस बीच, यूक्रेन के रक्षा मंत्रालय ने भी 49 यूक्रेनी नागरिकों की रिहाई की जानकारी दी। एक्स पर एक पोस्ट शेयर करते हुए यूक्रेनी रक्षा मंत्रालय ने कहा, आज हमारे 49 नागरिक, रूसी कैद से छूटकर यूक्रेन वापस लौट आए हैं। यूक्रेन के सशस्त्र बलों, राष्ट्रीय रक्षक, राज्य सीमा रक्षक सेवा, राष्ट्रीय पुलिस और नागरिकों के सैनिक आखिरकार घर वापस आ गए हैं।

पुतिन पर सवाल पूछा तो पत्रकार को डांटने लगे बाइडेन

बोले- उनके बारे में ज्यादा नहीं सोचता; यूक्रेन को नहीं मिली रूस में मिसाइल दागने की इजाजत

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन शुक्रवार को रूसी राष्ट्रपति पुतिन से जुड़ा सवाल पूछने पर एक ब्रिटिश पत्रकार पर बुरी तरह से नाराज हो गए। दरअसल, पुतिन ने पश्चिमी देशों को धमकी दी थी कि अगर यूक्रेन को लंबी दूरी तक हमला करने वाली मिसाइल का इस्तेमाल करने की अनुमति दी गई तो इसका अंजाम बहुत बुरा होगा। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक स्काई न्यूज के एक रिपोर्टर ने इसे लेकर बाइडेन से पूछा कि क्या यूक्रेन को इसकी इजाजत मिल रही है? इस सवाल पर बाइडेन ने आपा खो दिया। उन्होंने कहा- जब तक मैं बोल रहा हूं तब तक खामोश रहें। यही ठीक होगा।

इसके बाद भी जब रिपोर्टर ने अपना सवाल जारी रखा तो बाइडेन और नाराज हो गए। उन्होंने कहा- अब आपको चुप रहना ही होगा। मैं अब बयान देने जा रहा हूं।

बाइडेन बोले- पुतिन इस जंग को कभी जीत नहीं पाएंगे यह घटना उस समय हुई जब बाइडेन और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर वॉशिंगटन में व्हाइट हाउस में एक अहम बैठक कर रहे थे। बाइडेन ने बाद में कहा कि वह पुतिन के बारे में ज्यादा नहीं सोचते। बाइडेन ने कहा कि अमेरिका, यूक्रेन की मदद के लिए ब्रिटेन के साथ खड़ा रहेगा। उन्होंने कहा कि पुतिन इस जंग को कभी नहीं जीत पाएंगे। यूक्रेन के लोगों की जीत होगी। वहीं, ब्रिटिश पीएम ने कहा कि आने वाले कुछ दिन यूक्रेन के लिए अहम हो सकते हैं। आजादी को इस लड़ाई में हमें यूक्रेन का साथ देना होगा।

यूक्रेन को लंबी दूरी की मिसाइलों के इस्तेमाल की इजाजत अभी नहीं मिली स्टार्मर और बाइडेन के बीच व्हाइट हाउस में काफी देर बातचीत हुई मगर उन्होंने यूक्रेन को लंबी दूरी तक हमला करने वाली मिसाइल का इस्तेमाल करने की अनुमति देने को लेकर कोई संकेत नहीं दिया।

जब एक पत्रकार ने स्टार्मर से पूछा कि क्या वे स्टॉर्म शैडो (लंबी दूरी तक हमला करने वाली मिसाइल) का इस्तेमाल करने के लिए बाइडेन को राजी कर पाए? इस पर स्टार्मर ने कोई साफ जवाब नहीं दिया।

मंकीपॉक्स से मिलेगी छुट्टी? विश्व स्वास्थ्य संगठन ने दी पहली वैक्सीन को मंजूरी

जिनेवा, एजेंसी। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने शुक्रवार को कहा कि उसने वयस्कों में एमपॉक्स के उपचार के वास्ते टीके के इस्तेमाल के लिए पहली मंजूरी दे दी है तथा उसने इसे अफ्रीका और अन्य स्थानों पर इस बीमारी का मुकाबला करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। टीके को मंजूरी दिये जाने का मतलब है कि जीएवीआई वैक्सीन एलायंस और यूनिसेफ जैसे दानकर्ता इसे खरीद सकते हैं। लेकिन आपूर्ति सीमित है क्योंकि केवल एक ही निर्माता है। डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक टेड्रोस एडनोम घेब्रेयेसस ने कहा, ''एमपॉक्स के उपचार के लिए टीके के इस्तेमाल को मंजूरी मिलना इस बीमारी के खिलाफ हमारी लड़ाई में एक महत्वपूर्ण कदम है।'' विश्व स्वास्थ्य संगठन के इस अनुमोदन के तहत, 18 वर्ष या उससे अधिक आयु वर्ग के लोगों को दो खुराक वाला टीका लगाया जा सकता है। अफ्रीका रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केन्द्र के अधिकारियों ने पिछले महीने कहा था कि कांगो (जो एमपॉक्स से सबसे अधिक प्रभावित देश है) में लगभग 70 प्रतिशत मामले 15 वर्ष से कम आयु के बच्चों में सामने आये हैं।

बालकनी से गिरकर हुई थी छात्रा की मौत, 24 घंटे के भीतर पीजी खाली करने के आदेश

नई दिल्ली।मुखर्जी नगर में पीजी होम की बालकनी से गिरने से हुई छात्रा की मौत के मामले में दिल्ली नगर निगम करीब साढ़े पांच महीने बाद हरकत में आई है। नगर निगम ने संचालक को नोटिस भेजकर 24 घंटे के भीतर पीजी होम खाली करने के निर्देश दिए हैं। हादसे के साढ़े पांच महीने बीतने के बाद पीजी होम संचालक के खिलाफ कार्रवाई का निर्णय चौंकाने वाला है।नोटिस में हादसे का जिक्र नहीं है, लेकिन कार्रवाई की वजह इमारत का दुरुपयोग व वाणिज्यिक उद्देश्य के लिए इस्तेमाल बताई गई है। पीजी होम संचालक को नगर निगम सिविल लाइंस जोन के कार्यकारी अभियंता कार्यालय की ओर से नोटिस भेजा गया, जिसमें कहा गया है कि इमारत में भूतल के साथ-साथ पहली, दूसरी, तीसरी व चौथी मंजिल तक पीजी होम का संचालन किया जा रहा है। यह दिल्ली मास्टर प्लान-2021 के निर्धारित प्रावधानों का उल्लंघन है।नोटिस में 24 घंटे के भीतर उक्त परिसर खाली करने को कहा है। ऐसा न करने पर कार्रवाई के लिए इमारत मालिक/किराएदार खुद जिम्मेदार होंगे।पीजी की बालकनी से गिरने से छात्रा की मौत के मामले में कार्रवाई की मांग करने वाली संस्था स्वेच्छादान के संस्थापक अध्यक्ष बीएन झा का कहना है कि यह कार्रवाई तो हादसे के फौरन बाद ही होनी चाहिए थी, निगम साढ़े पांच माह बाद कार्रवाई कर रही है।दूसरी बात, निगम ने केवल एक इमारत को नोटिस दिया, जबकि मुखर्जी नगर में नियमों के विपरीत हजारों से ऐसे चल रहे हैं। निगम को ऐसे सभी पीजी होम को बंद कराना चाहिए।

राजौरी के जंगल में छिपे आतंकियों को खोज रहे जवानों पर फायरिंग

राजौरी-पुंछ। जिले की मेंढर तहसील के पठान तीर क्षेत्र के जंगल में तलाशी अभियान चला रहे जवानों पर अचानक आतंकियों ने फायरिंग शुरु कर दी। पहले से छिपे इन आतंकियों को जवानों ने भी मुंहतोड़ जवाब दिया। इस दौरान अंधेरे का लाभ उठाकर आतंकी मौके से फरार होने में सफल हो गए।सुरक्षा बलों ने पूरे जंगली क्षेत्र को घेर कर तलाशी अभियान शुरू कर दिया है। इतने में आतंकी अंधेरे का लाभ उठाकर मौके से फरार होने में सफल हो गए, इसके बाद सुरक्षा बलों के जवानों ने पूरे जंगली क्षेत्र को घेर तक तलाशी अभियान को शुरू कर दिया है। अतिरिक्त संख्या में सुरक्षा बलों के जवानों को मौके पर रवाना कर दिया गया ताकि जंगल में छिपे किसी भी आतंकी को जिंदा न जाने दिया जाए। जानकारी के अनुसार शनिवार की देर रात को सुरक्षा बलों को सूचना मिली थी कि पठान तीर के जंगल में आतंकियों की मौजूदगी है। सूचना मिलते ही सेना, पुलिस व सीआरपीएफ के जवानों ने संयुक्त तलाशी अभियान शुरू कर दिया। जैसे ही सुरक्षा बलों के जवान जंगी के भीतर पहुंचे उसी समय आतंकियों ने सुरक्षाबलों के जवानों के ऊपर फायरिंग शुरू कर दी।उसी समय सुरक्षा बलों के जवानों ने जवाबी कार्रवाई शुरू कर दी। बता दे भारतीय सुरक्षा बलों ने इससे पहले शुक्रवार को दो और शनिवार को तीन आतंकी ढेर किए हैं।

फेक ट्रेडिंग ऐप के जाल में फंसी महिला, गंवाए 53 लाख

- जालसाज अंतरराष्ट्रीय खातों में ट्रांसफर करवाते थे पैसे

नई दिल्ली । जालसाजों ने दिल्ली की एक महिला को फेक ट्रेडिंग ऐप के जरिये अपना शिकार बनाया है।ट्रेडिंग ऐप में पैसा लगवाकर महिला से 53 लाख रुपये का फॉड किया गया है। पश्चिमी दिल्ली के विकासपुरी की रहने वाली शिकायतकर्ता ने बताया कि घोटालेबाजों ने एक फर्जी ट्रेडिंग ऐप बनाया था, जो एक वैध निजी बैंक के स्टॉक एप्लीकेशन की नकल जैसा था। जालसाजों ने महिला से कई अंतरराष्ट्रीय खातों में यह दावा कर पैसा जमा करवाया की वह उनके ही खाते हैं। शुरुआत में कुछ पैसे जमा करने के बाद वह ऐप पर फर्जी मुनाफा दिखाते थे, ताकि लोगों को अधिक निवेश करने पर भरोसा हो जाए। इसके बाद जालसाज आईपीओ में निवेश करने और मुनाफा कमाने का लालच देकर लोगों से मोटी रकम अपने खातों में ट्रांसफर करवा लेते थे। हालांकि जैसे ही लोग अपने पैसों को निकालने के लिए ऐप पर जाते थे तो उनकी गतिविधि को ब्लॉक कर दिया जाता था। इसके एवज में पीड़ितों से ऐप लोन, टैक्स और कई दूसरे खातों में अधिक पैसे ट्रांसफर करने की डिमांड की जाती थी। ऐसा नहीं करने पर पीड़ितों के ऐप से सभी गतिविधियों को ब्लॉक कर दिया जाता था। शिकायतकर्ता ने यह भी आरोप लगाया कि कुछ व्यक्ति, जो संभावित रूप से घोटालेबाजों के साथ काम कर रहे थे, दोस्त बनकर पीड़ित को पैसे उधार देने की पेशकश करते थे। ये मित्र व्यक्तिगत खातों को दरकिनार करते हुए तथा लेन-देन का कोई सबूत न देते हुए, धनराशि को सीधे पीड़ित के अंतरराष्ट्रीय खाते में ट्रांसफर कर देते थे।

हिमाचल प्रदेश में येलो अलर्ट जारी, मौसम विभाग ने 21 सितंबर तक बारिश का अनुमान जताया

शिमला। हिमाचल प्रदेश में मौसम विभाग ने राज्य के छह जिलों में रविवार और बुधवार को अलग-अलग स्थानों पर तेज हवाएं चलने और गरज के साथ बारिश होने का येलो अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग ने राज्य में 21 सितंबर तक बारिश का दौर जारी रहने का अनुमान जताया है। मौसम विभाग ने बताया कि राज्य के कई हिस्सों में रुक-रुक कर बारिश जारी रही और शनिवार शाम से कसौली में सबसे अधिक 53 मिलीमीटर (मिमी) बारिश दर्ज की गई। इस अवधि के दौरान धरमपुर में 26 मिमी बारिश दर्ज की गई, जबकि रेणुका में 20 मिमी, करसोग में 10 मिमी, नाहन में 7.9 मिमी, कल्पा में 7.7 मिमी, सराहन में छह मिमी तथा धर्मशाला और कांगड़ा में 5.6 मिमी बारिश दर्ज की गई। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र (एसईओसी) के अनुसार, शनिवार शाम राज्य में 40 से अधिक सड़कें बंद कर दी गईं और 53 बिजली आपूर्ति योजनाएं बाधित हुईं। राज्य में एक जून से 15 सितंबर तक मानसून के दौरान बारिश की कमी 18 प्रतिशत है, राज्य में मानसून के दौरान 689.6 मिमी औसत बारिश के मुकाबले 562.9 मिमी बारिश हुई है। अधिकारियों के अनुसार, राज्य में मानसून के आगमन के बाद, 27 जून से शनिवार तक बारिश से संबंधित घटनाओं में 169 लोगों की मौत हो चुकी है जबकि 30 लोग लापता हैं। उन्होंने बताया कि बारिश संबंधी घटनाओं में राज्य को 1,327 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है।

दुष्कर्म के केस में विग कमांडर को तुरंत फुरंत जमानत

श्रीनगर । जम्मू कश्मीर हाईकोर्ट की एकल बेंच के न्यायाधीश ने एक विंग कमांडर को 50000 रूपये की जमानत पर छोड़ने के आदेश दिए हैं। विंग कमांडर के ऊपर उसकी महिला साथी ने विंग कमांडर पर ऑफिसर ने यौन शोषण के आरोप लगाए थे। आरोपी ने इस मामले की याचिका जम्मू कश्मीर हाईकोर्ट में दायर की। जहां से उसे जमानत मिल गई। जम्मू कश्मीर के एकल न्यायाधीश ने आदेश दिया है,विग कमांडर की गिरफ्तारी होने से उसकी प्रतिष्ठा और कैरियर दोनों ही खतरे में पड़ जाएंगे। अत: उसे 50000 रूपये की जमानत में रिहा किया जाए। बिना अदालत की अनुमति के उसके खिलाफ आरोप पत्र दायर नहीं किया जाए। बिंग कमांडर को बिना सीनियर अधिकारी के अनुमति लिए बिना श्रीनगर और जम्मू कश्मीर छोड़ने पर रोक लगा दी है। यह मामला अपने तरीके का है। महिला के साथ यौन उत्पीड़न करने के बाद भी तुरंत जमानत मिल गई। अब पुलिस इस मामले की जांच करेगी। जम्मू कश्मीर हाई कोर्ट के इस निर्णय को लेकर बड़ा आश्चर्य व्यक्त किया जा रहा है।

टीएमसी नेता ने युवती को घर बुलाकर किया दुष्कर्म,पार्टी ने किया निलंबित

कोलकाता।पश्चिम बंगाल में टीएमसी नेता आए दिन किसी न किसी मामले में धरे जा रहे हैं। बीते रोज एक और नेता दुष्कर्म के मामले में धरा गया है। आरोपी नारायण मित्रा ने एक युवती को घर बुलाया और दो तीन दिन तक उसके साथ यौन संबंध बनाए। पीड़िता का कहना है कि आरोपी ने किसी काम से घर बुलाया और बांकुरा स्थित अपने आवास पर घटना को अंजाम दिया। वहीं दूसरी तरफ इस मामले में एफआईआर होने के बाद ट्रेड यूनियन नेता को टीएमसी ने उन्हे निलंबित कर दिया है। बता दें कि पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी सरकार इस समय आरजी कर अस्पताल में महिला डॉक्टर से रेप और हत्या के मामले में सवालों के घेरे में है। पश्चिम बंगाल समेत देशभर के डॉक्टरों में भी आक्रोश व्याप्त है। शनिवार को ममता बनर्जी ने डॉक्टरों से मुलाकात की थी हालांकि यह बैठक बेनतीजा ही रही।

लोगों को गुमराह कर रहे, पीएम मोदी पर फारूक अब्दुल्ला का आरोप

श्रीनगर (एजेंसी)। पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ल ने रविवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी यह दावा कर देश को ''गुमराह'' कर रहे हैं कि अगर नेशनल कॉन्फ्रेंस-कांग्रेस गठबंधन केंद्र शासित प्रदेश में सत्ता में आया तो जम्मू कश्मीर में आतंकवाद फिर से बढ़ जाएगा। नेकां नेता ने कहा, ''मैं प्रधानमंत्री से पूछना चाहता हूं कि पिछले पांच साल से उनकी सरकार है और अनुच्छेद 370 हट चुका है। वह कहते थे कि अनुच्छेद 370 यहां (जम्मू-कश्मीर) आतंकवाद के लिए जिम्मेदार है, लेकिन आज अनुच्छेद 370 है ही नहीं। अब भी ये आतंकवाद क्यों है?''

अब्दुल्ल की यह टिप्पणी प्रधानमंत्री मोदी द्वारा नेशनल कॉन्फ्रेंस, कांग्रेस और पीडीपी को दोबारा सत्ता में लाने के खिलाफ लोगों को आगाह करने के एक दिन बाद आई है। मोदी ने आरोप लगाया था कि इन दलों की नीतियों ने आतंकवाद के लिए जमीन तैयार की है, युवा नेतृत्व को दबाया है और जम्मू-कश्मीर को ''खोखला'' कर दिया है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री को यह पता होना चाहिए कि जब वह दूसरों पर आरोप लगाते हैं तो तीन उंगलियां उनकी ओर उठती हैं।

अब्दुल्ल ने कहा, ''जो लोग हम पर आरोप लगा रहे हैं, मैं उनसे कहना चाहता हूं कि जब आप हमारी ओर एक उंगली उठाते हैं तो तीन उंगलियां आपकी ओर उठती हैं। आप लोगों को गुमराह कर रहे हैं, आप हर दिन झूठ बोल रहे हैं।'' वर्ष 1987 के चुनावों में ''धांधली'' के कारण जम्मू-कश्मीर में उग्रवाद भड़कने संबंधी आलोचना के बारे में पूछे जाने पर अब्दुल्ल ने कहा कि उन्होंने अलगाववादियों को हिंसा करने के लिए नहीं कहा।

अब्दुल्ल ने कहा, ''मैंने उन्हें अलगाववादी नहीं बनाया। नेशनल कॉन्फ्रेंस ने उन्हें (अलगाववादी) नहीं बनाया। वे पाकिस्तान के लिए बोलते हैं। जो लोग पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगा रहे थे और जनमत संग्रह कराने की बात कर रहे थे, वे आज उनके खेमे में बैठे हैं। आप उनसे क्यों नहीं पूछते कि 'निजाम-ए-मुस्तफा' (शरिया कानून) लागू करने के नारे लगाने वाले कहां हैं। वे भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के साथ बैठे हैं।''

लोकसभा सदस्य शेख अब्दुल रशीद द्वारा नेशनल कॉन्फ्रेंस और अन्य पार्टियों की आलोचना के बारे में पूछे जाने पर अब्दुल्ल ने पूछा, ''उन्हें पहले क्यों नहीं रिहा किया गया? अब क्यों? उन्हें मुसलमानों को विभाजित करने और उनकी आवाज को खत्म करने के लिए रिहा किया गया है। वह भाजपा और आरएसएस के साथ हैं।

आरक्षण संबंधी बयान को लेकर उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने राहुल गांधी पर साधा निशाना

मुंबई। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के आरक्षण से संबंधित बयान को लेकर उन पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए रविवार को कहा कि संवैधानिक पद पर आसीन व्यक्ति की ऐसी टिप्पणी ''संविधान विरोधी मानसिकता'' को दर्शाती है।

धनखड़ ने मुंबई में एक सार्वजनिक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह भी कहा कि भारत के संविधान के बारे में जागरूकता की अत्यधिक आवश्यकता है, क्योंकि कुछ लोग इसकी मूल भावना को भूल गए हैं। उन्होंने कहा, ''संवैधानिक पद पर आसीन व्यक्ति का विदेशी धरती पर यह कहना कि आरक्षण समाप्त कर दिया जाना चाहिए, संविधान विरोधी मानसिकता को दर्शाता है। यह वही पुरानी संविधान विरोधी मानसिकता है, बस इसकी जिम्मेदारी किसी और ने ले ली है।'' उपराष्ट्रपति ने कहा, ''आरक्षण योग्यता के खिलाफ नहीं है, बल्कि यह देश और संविधान की आत्मा है। यह सकारात्मक है, नकारात्मक नहीं। यह किसी को अवसर से वंचित नहीं करता, बल्कि समाज को ताकत देने वाले स्तंभों को सहारा देता है।'' हाल ही में अमेरिका की यात्रा के दौरान, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष गांधी ने कहा था कि कांग्रेस आरक्षण खत्म करने के बारे में तभी सोचेगी, जब देश में सभी को समान अवसर मिलने लगेंगे और फिलहाल भारत में ऐसी स्थिति नहीं है।

सीएम रेड्डी ने ओवैसी की तारीफ में पढ़े कसीदे कहा- वे कांग्रेस के खिलाफ बोलते हैं हमें खुशी होती है

हैदराबाद (एजेंसी)। कांग्रेस पर लगातार हमलावर रहने वाले एआईएमआईएम के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी की कांग्रेस नेता और तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने जमकर तारीफ की। उन्होंने ओवैसी की तारीफ में कसीदे पढ़ते पढ़ते यहां तक कह दिया कि जब उन्होंने कांग्रेस के खिलाफ बात की, तब भी मुझे अच्छा लगा क्योंकि हमारा अपना भाई अपनी आवाज उठा रहा था। अगर कोई हमारे खिलाफ बोलता है, तो वह हमारा दुश्मन नहीं बन जाता। सरकार चलाने में कुछ गलतियां हो सकती हैं। उन गलतियों को सुधारने के लिए हमें एक मजबूत विपक्ष की जरूरत है, चाहे वह राज्य में हो या देश में। बता दें कि ओवैसी ने कई मौकों पर कांग्रेस की कड़ी आलोचना की है, खासकर मुस्लिम समुदाय से जुड़े मुद्दों पर।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में आगे कहा कि देश में नफरत फैलाने की कोशिशों का मुकाबला करने के लिए सामूहिक प्रयास किए जाने चाहिए।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने शनिवार को हैदराबाद के सांसद और ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी की प्रशंसा करते हुए कहा कि वे राज्य के एकमात्र सांसद हैं जो संसद में लगातार गरीबों के लिए बोलते हैं। हैदराबाद में पैगंबर फॉर द वर्ल्ड नामक पुस्तक के विमोचन समारोह में बोलते हुए कांग्रेस नेता ने कहा कि ओवैसी हाशिए पर पड़े समुदायों के कल्याण के लिए अथक काम कर रहे हैं। रेवंत रेड्डी ने उन्हें गरीबों की आवाज बताया। रेवंत रेड्डी ने कहा कि पैगंबर मुहम्मद, गीता और बाइबिल की शिक्षाओं का सार देश और दुनिया में शांति सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा, हमें उन लोगों को रोकने के लिए एक साथ खड़ा होना चाहिए जो जहर फैलाने की कोशिश कर रहे हैं। भारत हमारा देश है और इसकी सुरक्षा करना हमारी जिम्मेदारी है। देश को बचाने के लिए कोई और नहीं आएगा। चुनाव जीतने की कोशिश करना गलत नहीं है, लेकिन हमें उन लोगों से सावधान रहना चाहिए जो जीतने के लिए जहर फैलाते हैं।

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ प्रमुख बोले: समाज में समरसता होनी चाहिए, हर वर्ग को साथ लेकर चलना चाहिए

अलवर (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने स्वयं सेवकों को परिवार और समाज से जुड़े 5 सूत्र बताए। उन्होंने कहा- हम कहां पिछड़ रहे हैं, इसके बारे में चर्चा करने की जरूरत है। गरीब के साथ जुड़ाव रखें, उनको घर पर लेकर आएं और उनके घर पर भी जाएं। रविवार को इंदिरा गांधी स्टेडियम में स्वयं सेवकों को संबोधित करते हुए भागवत ने कहा कि हम सभी को परिवार के सदस्यों के बीच बैठकर बातचीत करते रहना चाहिए। शाम को खाना खाते समय एक साथ बैठे, ताकि सभी के मन की बात पता रहे। अपने गांव-ढाणी के गरीब परिवारों को आगे बढ़ाने की सोच रखनी चाहिए। गरीब के घर भी जाना चाहिए। गरीब को भी अपने घर बुलाना चाहिए। समाज में समरसता का माहौल रहना चाहिए। हर तबके को साथ लेकर चलना चाहिए।

उन्होंने कहा कि घर में क्या हो रहा है और क्या होना चाहिए, इस पर परिवार में एक-दूसरे के विचार जरूरी हैं। दूसरा हम समाज के लिए क्या कर रहे हैं, इस पर विचार करने की जरूरत है। जिस राज्य में आप रहते हैं, उसकी वेशभूषा और खान-पान का पता रहना चाहिए। एक जगह शाखा लगाए, जिसमें हमें एक-दूसरे का पता रहना चाहिए। हम कहां पिछड़ रहे हैं, इसके बारे में चर्चा करने की जरूरत है। भागवत ने कहा कि पिछड़ेपन को दूर करने के लिए हम सबको काम करने की जरूरत है। रण में जाए बिना भी देश सेवा की जा सकती है। अपनी कॉलोनी में सफाई करके भी देश सेवा कर सकते हैं। समाज को उन्नतिशील बनाए, चरित्र और शिक्षा को बेहतर बनाकर देश सेवा हो सकती है। उन्होंने कहा- देश में समरसता होनी चाहिए, हर व्यक्ति अपने आप को भारत का नागरिक समझे।

पौधे वृक्ष बने, इसकी सबको चिंता करने की जरूरत

भागवत ने पौधारोपण करने के बाद कहा कि ये लगाए गए पौधे वृक्ष बने, इसकी सबको चिंता करने की जरूरत है। आने वाली पीढ़ी को यह एक विशेष सौगात होगी। हमने प्रकृति से खूब लिया है, अब प्रकृति को भी संवारने की जरूरत है। इस दौरान केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव और प्रदेश सरकार में वन मंत्री संजय शर्मा भी मौजूद थे। आरएसएस प्रमुख ने यहां 11 पौधे लगाए गए हैं।

योगी के ज्ञानवापी ही विश्वनाथ वाले बयान पर भड़के मुस्लिम धर्मगुरु

वाराणसी। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ के ज्ञानवापी ही विश्वनाथ के बयान के बाद मुस्लिम धर्मगुरुओं ने कड़ी आपत्ति जताई है। बनारस, लखनऊ, बरेली के धर्मगुरुओं ने संयुक्त बयान जारी किए हैं। वाराणसी में अंजुमन इंतजामिया मस्जिद कमेटी के जॉइंट सेक्रेटरी मोहम्मद सैयद यासीन ने कहा कि चुनाव का माहौल है, सीएम कल कह सकते हैं कि ताजमहल शंकराचार्य की समाधि है। यासीन ने कहा कि योगी एक महान इंसान हैं। क्या कहा जाए। वह जिस पद पर हैं, उन्हें ऐसे बयान देने से एहतियात बरतना चाहिए। अफसोस है कि चुनाव और अपनी राजनीति चमकाने के लिए कोई कुछ भी बोल सकता है। उन पर कोई रोक नहीं है। बरेली में ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना मुफ्ती शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी ने कहा कि ज्ञानवापी एक तारीखी मस्जिद है। वहां विवाद चल रहा है, जोकि कोर्ट में लंबित है। जिला कोर्ट, हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में अलग-अलग कई मामले दर्ज हैं। दोनों पक्षों के वकील जिरह कर रहे हैं। अभी नतीजा नहीं निकला है। ऐसी सूरत में सीएम योगी ने जो बयान दिया है, ऐसा कहना कानूनी प्रक्रिया को प्रभावित करने जैसा है। उन्होंने कहा कि वह बड़ी शख्सियत हैं, जो जिम्मेदार कुर्सी पर बैठे हैं, उन्हें ऐसी बात कहना शोभा नहीं देता। सीएम तो सबका होता है, चाहे उसने वोट दिया हो, चाहे न दिया हो। लॉ एंड ऑर्डर, लोगों को सुरक्षित महसूस कराना, सीएम का काम है।

महाराष्ट्र का मुख्यमंत्री बनना मेरी कभी ख्वाहिश नहीं रही: शिवसेना (यूबीटी) नेता उद्धव ठाकरे

अहमदनगर (एजेंसी)। शिवसेना (यूबीटी) नेता उद्धव ठाकरे ने कहा कि उन्होंने महाराष्ट्र का मुख्यमंत्री बनने की आकांक्षा कभी नहीं रखी। आगामी महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में मुख्यमंत्री पद के चेहरे के साथ उतरने के प्रति महा विकास आघाडी (एमवीए) सहयोगियों की अनिच्छा की पृष्ठभूमि में उनका यह बयान सामने आया है। अहमदनगर में प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए ठाकरे ने कहा कि उनकी (नवंबर) 2019 में भी मुख्यमंत्री बनने की इच्छा नहीं थी।

ठाकरे ने कहा, ''चाहे मैं सत्ता में रहूं या नहीं, मैं लोगों के समर्थन से सशक्त महसूस करता हूं। बालासाहेब (ठाकरे) कभी भी सत्ता में नहीं थे, लेकिन लोगों के समर्थन के कारण सभी शक्तियां उनमें निहित थीं।'' वह पुरानी पेंशन योजना की बहाली के लिए प्रदर्शन कर रहे राज्य सरकार के कर्मचारियों को संबोधित कर रहे थे। ठाकरे ने पिछले महीने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) और कांग्रेस से महा विकास आघाडी के लिए मुख्यमंत्री पद का चेहरा तय करने के लिए कहा था, लेकिन उन्हें सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं मिली।

एमवीए के मुख्य वास्तुकार और राकांपा (एसपी) प्रमुख शरद पवार ने कहा था कि गठबंधन को मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित करने की कोई आवश्यकता नहीं है। पवार ने कहा था कि मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार इस आधार पर तय किया जाएगा कि गठबंधन में कौन सी पार्टी सबसे अधिक सीट जीतती है। ठाकरे ने आगे कहा कि महाराष्ट्र के लोग उनकी ताकत हैं। उन्होंने कहा, ''जब तक आप मेरा समर्थन करेंगे तब तक कोई मुझे सेवानिवृत्त नहीं कर सकता।

42 करोड़ का पुल 7 साल में हुआ जर्जर, अब 52 करोड़ में दोबारा बनेगा

अहमदाबाद (एजेंसी)। आज से सात साल पहले 2017 में 42 करोड़ की लागत से बनाया गया पुल अब किसी काम का नहीं रहा। अब इस हाटकेश्वर पुल को तोड़कर दोबारा से बनाया जाएगा। इस बार इसकी लागत 52 करोड़ रुपये होगी। अहमदाबाद नगर निगम ने पुल के पुनर्निर्माण के लिए चौथा टेंडर जारी किया है। पुल के पुनर्निर्माण की यह राशि उसी कंपनी से वसूली जाएगी जिसने इसे बनाया था। पुल की जर्जर हालत के मद्देनजर सुरक्षा संबंधी चिंताओं के कारण पिछले दो सालों से यह पुल बंद है। एएमसी में विपक्ष के नेता शहजाद खान पठान ने हाटकेश्वर बुल को इंजीनियरिंग विफलता और भ्रष्टाचार का प्रमुख उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि अजय इंफ्रा द्वारा निर्मित इस पुल का उद्घाटन नवंबर 2017 में हुआ था, लेकिन मार्च 2021 में एक गड्ढे के कारण इसे अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया था।

पठान ने कहा, अगस्त 2022 में बनी स्थिरता रिपोर्ट में असुरक्षित पाए जाने के बाद पुल को पूरी तरह से बंद कर दिया गया था। पुनर्निर्माण सहित पुल की कुल लागत केवल पांच वर्षों में 94 करोड़ रुपये होगी और यह राशि अजय इंफ्रा कंपनी से वसूल की जानी चाहिए।उन्होंने कहा, अगस्त 2022 में बनी स्टेबिलिटी रिपोर्ट में असुरक्षित पाए जाने के बाद पुल को पूरी तरह से बंद कर दिया गया था। पुनर्निर्माण सहित पुल की कुल लागत केवल पांच वर्षों में 94 करोड़ रुपये होगी और यह राशि अजय इंफ्रा कंपनी से ही वसूल की जानी चाहिए।रिपोर्ट के अनुसार, एएमसी की स्टैंडिंग कमेटी के अध्यक्ष देवांग दानी ने एक साक्षात्कार में कहा, हाटकेश्वर पुल को नुकसान के कारण बंद कर दिया गया था। एएमसी ने इसे तोड़ने और पुनर्निर्माण के लिए तीन टेंडर निकाले थे, लेकिन किसी भी कंपनी ने जवाब नहीं दिया। चौथे प्रयास में, राजस्थान की एक कंपनी ने इस प्रोजेक्ट को लेने पर सहमति जताई। एएमसी का लक्ष्य 15 दिनों के भीतर प्रक्रिया पूरी करना और अगले 18 महीनों में नया पुल तैयार करना है। वहीं, देवांग दानी ने बताया कि पुल के पुनर्निर्माण लागत का आंकलन जारी है, जबकि गुजरात के गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी ने पुष्टि की कि इसकी तोड़फोड और पुनर्निर्माण पर 52 करोड़ रुपये की लागत आएगी, जो मूल ठेकेदार से वसूल किए जाएंगे। इसके जवाब में पठान ने पूछा कि जब अहमदाबाद में अन्य नए पुलों के निर्माण में 100 करोड़ से अधिक की लागत आ रही है, तो इस पुल के पुनर्निर्माण में केवल 52 करोड़ रुपये की लागत ही क्यों आएगी। उन्होंने यह भी पूछा कि सभी नए पुलों पर लागत बचाने का ऐसा ही तरीका क्यों नहीं अपनाया जा सकता। अहमदाबाद कांग्रेस के शहर अध्यक्ष हिम्मत सिंह पटेल ने भी चिंता जताते हुए सवाल किया कि हाटकेश्वर पुल मामले में शामिल ठेकेदार और अधिकारियों के खिलाफ कोई जांच क्यों नहीं की गई। उन्होंने भाजपा पर कार्रवाई से बचने और ईडी और सीबीआई जैसी एजेंसियों का चुनिंदा तरीके से इस्तेमाल करने का आरोप लगाया।

अयोध्या में इस बार और भी भव्य होगा दीपोत्सव.... भारी संख्या में श्रद्धालु आएंगे

अयोध्या (एजेंसी)। प्रभु श्रीराम की नगरी अयोध्या में इस साल दीपोत्सव को और भी भव्य बनाने की तैयारियाँ हो रही हैं। जिला प्रशासन ने दीपोत्सव के आयोजन को लेकर व्यापक योजना बनाकर कार्यों की निगरानी शुरू कर दी है। इस बार दीपोत्सव को ऐतिहासिक बनाने के लिए अयोध्या में चल रहे विकास कार्यों की गति को बढ़ाया गया है।

हाल ही में, अयोध्या के कमिश्नर गौरव दयाल ने दीपोत्सव की तैयारियों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने परिक्रमा मार्ग, राम की पैड़ी और धर्मपथ पर बनाए गए फूड प्लाजा का भी जायजा लिया। कमिश्नर ने निर्देश दिए हैं कि फूड प्लाजा को दीपोत्सव से पहले 3 फीट पीछे किया जाए, ताकि श्रद्धालुओं की सुविधा को बेहतर बनाया जा सके। इतना ही नहीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अयोध्या की भव्यता को बढ़ाने के लिए लगातार प्रयासरत हैं। इस दीपोत्सव के मौके पर अयोध्या में कई नई योजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास होगा। इसके पहले, कई परियोजनाओं को पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है, ताकि दीपोत्सव के दौरान अयोध्या में श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मिल सकें।

अयोध्या में इस बार दीपोत्सव के मौके पर भारी संख्या में श्रद्धालुओं के आने की उम्मीद है। जिला प्रशासन ने इस भीड़ को संभालने और मेहमानों के स्वागत की तैयारियों में जुटा हुआ हैं। दीपोत्सव के दौरान जिन मार्गों पर भीड़ अधिक होने की संभावना है, वहां के विकास कार्यों को शीघ्र पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। कमिश्नर गौरव दयाल ने पुष्टि की कि विभिन्न परियोजनाओं का निरीक्षण किया गया है और अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि दीपोत्सव से पहले अधिकांश कार्य पूरे कर लिए जाएं। इस प्रकार, अयोध्या की धार्मिक गरिमा और दिव्यता को बनाए रखते हुए दीपोत्सव को एक अविस्मरणीय अनुभव बनाने के लिए पूरी तैयारियाँ की जा रही हैं।